PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शुक्रवार
21.02.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 21

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
www.rashtriyamukhyadhara.com
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भाजपा की दिल्ली की सत्ता में 27 साल बाद वापसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आज दिल्ली की सत्ता में 27 साल बाद वापसी हो गई। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष और पहली बार विधायक चुनी गईं रेखा गुप्ता दिल्ली की बागडोर संभालने वालीं नौवीं मुख्यमंत्री बन गईं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित भव्य और दिव्य समारोह में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। रेखा गुप्ता ने हिंदी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी सुरक्षा प्रदान की गई है। उनके घर के बाहर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रेखा गुप्ता के साथ प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंदर इन्द्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह को मंत्री पद की शपथ दिलाई। रेखा गुप्ता दिल्ली में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं। इसके साथ ही वो वर्तमान में भाजपा शासित किसी भी राज्य में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री भी बन गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इनके अलावा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बने। दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक में 19 फरवरी को 50 वर्षीय रेखा गुप्ता को नेता चुना गया। उन्होंने इसके बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना से राज निवास में मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीटों पर जीत हासिल कर आम आदमी पार्टी के लंबे शासन का अंत किया है। रेखा गुप्ता ने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज से पढ़ाई के दौरान ही छात्र राजनीति में कदम रखा। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से भी जुड़ी रही हैं।

शपथ ग्रहण के बाद एक्शन में रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने मंत्रियों के साथ आज शाम को पहली कैबिनेट बैठक करेंगी। कैबिनेट बैठक के बाद वह दिल्ली के यमुना घाट का दौरा करेंगी। इसके माध्यम से वह एक तरह से यमुना सफाई का संदेश देंगी, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में एक बड़ा और अहम मुद्दा रहा था। रेखा गुप्ता और उनके सहयोगी मंत्रियों ने आज दोपहर यहां रामलीला मैदान में शपथ ली। इसी के साथ 26 साल से अधिक समय से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सत्ता को तरस रही भाजपा की सत्ता में वापसी हो गई। शपथ ग्रहण के बाद मीडिया को बताया गया कि आज शाम को रेखा गुप्ता अपने सहयोगी मंत्रियों के साथ कैबिनेट बैठक करेंगी। उसके बाद आज शाम को ही वह यमुना का जायजा भी लेंगी। शाम को छह बजे अंतर्राज्यीय बस अड्डे के निकट वासुदेव घाट पर आरती भी होगी, जिसमें मुख्यमंत्री जा सकती हैं। बुधवार शाम को पार्टी विधायक दल की नेता चुने जाने के बाद रेखा गुप्ता ने राजनिवास जाकर राज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। आज दोपहर रामलीला मैदान में उन्होंने अपने छह सहयोगी मंत्रियों के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा, मप्र के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस समेत भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, दिल्ली के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित दिल्ली के संकल्प के साथ आज मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों की आकांक्षाओं को साकार करने का अवसर है।

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद रेखा गुप्ता को देशभर से बधाइयां मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि दिल्ली के विकास के लिए वे पूरी शक्ति के साथ काम करेंगी और उनका कार्यकाल एक फलदाई कार्यकाल होगा। उन्होंने कहा कि कैंपस की राजनीति, राज्य के संगठन, नगरपालिका प्रशासन और विधायक तथा अब मुख्यमंत्री के तौर पर सक्रियता के साथ काम करते हुए वे जमीनी स्तर से आगे बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने मंत्री पद की शपथ लेने वाले प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह टीम साहस और अनुभव का संगम है और निश्चित रूप से दिल्ली के लिए सुशासन सुनिश्चित करेगी।

संक्षिप्त समाचार

आईसीजी के लिए खरीदे जाएंगे 149 सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो, बीईएल से हुआ अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को भारतीय तटरक्षक बल के लिए 149 सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो खरीदने का अनुबंध भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ किया। कुल 1220.12 करोड़ रुपये की लागत से 149 सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो बेंगलुरु की कंपनी बीईएल से खरीदे जाएंगे। ये अत्याधुनिक रेडियो हाई-स्पीड डेटा और सुरक्षित वॉयस संचार के माध्यम से सुरक्षित और विश्वसनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। इससे भारतीय तटरक्षक बल की समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव अभियान, मत्स्य संरक्षण और समुद्री पर्यावरण संरक्षण सहित अपनी मुख्य जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त ये रेडियो भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त अभियानों के लिए अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाएंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह परियोजना तटरक्षक बल की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करके भारत सरकार के ब्लू इकोनॉमी उद्देश्यों का समर्थन करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए यह अनुबंध उन्नत सैन्य-ग्रेड संचार प्रणालियों के लिए देश की विनिर्माण क्षमताओं कोबढ़ाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के फैसले पर लगाई रोक और, "बहुत परेशान करने वाला" आदेश बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने संबंधी लोकपाल के आदेश पर रोक लगाकर "बहुत परेशान करने वाला" आदेश करार दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने लोकपाल द्वारा 27 जनवरी को पारित आदेश पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई के संबंध में केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जबाव मांगा है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अभय एस ओका शामिल हैं। पीठ ने शिकायतकर्ता को न्यायाधीश का नाम उजागर करने से रोक दिया है। पीठ ने शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत गोपनीय रखने का भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाकर लोकपाल के आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें लोकपाल ने खुद को हाई कोर्ट के मौजूदा जजों की जांच करने का अधिकारी बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बेहद परेशान करने वाला करार देकर केंद्र और लोकपाल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। लोकपाल ने 27 जनवरी को आदेश जारी कर हाई कोर्ट के एक मौजूदा अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की थी। इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने निजी कंपनी के पक्ष में फैसला लेने के लिए राज्य के एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश और हाई कोर्ट के एक अन्य न्यायाधीश को प्रभावित किया।

मोदी के रहते मुमकिन नहीं है 370 की वापसी: सीएम अब्दुल्ला

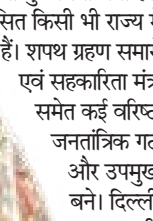

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 की वापसी नहीं हो सकती है। दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले कुछ महीनों में केंद्र के साथ एक सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, कम से कम मेरी सरकार के पहले कुछ महीनों में मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ एक अच्छा कार्य संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने अपनी स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा की इसकी बहाली के लिए संघर्ष को छोड़ा नहीं गया है।

शपथ ग्रहण के बाद राजग की हुई बैठक, बिहार, बंगाल समेत सभी आगामी चुनाव दृढ़ता के साथ लड़ने का फैसला

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के बाद 'इंपीरियल' होटल में भाजपा-नीत राजग के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक हुई। इस दौरान राजग नेताओं ने बिहार और पश्चिम बंगाल समेत सभी आगामी चुनाव दृढ़ता के साथ लड़ने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आश्वासन दिया कि सभी पक्ष एक साथ राजग के बैनर तले चुनाव लड़ेंगे। इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और अन्य घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य नेताओं ने भी इसमें शिरकत की। इस बैठक में एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी को सभी ने महाराष्ट्र के बाद अब दिल्ली में मिली जीत पर बधाई दी। वहीं दूसरी ओर आगामी बिहार और पश्चिम बंगाल सहित अन्य चुनावों में एकजुटता से लड़ने का आश्वासन दिया। दोपहर भोज के बाद नेताओं ने एक सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। राजग के घटक दल के नेताओं में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार प्रमुख रूप से शामिल हुए। महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। जदयू नेता एवं केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह भी बैठक में शामिल हुए। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि सभी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राजग के नेता शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली आए थे। शपथ समारोह के बाद राजग नेताओं की एक बैठक हुई जिसमें सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र और दिल्ली में भाजपा की जीत के लिए बधाई दी। सभी राजग नेताओं ने सभी आगामी चुनावों जैसे बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए दृढ़ता से लड़ने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि सभी पक्ष एक साथ राजग के बैनर के तहत चुनाव लड़ेंगे। राजग नेताओं ने होटल में जाते और बाहर निकलते हुए दिल्ली में मुख्यमंत्री का पदभार संभालने वाली रेखा गुप्ता और अन्य मंत्रियों को बधाई दी। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह हम सबके लिए एक गर्व और खुशी का विषय है कि एक महिला मुख्यमंत्री बनी हैं।

यूएसएड पर श्वेतपत्र जारी करे केन्द्र सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) को भारतीय चुनावों के लिए 21 मिलियन डॉलर के फंड पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विस्मयकारी टिप्पणी को बेतुका बताया है। हालांकि ट्रंप के बयान पर कांग्रेस ने केन्द्र सरकार से इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आज एक्स पोस्ट में कहा कि 'यूएसएड' इन दिनों काफी चर्चा में है। इसकी स्थापना 03 नवंबर 1961 को हुई थी। वैसे तो अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए जा रहे दावे कम से कम कहने के लिए तो बेतुके हैं, फिर भी, भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, जिसमें दशकों से 'यूएसएड' द्वारा सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को दिए गए समर्थन का विस्तृत विवरण हो। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में वोटिंग बढ़ाने के लिए यूएसएड को मिलने वाली 8 मिलियन डॉलर की फंडिंग पर रोक लगा दी। पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि भारत को वोटिंग बढ़ाने के लिए 182 करोड़ के लगभग (21 मिलियन डॉलर) देना एक सवाल खड़ा करता है कि क्या वो किसी और को निर्वाचित कराने की कोशिश कर रहे थे।

ममता के मृत्यु कुंभ वाले बयान को मिला कई नेताओं का समर्थन

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताने वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर जहां भाजपा ममता पर हमलावर है, वहीं दूसरी तरफ तमाम विपक्षी पार्टियों से मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। किसी ने ममता के बयान का समर्थन किया तो किसी ने विरोध जताया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने ममता के बयान का समर्थन करते हुए कहा, महाकुंभ के अंदर कई लोगों की जान गई, इसके बाद किसी ने कहा कि उनको मोक्ष प्राप्त हो गया। उसके बाद दिल्ली स्टेशन पर हुए हादसे को सभी ने देखा। मैं इसको हादसा नहीं बल्कि हत्या कहूंगा, जिसमें 18 लोगों की मौत हुई और 30 से अधिक लोग घायल हुए। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक सुनील राउत ने ममता बनर्जी के बयान का समर्थन करते हुए कहा, ममता बनर्जी ने जो कहा वह सही है। मैं खुद वहां पर स्नान करने के लिए गया था और वहां की व्यवस्था देखी है।

नई दिल्ली, वाराणसी और अयोध्या स्टेशनों पर बनेंगे स्थायी होल्डिंग एरिया

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आरआईटीईएस को सौंपा काम

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा (आरआईटीईएस) को नई दिल्ली, आनंद विहार, गाजियाबाद, वाराणसी और अयोध्या में स्थायी होल्डिंग एरिया डिजाइन करने का काम सौंपा गया है। दरअसल, रेलवे मंत्री वैष्णव ने रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा के अध्यक्ष राहुल मित्तल के साथ बैठक की, जिसमें रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा टीम को स्थायी होल्डिंग एरिया डिजाइन करने का काम दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थायी होल्डिंग एरिया डिजाइन का मॉडल तैयार होने के बाद इसे 60 हाई डेंसिटी वाले रेलवे स्टेशनों में इसका विस्तार किया जाएगा। इन स्टेशनों पर सभी अनधिकृत प्रवेश बिंदुओं को बंद किया जाएगा। ये होल्डिंग क्षेत्र अमृत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यक्रम के साथ एकीकृत किए जाएंगे। बता दें पीएम मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत स्टेशनों पर यात्रियों के लिए स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, दिव्यांगजनों के लिए विशेष इंतजाम, स्थानीय उत्पादों के कियोस्क और पर्यावरण-अनुकूल जैसी सुविधाएं मिलेंगी। पीएम मोदी ने 2023 में देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। कुल 24,470 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनाए गए ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें यूपी में 55, राजस्थान में 55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात में 21, तेलंगाना में 21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश में 18, तमिलनाडु में 18, हरियाणा में 15 और कर्नाटक में 13 स्टेशन शामिल हैं।

सरकार कैंसर को लेकर गंभीर, वैक्सीन पर कर रही काम, जल्द होगी उपलब्ध

नई दिल्ल। कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहा है। खासकर महिलाओं में यह बीमारी ज्यादा देखने को मिल रही है। इस बीमारी के कारण लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। हाल ही में इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की है कि महिलाओं में होने वाले कैंसर से बचाव के लिए एक वैक्सीन अगले पांच से छह महीनों में उपलब्ध हो जाएगी। यह वैक्सीनेशन खासकर 9 से 16 साल की लड़कियों के लिए होगी। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि देश में कैंसर के मामलों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और इसे लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। यह वैक्सीन महिलाओं में स्तन, मुख और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से लड़ने में मदद करेगी। यह कदम इस दिशा में एक बड़ी उम्मीद है, क्योंकि महिलाओं में इन कैंसर प्रकारों का खतरा बहुत ज्यादा होता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कैंसर के टीके पर शोध काम करीब पूरा हो चुका है और परीक्षण चल रहे हैं। इस टीके को जल्द से जल्द लॉन्च किया जाएगा, ताकि महिलाओं को इससे होने वाले खतरों से बचाया जा सके। इस वैक्सीनेशन को प्राथमिकता उन लड़कियों को दी जाएगी, जिनकी उम्र 9 से 16 साल है। यह कदम देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी क्रांतिकारी पहल साबित हो सकता है। इसके अलावा सरकार ने कैंसर की पहचान और इलाज को और बेहतर बनाने के लिए एक और योजना की घोषणा की है। सरकार ने 30 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए अस्पतालों में कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू करने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों पर सीमा शुल्क भी माफ कर दिया है, जिससे इन दवाइयों की कीमत में कमी आएगी और लोगों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

▪ यह वैक्सीनेशन खासकर 9 से 16 साल की लड़कियों को लगाई जाएगी

बाइडेन मोटी रकम देकर मोदी को चुनाव हराना चाहते थे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कम कौन सा कदम उठाएं या कब किस को घेर लें कोई नहीं जानता। उनके बयान और उनके आदेश पूरी दुनिया के लिए पेनिक होते जा रहे हैं। उन्होने अपने ही देश के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने लोकसभा चुनाव में मोदी को हराने के लिए बाडडेन करोड़ों की मोटी रकम दे रहे थे। बुधवार रात सऊदी अरब सरकार के प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार पर भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया। ट्रंप ने कहा, हमें भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है? मुझे लगता है कि जो बाइडेन किसी और को चुनाव में जिताना चाहते थे। हमें भारत सरकार को यह बताना होगा। यह एक बड़ा मामला है।इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने इस मामले पर सफाई दी थी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि आज के समय में भारत खुद सक्षम हैं।

कांग्रेस नेता ने की रेखा गुप्ता की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कांग्रेस के लोग भी तारीफ कर रहे हैं। रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा होते ही जहां उनकी पार्टी और परिवार में जश्न शुरू हो गया तो विपक्षी दलों के नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। दिल्ली को एक और महिला सीएम मिलने पर जहां आतिशी मार्लेना ने खुशी जाहिर की तो दूसरी तरफ कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भी उनकी तारीफ की है। रेखा गुप्ता को सीएम बनाए जाने की घोषणा के तुरंत बाद अलका लांबा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जो वायरल हो गया। अलका लांबा और रेखा गुप्ता की एक साथ यह तस्वीर करीब 30 साल पुरानी है। लांबा ने एक्स पर लिखा, 1995 की यह यादगार तस्वीर- जब मैंने और रेखा गुप्ता ने एक साथ शपथ ग्रहण की थी। मैंने एनएसयूआई से दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी और रेखा ने एबीवीपी से महासचिव पद पर जीत हासिल की थी। रेखा गुप्ता को बधाई और शुभकामनाएं। दिल्ली को चौथी महिला मुख्यमंत्री मिलने पर बधाई और हम दिल्ली वाले उम्मीद करते हैं की मां यमुना स्वच्छ होंगी और बेटियां सुरक्षित।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

सभी उपायुक्त कैलेंडर बना कर कार्यों का करें निपटारा: मुख्य सचिव

एजेंसी:रांची

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने जिला स्तर पर विभिन्न कारणों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान समन्वय बना कर करने का निर्देश दिया है। उन्होंने गुरुवार को राज्य के तमाम उपायुक्तों को कहा कि वे कैलेंडर बना कर कार्यों का निपटारा करें। कैलेंडर के अनुसार विभिन्न मसलों से जुड़ी बैठकें करें। उसकी रिपोर्ट ससमय विभागों को दें। इससे जहां योजना क्रियान्वयन में गति आएगी वहीं विभागों को भी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं के बाधित होने से उसमें खर्च हुई राशि का लाभ भी राज्य को नहीं मिल पाता है, इसलिए योजनाओं का भौतिक निरीक्षण करते हुए आ रही समस्या

के समाधान पर फोकस करें। वह गुरुवार को विभिन्न विभागों की उन योजनाओं की समीक्षा कर रही थीं, जो जिला स्तर पर इस या उस कारण से बाधित हैं, अथवा लेटलतीफी के शिकार हैं। मुख्य सचिव की समीक्षा में उजागर हुआ कि अधिकांश योजनाओं की प्रगति 70 से 80 प्रतिशत तक हो चुकी है और बाकी बचे काम को पूर्ण करने में रुकावटें आ रही हैं। मुख्य सचिव ने नगर विकास विभाग की रांची शहरी सीवरेज स्कीम, वाटर सप्लाई स्कीम और पम्पिंग स्टेशन के क्रियान्वयन में जमीन को लेकर आ रही समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान का निर्देश दिया। रांची के उपायुक्त ने अधिकांश मामले में समाधान होने की जानकारी दी। उसी तरह रामगढ़, धनबाद, कोडरमा, साहिबगंज, सरायकेला-खारसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पलामू और बोकारो में शहरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर सप्लाई योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जमीन की समस्या सामने आयी। उपायुक्तों को विशेष पहल कर जमीन की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से बताया गया कि नल से जल योजना द्वारा प्रत्येक घर को जोड़ने और शौचालय बना गांवों को ओडीएफ घोषित करने की स्थिति लगभग अंतिम चरण में है, लेकिन गांवों में चार-पांच घरों के इस योजना से आच्छादित नहीं होने से योजना अपूर्ण रह जाती हैं। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को अतिरिक्त रुचि लेकर इस कार्य को यथाशीघ्र संपन्न कराने को कहा। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि विभिन्न जिलों में डिग्री कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज और राजकीय अभियंत्रण कॉलेज निर्माण के लिए जमीन की समस्या बनी हुई है। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को संबंधित विभाग से समन्वय बनाते हुए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा क्वालिटी एजुकेशन के लिए संपर्क फाउंडेशन की सहायता से चयनित स्कूलों में उपलब्ध कराए गये संसाधन के समुचित उपयोग पर बल देते हुए कहा कि यह राज्य के हित में होगा। कृषि विभाग से जुड़ी पीएम किसान योजना, बिरसा ग्राम सह समेकित पाठशाला, बिरसा-पीएम फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, आइसीडीपी एवं डीसीडीसी की समीक्षा के दौरान पाया गया कि फसल बीमा योजना के लिए वास्तविक जमीन से अधिक जमीन पर बीमा का आवेदन दिया गया है। इस मसले को लेकर मुख्य सचिव ने आवेदनों की जांच करते हुए अनाधिकृत दावे को खारिज करने का निर्देश दिया। वहीं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों को पशु देने के साथ उसका बीमा भी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमिटी और डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कमिटी की नियमित बैठक करने का निर्देश उपायुक्तों को दिया। विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण, फॉरेस्ट क्लियरेंस, स्थानीय विवाद, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा इत्यादि को लेकर योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट के दिवंगत अधिवक्ता सूरज कुमार को दी गयी श्रद्धांजलि

एजेंसी:रांची झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता सूरज कुमार के निधन पर गुरुवार को झारखंड एडवोकेट्स एसोसिएशन के बैनर तले हाईकोर्ट के सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। आयोजित शोक सभा में हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने दिवंगत सूरज कुमार को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा के बाद अधिवक्ताओं ने अपने आप को न्यायिक कार्य से अलग रखा। इस कारण सैकड़ों मामलों की सुनवाई प्रभावित रही। उल्लेखनीय है कि 18 फरवरी को झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता सूरज कुमार का आकस्मिक निधन हो गया था। वह हाईकोर्ट में एक केस की बहस कर कोर्ट रूम से निकलते ही बेहोश होकर गिर पड़े थे। इसके बाद उन्हें हाईकोर्ट स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था।लेकिन स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं होता देख, आनन फानन में अधिवक्ता सूरज कुमार को पारस हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

शास्त्रीय संगीत से 23 को सजेगा बिरसा मुंडा फन पार्क

एजेंसी:रांची बिरसा मुंडा फन पार्क और रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में 23 फरवरी को म्यूजिक इन द पार्क में नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा । यह कार्यक्रम शाम पांच बजे से होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देना है। गुरुवार को इस संबंध में बिरसा मुंडा फन पार्क के संचालक आर्यन चोपड़ा और रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि कोलकाता के अंतराष्ट्रीय सरोद वादक अर्नब भट्टाचार्य और प्रख्यात तबला वादक लक्ष्मी नारायण ओझा विशेष प्रस्तुति से रांची वासियों का दिल जीतेंगे। इस कार्यक्रम के जरिये हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने रांची वासियों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

राज्यपाल से मिला मचान उत्कर्ष फाउंडेशन का शिष्टमंडल

एजेंसी:रांची। मचान उत्कर्ष फाउंडेशन के एक शिष्टमंडल ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भेंट की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को मैथिली भाषा से जुड़ी विभिन्न मांगों से अवगत कराया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को मिथिला पंचांग एवं मधुबनी पेंटिंग भी भेंट की।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की बरी

एजेंसी:रांची। पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता बंधु तिर्की को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े छह वर्ष पुराने एक मामले में एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत ने बंधु तिर्की को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। गुरुवार को कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। इससे पहले सोमवार को पूर्व मंत्री बंधु तिर्की का 313 का बयान दर्ज किया गया था, जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था और फैसला सुनाने के लिए गुरुवार की तिथि निर्धारित की थी। दरअसल सिल्ली विधानसभा के उप चुनाव के दौरान पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने अनगड़ा थाना क्षेत्र में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ी कहा था। उसी रैली में सुदेश कुमार महतो को नाभि में तीर मारने का बयान भी बंधु तिर्की ने दिया था। इसके बाद उनके संबोधन को लेकर राहे की तत्कालीन सीओ ने अनगड़ा थाना में 7 जून 2018 को बंधु तिर्की के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बंधु तिर्की पर छह जुलाई 2022 को आरोप गठित किया गया था। जब यह पूरा घटनाक्रम हुआ था, उस दौरान बंधु तिर्की जेवीएम में थे।

हेमंत सरकार ने झारखंड को फिर से शर्मसार कर दिया: बाबूलाल मरांडी

एजेंसी: रांची । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पेपर लीक माफिया के रूप में कुख्यात हेमंत सरकार ने झारखंड को फिर से शर्मसार कर दिया है। शायद यह पहली बार है कि झारखंड में मैट्रिक परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि आज सुबह से विज्ञान विषय का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। परीक्षा शुरू होने के बाद जब प्रश्न पत्र से मिलान किया गया तो हू-ब-हु मिल गया। बाबूलाल ने कहा है कि पूरी संभावना है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का पेपर लीक करने वाले मुख्यमंत्री के करीबी गिरोह ने ही मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक कांड को अंजाम दिया है। जैक अध्यक्ष ने भी प्रश्न पत्र मिलने की बात स्वीकार की है, जबकि शिक्षा विभाग के अधिकारी लीपापोती करने में लगे हैं। मैट्रिक परीक्षा में पेपर लीक की घटना अस्वीकार्य है। शिक्षा मंत्री और जैक अध्यक्ष नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपना इस्तीफा दें। राज्य सरकार इस पेपर लीक कांड की सीबीआई जांच की अनुशंसा कर दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज, हल्की बारिश से गिरा तापमान

एजेंसी:रांची झारखंड के अधिकांश जिलों में गुरुवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदल गया। रांची समेत कई जगहों पर हल्की बारिश से मौसम सुहाना हो गया। हल्की बारिश से रांची में तापमान में लगभग छह डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सुबह में रांची में तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड दर्ज किया गया जो बुधवार को 29.8 डिग्री सेल्सियस था। हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया और धूप खिल गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने पूर्व में ही गुरुवार और शनिवार को राज्य के दक्षिणी, पूर्वी, मध्यवर्ती और पश्चमी जिलों के कई इलाकों में गर्जन के साथ ओलावृष्टि और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया था।

राज्यपाल से कोयलांचल विस्थापित संघर्ष मोर्चा का शिष्टमंडल मिला

एजेंसी:रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को कोयलांचल विस्थापित संघर्ष मोर्चा का एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की। वतन महतो के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वैदकारो मौजा (थाना संख्या-20, थाना-गांधीनगर) स्थित खुली जमीन पर सीसीएल कारो परियोजना को बिना ग्रामसभा की सहमति के स्वीकृति दी गई है। शिष्टमंडल ने इस परियोजना पर रोक लगाने के लिए राज्यपाल से आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।

डबल मर्डर में 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

एजेंसी: पलामू

, 20 फ़रवरी (हि.स.)।पलामू जिले के मनातू के रजखेता जंगल के अमवाटोली से मिली दो युवकों की डेडबॉडी मामले में पुलिस के हाथ 24 घंटे बाद भी खाली है। एक बॉडी की पहचान दिनेश यादव के रूप में अबतक हुई है, दूसरे की पहचान करने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है। गुरूवार को पहचान की गयी एवं अज्ञात बॉडी का पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में किया गया। अस्पताल में दिनेश के भाई दीपक ने कई जानकारी दी। दीपक के अनुसार दिनेश भाकपा माओवादी दस्ते में रह चुका था। वर्ष 2017 में एक वर्ष तक वह माओवादी में रहा था। इधर, मजदूरी करने के लिए चेन्नई गया था। 29 जनवरी को चेन्नई से लौटा था। सोमवार देर शाम गांव के विपिन यादव के साथ घर से निकला था। उसके बाद उसकी डेडबॉडी मिलने की जानकारी हुई। विपिन भी माओवादी रहा है। विपिन दिनेश में दोस्ती थी। लेने देन भी करते थे। विपिन यादव गाड़ी खरीदने के लिए 40 हजार रूपए लिया था। सोमवार को रातभर दिनेश विपिन यादव के साथ पंकज शर्मा के घर में ताश खेला था। सुबह इमामगंज मौसी के घर जाने के लिए निकला था, लेकिन वहां नहीं पहुंचा। उसे सलैया बाजार में अंतिम बार देखा गया था। विपिन यादव के पकड़े

जाने के बाद स्पष्ट होगा कि दिनेश की हत्या क्यों हुई? इधर, लेस्लीगंज के एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने बताया कि दिनेश और विपिन के माओवादी होने के एविडेंस नहीं मिले हैं। अगर उसके परिजन बता रहे हैं तो हो सकता है। उन्होंने कहा कि दिनेश विपिन के साथ गया था, इसकी जानकारी मिली है। विपिन को पकड़ने के लिए छानबीन की जा रही है। उसके घर पर भी तलाशी ली गयी थी, लेकिन वह फरार बताया जाता है। पोस्टमार्टम के दौरान किए गए एक्सरे से पता चला है कि दिनेश एवं अज्ञात युवक की चाकू से गोदकर हत्या की गयी थी। शरीर पर कई जगह चाकू लगने के निशान मिले हैं। डबल मर्डर का मामला अबतक पहेली की तरह है। चर्चा है कि आपसी वर्चस्व को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया।

वामदलों ने किया राजभवन मार्च

एजेंसी:रांची

वामदलों ने झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में गुरुवार को भी केंद्रीय बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसी क्रम में रांची में वामदल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। साथ ही केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ वामपंथी दलों का देशव्यापी अभियान का समापन हो गया। कार्यक्रम के दौरान वाम दलों ने झारखंड में पर्चा वितरण, नुक्कड़ सभा, सेमिनार और विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। उल्लेखनीय है कि वामदलों ने केंद्रीय बजट में आठ प्रस्तावों को जोड़े जाने की मांग की है, जिसमें देश के 200 ख़रबपतियों पर 4 प्रतिशत टैक्स लगाने, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देने, सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण रोकने, मनरेगा के बजट में 50 प्रतिशत की वृद्धि समेत अन्य शामिल है। वहीं रांची में आयोजित कार्यक्रम में वामदलों के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों से जुलूस निकाल कर राजभवन तक मार्च किया, जिसका नेतृत्व माकपा के प्रकाश विप्लव, भाकपा के महेंद्र पाठक, भाकपा (माले) के शुभेंदु सेन और फारवर्ड ब्लॉक के अरुण मंडल ने किया। इस मौके पर माकपा के सुखनाथ लोहरा, भाकपा के संतोष कुमार

रजक, माले के त्रिलोकी नाथ और फारवर्ड ब्लाक के अरुण मंडल ने संबोधित किया।

रांची के शर्मा टावर मार्केट में लगी भीषण आग

एजेंसी:रांची

रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित महावीर चौक के शर्मा मार्केट (टावर) परिसर में गुरुवार की सुबह अचानक आग लग गई। मार्केट के ऊपर वाले तल्ले में भीषण आग लगी है, जो नीचे तक फैल रही है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। आग कैसे लगी अबतक इसके पीछे की वजह सामने नहीं आयी है। हालांकि आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट होने के वजह से आग लगी है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने से लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। कोतवाली थाना प्रभारी आदिकान्त महतो ने बताया कि आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

झारखंड जगुआर का 17वां स्थापना दिवस 21 को

एजेंसी:रांची

झारखंड जगुआर का 17 वां स्थापना दिवस 21 फरवरी को मनाया जाएगा। टेंडर ग्राम स्थित झारखंड जगुआर के कैंप में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी अनुराग गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 2008 में स्थापना के बाद से अब तक झारखंड जगुआर ने नक्सली संगठनों के खिलाफ महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। आंध्र प्रदेश के ग्रे हाउंड की तर्ज पर स्थापित, झारखंड जगुआर का गठन 2008 में किया गया था और 2009 में इसने 40 असाल्ट ग्रुप का गठन किया था।

अफीम की अवैध खेती के खिलाफ पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

एजेंसी: खूंटी

, 20 फ़रवरी (हि.स.)। मुरहू थाना अंतर्गत पंचायत भवन इंदीपीड़ी में मुखिया समेत 16 गांवों के ग्राम प्रधानों, पंचायत समिति सदस्यों और ग्रामीणों के बीच गुरुवार को अवैध अफीम के खेती को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। मौके पर ड्रोन कैमरा उड़ाकर ग्रामीणों को दिखाया गया और बताया गया कि कोई भी गांव अवैध अफीम की खेती बचने वाला नहीं है। ग्रामीणों ने अवैध अफीम को खेती को स्वयं विनष्ट करने का निर्णय लिया और आश्वासन दिया कि एक से दो दिनों के अंदर सभी अफीम की खेती को विनष्ट कर

लेंगे। अड़की थाना अंतर्गत तिरला पंचायात में ग्रामीणों को अफीम की खेती को अपने से नष्ट करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही इसके दुष्परिणाम और कानूनी पहलू के बारे में जानकारी दी गई। सायको थाना अंतर्गत आड़ा गांव में ग्रामीणों, ग्राम प्रधान वार्ड सदस्यों को सायको थाना प्रभारी द्वारा अफीम की खेती को अपने से नष्ट करने के लिए जागरूक किया गया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

कसमार के अजया टोला में कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय यज्ञ शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड के अजया टोला स्थित शिव मंदिर परिसर में गुरुवार को कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय श्री हनुमत प्रतिष्ठा वार्षिक उत्सव यज्ञ एवं श्री राम कथा शुरू हो गया। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से शुरू हुई, जो अजया, पुरनी बगियारी, मुंगो गांव होते हुए छिन्नमस्तका मंदिर के निकट स्थित खांजो नदी घाट पहुंची, जहां यज्ञाचार्य एवं पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण व जल पूजन के बाद कलश में जल भरा गया। कलश यात्रा में स्थानीय महिलाएं, युवतियां एवं पुरुष बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान देवी-देवताओं के जयकारे से समूचा क्षेत्र गूंज उठा। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष बिक्की कुमार, सचिव अनिल कुमार व केदार नाथ महतो, उप सचिव धनंजय कुमार व प्रेम कुमार तथा कोषाध्यक्ष राजीव रंजन व आकाश कुमार ने बताया कि 21 फरवरी को मंडप प्रवेश, वेदी पूजन, यज्ञ एवं संध्या 5 बजे से राम कथा तथा 22 फरवरी को यज्ञ पूर्णाहुति, प्रसाद वितरण दोपहर 2 बजे से एवं कथा विराम का कार्यक्रम निर्धारित है। यज्ञाचार्य के रूप में बनारस के नितेश शर्मा, कथा व्यास आलोक उपाध्याय तथा संगीत संयोजक अरुण कुमार पहुंचे हुए हैं। मौके पर मधुसूदन झा, कामेश्वर पांडेय, टांगटोना ज्योत्सना झा, सेवानिवृत्त शिक्षक मनुलाल महतो, बगदा पंसस प्रतिनिधि नीरज भट्टाचार्य, सिद्धेश्वर प्रजापति, दशरथ प्रजापति, अशोक प्रजापति, राजीव रंजन, फनीभूषण प्रजापति, गिरिधारी प्रजापति, अनिल कुमार, विशाल कुमार, टिंकू पांडेय, राकेश चक्रवर्ती, राकेश प्रजापति, जनार्दन प्रजापति आदि मौजूद थे।

जल एवं वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर डीएफओ से मिला प्रतिनिधिमंडल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : जल एवं वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर दामोदर बचाओ आंदोलन का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदूषित हो रही इजरी तथा गरगा नदी, जो दामोदर नदी की सहायक नदियां हैं, जिन्हें नमामि गंगे के तहत शामिल किया गया है, उसमें चास नगर निगम की आवासीय कॉलोनियों के गंदे पानी को बिना ट्रीटमेंट किए ही नदी में प्रवाहित किये जाने पर चिन्ता जताई। उन्होंने कहा कि इसके कारण नदियां प्रदूषित हो रही हैं। साथ ही, नदियों का अतिक्रमण कर आवास भी बनाये जा रहे हैं। इस क्रम में डीएफओ रजनीश कुमार ने इस संबंध में रिपोर्ट मंगवाकर नदियों को अतिक्रमण मुक्त कराने का प्रयास करने तथा ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगे, इस पर जल्द ही बैठक बुलाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, ललित सिन्हा, शिवकुमार श्रीवास्तव, विक्रम कुमार महतो, गोपाल साह, करमचंद गोप, आशीष कुमार महतो आदि शामिल थे।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने मनाया होली मिलन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो का होली मिलन सेक्टर वन सी में मनाया गया। सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो इकाई की प्रभारी अमिता झा व महासचिव उषा झा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समूह की सदस्याओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। गेम, हौजी, गीत-नृत्य के बाद पूल लंच में विभिन्न तरह के स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयाउनि...के समवेत गायन से हुई। इसके बाद होली गीतों मिथिला में राम खेले होली मिथिला में..., होली कनक भवन में खेलथि सिया रघुवीर..., आज बिरज में होरी रे रसिया..., बाबा हरिहर नाथ सोनपुर में हो रंग खेले... सहित अन्य गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से समां बांध दिया। सभी ने अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो की प्रभारी अमिता झा, महासचिव उषा झा, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी जयंती पाठक, रोजगार प्रभारी मुन्नी झा एवं कल्याणी मिश्रा, सदस्या शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, राजकुमारी झा, डॉ मंजू झा, इंदिरा झा, नंदा झा, अल्का झा, आशा पाठक, प्रीता ठाकुर, मधु ठाकुर, पिंकी झा, रानी झा, नमिता झा, पूनम झा, पद्मा झा, रीमा, रंजना भगत, रूबी ठाकुर, किरण झा आदि उपस्थित थीं।

शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए मुखियों के साथ हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड मुख्यालय के सभागार में गुरुवार को शिक्षा जागरूकता को लेकर सभी पंचायतों के मुखियाओं के साथ झारखंड शिक्षा परियोजना की ओर से बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम के जरिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को लेकर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान विभिन्न पंचायत के मुखिया ने कई सुझाव दिए। बैठक के दौरान कसमार बीडीओ नम्रता जोशी ने मुखियाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए जरूरी सुविधाओं की कमी को चिन्हित कर सुधार करने में मुखिया का योगदान अहम है। उन्होंने बताया कि स्कूल में बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले, इसके लिए पंचायत के एक-एक मुखिया की जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। मुखिया लगातार स्कूलों का निरीक्षण करें। साथ ही शिक्षकों की उपस्थिति में भी नजर रखें। मुखियाओं से स्कूली बच्चों की उपस्थिति भी शत प्रतिशत हो, इसकी भी चिंता जनप्रतिनिधियों को करनी है। बीपीओ कमरू जमा ने कहा कि सभी मुखिया द्वारा विद्यालयों का नियमित अनुश्रवण तथा सभी बैठकों में भाग लेना स्कूली शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बना सकती है। पंचायत प्रतिनिधि विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की कमी को रेखांकित करें ताकि आवश्यक सुविधाएं विद्यालयों में बहाल की जा सके। बैठक मे मुखिया हारू रजवार, बबीता देवी, सरिता देवी, गीता देवी, चन्द्रशेखर नायक, विजय कुमार जायसवाल, मंजू देवी, बीआरपी अंबुज कुमार महतो, फटिक चन्द्र महतो, दीपक पटेल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा : डीपीएस बोकारो का अक्षत नेशनल टॉपरों में शामिल

चार विद्यार्थी रहे स्टेट टॉपर; 29 ने पाई सफलता, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की हैट्रिक पर प्राचार्य ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेधाविता एवं वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा बनवाया है। नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म (केएएमपी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा (एनएएसटीए) में लगातार तीसरे साल डीपीएस बोकारो का दबदबा झारखंड में बरकरार रहा। इस वर्ष छात्र-छात्राओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्टेट ही नहीं, नेशनल टॉपरों में भी अपना नाम दर्ज कराने में कामयाबी पायी है। वहीं, कुल 29 छात्र-छात्राएं सफल रहे। नेशनल असेसमेंट फॉर साइंटिफिक टेम्परामेंट एंड एप्टीट्यूड (एनएएसटीए) - 2024 में पांचवी कक्षा के छात्र अक्षत प्रियदर्शी को नेशनल टॉपर रैंक-2 के साथ सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस प्रदान किया गया है। उसे ओवरऑल ग्रेड ए प्लस मिला तथा नेशनल अवॉर्ड कैटेगरी के लिए चयनित किया गया। इसके अलावा, विद्यालय की छठी कक्षा के छात्र आदित्य राज, पांचवी के अनिकेत सिंह एवं चौथी कक्षा के ध्रुव श्रीवास्तव ने रैंक- 1 के साथ संबंधित कैटेगरी में स्टेट टॉपर होने का गौरव हासिल किया। वहीं, कक्षा 7 की छात्रा अंशुला श्री भी रैंक- 2 के साथ स्टेट टॉपरों में शामिल रही। सभी स्टेट टॉपरों को सर्टिफिकेट ऑफ स्टेट एक्सीलेंस दिया गया है। इन सभी विद्यार्थियों को जल्द ही नई दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया जाएगा।

देशभर से एक हजार स्कूलों के विद्यार्थियों ने दी थी परीक्षा- उल्लेखनीय है कि बीते 07 दिसंबर, 2024 को आयोजित एनएएसटीए- 2024 में देशभर के लगभग एक हजार स्कूलों के कक्षा 3 से 12 तक के लाखों विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसका परिणाम बुधवार शाम को जारी किया गया। परीक्षा में उक्त विद्यार्थियों के अलावा कक्षा 3 की प्राणिद्य कुमारी मिश्रा, शैलजा शान्वी, अथर्व कश्यप, कक्षा- 4 के हर्षित ठाकुर, रुद्र व गेडेला वेदांतिका, कक्षा 5 के आरव रंजन, शिवराज शेखर, प्रसून भूषण, कक्षा 6 से अंसुरी साधु, शिवांश प्रधान, सजग सूर्यांश पांडेय, कक्षा 7 के आदित्य भारद्वाज, अभिज्ञान, दिव्यांश वर्मा, कक्षा 8 के आदित्य लाल, अथर्व कुमार, यशस्वी कुमार, नौंवी कक्षा से पहल लता, रौनक राज, ऋषभ राज, कक्षा 11 के ऋषित शॉ, ऋद्धिम गुप्ता एवं आयुष सुमन ने भी सफलता पायी है।

केएएमपी-एनएएसटीए - एक महत्वपूर्ण पहल- बता दें कि केएएमपी-एनएएसटीए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सीएसआईआर (काउंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) तथा एनआईएसपीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन पॉलिसी रिसर्च) की एक महत्वपूर्ण पहल है। एनएएसटीए का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जो कि केएएमपी के अर्थपूर्ण शिक्षा और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने से संबंधित मिशन का हिस्सा है। यह छात्रों के वैज्ञानिक गुणों का मूल्यांकन करता है, जिसमें पहचान, अवलोकन, वर्गीकरण, समस्या समाधान, सटीकता, पूर्वानुमान, आलोचनात्मक सोच और व्याख्या जैसे आठ प्रमुख वैज्ञानिक गुण शामिल हैं।

भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाना है उद्देश्य : डॉ. गंगवार- एनएएसटीए में लगातार तीसरे साल शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने नेशनल व स्टेट टॉपरों के साथ-साथ सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सर्वांगीण विकास को लेकर कटिबद्ध है। इसी का परिणाम है कि विज्ञान एवं तकनीक से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं में यहां के विद्यार्थियों ने न केवल अपने स्कूल, बल्कि अपने शहर और राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि केएएमपी-एनएएसटीए का उद्देश्य विद्यार्थियों के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्वभाव की पहचान करते हुए एवं उन्हें संरक्षित कर भारत को विज्ञान, तकनीक एवं मानवता के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाना है। विदित हो कि पिछले लगातार तीन वर्षों से डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी एनएएसटीए में राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं।

दिव्यांगता जांच एवं पेंशन शिविर का आयोजन 24 फरवरी से

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में दिव्यांगता जांच एवं पेंशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर आगामी 18 मार्च तक जिले के सभी प्रखंडों के सीएचसी/पीएचसी में आयोजित होगा। इस शिविर में क्षेत्र के पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत पेंशन स्वीकृति सुनिश्चित की जाएगी। इनमें मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना, स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना एवं HIV/AIDS पीड़ित व्यक्तियों के लिए सहायतार्थ पेंशन शामिल हैं। इसके अलावा, जिन स्वीकृत पेंशनधारियों को किसी कारणवश पेंशन भुगतान नहीं हो पा रहा है, उनके त्रुटि निवारण संबंधी आवेदनों की जांच कर नियमानुसार निष्पादन किया जाएगा।

शिविर के दौरान स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के लिए आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। साथ ही, दिव्यांगता प्रमाण पत्र की जांच कर उसे जारी किया जाएगा। शिविर में विभागीय कर्मचारी एवं चिकित्सक प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहकर प्राप्त आवेदनों का निष्पादन करेंगे। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक निर्देश देते हुए पत्र जारी किया गया है।

लाभुकों को शिविर में पेंशन एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित दस्तावेज साथ लाने होंगेः आधार कार्ड/मोबाइल नंबर, फोटोग्राफ, बैंक खाता विवरण, दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि उपलब्ध हो) और आवासीय प्रमाण पत्र।

उक्त शिविरों के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। लाभुकों से अनुरोध है कि वे अपने नजदीकी शिविर में निर्धारित तिथि पर पहुँचकर इस सुविधा का लाभ उठाएँ।

शिविर का आयोजन निम्नलिखित तिथियों एवं स्थानों पर किया जाएगा

» 24 फरवरी 2025 (सोमवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोमिया
» 25 फरवरी 2025 (मंगलवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चास
» 27 फरवरी 2025 (गुरुवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नावाडीह
» 28 फरवरी 2025 (शुक्रवार)	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नावाडीह
» 1 मार्च 2025 (शनिवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पेटवार
» 3 मार्च 2025 (सोमवार)	चास नगर निगम, चास, बोकारो
» 4 मार्च 2025 (मंगलवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चंदनकियारी
» 5 मार्च 2025 (बुधवार)	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पिंड्राजोरा
» 6 मार्च 2025 (गुरुवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बेरमो
» 7 मार्च 2025 (शुक्रवार)	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चिरा चास
» 8 मार्च 2025 (शनिवार)	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चतरोचट्टी, गोमिया
» 10 मार्च 2025 (सोमवार)	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चतरोचट्टी, टुपरा (चास)
» 11 मार्च 2025 (मंगलवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जरीडीह
» 12 मार्च 2025 (बुधवार)	शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सेक्टर-6, बीएस सिटी
» 15 मार्च 2025 (शनिवार)	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पेटवार
» 17 मार्च 2025 (सोमवार)	सदर अस्पताल, बोकारो
» 18 मार्च 2025 (मंगलवार)	प्रखंड परिसर, चंद्रपुरा

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की बैठक में भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

विद्यापति स्मृति पर्व समारोह अप्रैल में, 12 मार्च को होगा फगुआ मिलन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। बोकारो में मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक बुधवार देर शाम सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई। परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता तथा महासचिव नीरज चौधरी के संचालन में आयोजित इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्य रूप से होली मिलन समारोह, परिषद के पंचांगयुक्त कैलेंडर तथा संस्था के प्रमुखतम वार्षिक उत्सव विद्यापति स्मृति पर्व समारोह के आयोजन को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 12 मार्च को संध्या 6 बजे से परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में अबीर-गुलाल के साथ-साथ फगुआ गीतों की जमकर बौछार होगी। समारोह की सफलता के लिए अविनाश कुमार झा के निर्देशन में एक टीम भी गठित की गई, जिसमें मिहिर मोहन ठाकुर, विजय कुमार मिश्र 'अंजू', रोशन कुमार तरुण, विवेकानंद झा, सुदीप कुमार ठाकुर एवं प्रकाश कुमार झा शामिल किए गए।

इसके उपरांत परिषद तथा मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं गतिविधियों से संबंधित आकर्षक चित्रों के साथ पंचांगयुक्त कैलेंडर प्रकाशित किए जाने का भी निर्णय लिया गया। तत्पश्चात परिषद के प्रमुखतम वार्षिक कार्यक्रम विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का भव्य आयोजन आगामी अप्रैल माह में किए जाने पर सहमति बनी। इसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी। समारोह में विभिन्न स्थानीय एवं प्रसिद्ध आमंत्रित कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र होंगे। इसके अलावा, बैठक में संस्था के सदस्यता अभियान को तेज करते हुए सामाजिक सशक्तिकरण के लिए आपसी एकजुटता व सहभागिता पर भी बल दिया गया।

बैठक में अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी व महासचिव नीरज चौधरी के अलावा मुख्य रूप से राजेन्द्र कुमार, केसी झा, विजय कुमार झा, पीके झा 'चंदन', दिलीप कुमार झा, मिहिर मोहन ठाकुर, मिहिर कुमार झा (राजू), प्रदीप कुमार, अरुण पाठक, प्रकाश झा, अविनाश कुमार झा, सुदीप कुमार ठाकुर, सुशील कुमार झा, गणेश झा, आनंद नारायण मिश्र, विवेकानंद झा, गोविंद कुमार झा, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित रहे।

बोकारो : अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 को वापस लेने की उठी जोरदार मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिले के सभी अधिवक्ताओं ने गुरुवार को कोर्ट परिसर मे केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 को वापस लेने की जोरदार मांग की। अधिवक्ताओं ने एक स्वर में इस संसोधन का विरोध किया। इस दौरान इंडियन एसोशिएशन ऑफ लॉएर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार जब अधिवक्ता पर हो रहे हमले एवं अपराध नहीं रोक पाए तो एडवोकेट को ही रोकने चल दिये। इस विधेयक में वकीलों द्वारा न्यायालयों के बहिष्कार और हड़ताल पर रोक लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही साथ वकीलों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही और निलंबन का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक द्वारा बीसीआई यानी बार काउंसिल ऑफ इंडिया की स्वायत्तता पर खतरनाक हमला किया गया है। अब बीसीआई में केंद्र सरकार द्वारा नामित सदस्यों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक द्वारा विदेशी कानूनी फर्मों के प्रवेश को अनुमति दी जा रही है। वकीलों पर मुवाक्किलो को मुआवजा देने की जिम्मेदारी थोपी जा रही है। वकीलों की आवाज दबाने की यह साजिश आर्टिकल 19 और 21 पर हमला है, जो संविधान द्वारा प्रदत्त है। इसमें वकीलों को अनुचित जुर्माना देने का प्रावधान किया गया है, जिसमें वकील पर 3 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। झूठी शिकायतों पर वकीलों को कोई सुरक्षा नहीं दी गई है। वकीलों को तुरंत निलंबित करने का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक द्वारा न्याय प्रणाली में वकीलों की भूमिका को कमजोर किया जा रहा है एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही का डर दिखाकर उनकी आजादी छीनने की साजिश की जा रही है। उन्हें सरकारी गुलाम बनाने की साजिश की आधारशिला रखी जा रही है। श्री गिरि ने कहा कि आज भी सरकारी जुल्म ज्यादतियों और गलत नीतियों और गलत कानूनों का विरोध वकील ही करते हैं। संविधान और कानून के शासन को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए सरकार एक साजिश के तहत उनकी इस आजादी को छीन लेना चाहती है। इस अवसर पर अतुल कुमार, सुनील कुमार, दीपक कुमार, मोहन लाल ओझा, उमाकांत पाठक, राजेश कुमार, सुनील राजहंस, श्याम कुमार चौबे, श्याम मिश्रा, चंद्रशेखर कुमार, पंकज दरद, सुरेंद्र साह, धनंजय लायक, जितेंद्र कुमार महतो, अंकित ओझा, संजीत कुमार सिंह, अमर देव सिंह, फटिक चंद्र सिंह, करुणा कुमारी, दीप्ति कुमारी, मोहम्मद अंसार, गोपाल सिंह, डीपी मंडल, संतोष सिंह, खुर्शीद आलम, अनंत पांडेय, विष्णु प्रसाद नायक, रंजन कुमार मिश्रा, नितीश नंदी, राज श्री, वंशिका सहाय, दीप्ति सिंह, रिना कुमारी, राणा प्रताप शर्मा, विजय कुमार, अजीत ठाकुर, अमरेश कुमार, ओम प्रकाश लाल, अखिलेश कुमार, मो हसनैन आलम, समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद थे।

वार्षिक महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा : चंद्रपुरा में बुधवार की शाम एसआर इंटरनेशनल अकादमी चंद्रपुरा, नर्रा एवं तेलो शाखा का वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जेएसईबी के स्थानीय कार्यपालक अभियंता एस कुमार ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने समाज की उन्नति के लिए क्वालिटी एजुकेशन पर चर्चा करते हुए एसआरआई एकेडमी के शैक्षणिक प्रदर्शन की प्रशंसा की। इससे पहले संस्थान की प्रिन्सिपल प्रतिमा वर्मा ने स्कूल का वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उपलब्धियां गिनाईं। प्रिन्सिपल ने कहा कि एसआर इन्टरनेशनल अकादमी इस क्षेत्र का भविष्य संवारने में लगा हुआ है। तत्पश्चात स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम देशभक्ति गीत, संगीत, नृत्य नुक्कड नाटक आदि प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर पढाई, अनुशासन एवं खेलकूद सहित विभिन्न इवेंट के अव्वल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में निशु कुमार गुप्ता, प्रमित कुमार, शिव शंकर मिश्रा, निशा विश्वकर्मा, विशाल कुमार, निशा वर्मा, सीमा सिंह, रेणू कुमारी, सुफिया शेख, अनिल ठाकुर, विवेक गोप, प्रवीण कुमार, ओमप्रकाश महतो आदि उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में 10वीं कक्षा का विज्ञान पेपर लीक, राज्यभर में परीक्षा रद्द

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांचीः झारखंड में 10वीं कक्षा की विज्ञान की परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा 11 फरवरी से शुरू हुई बोर्ड परीक्षा के दौरान विज्ञान सैद्धांतिक परीक्षा का पेपर लीक हो गया, जिससे परीक्षा को राज्यभर में रद्द कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, कोडरमा जिले में परीक्षा से दो दिन पहले ही प्रश्नपत्र लीक हो गया था। जैक बोर्ड द्वारा जांच में इस मामले की पुष्टि की गई है। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब छात्रों के पास मौजूद प्रश्नपत्र की तुलना वास्तविक प्रश्नपत्र से की गई, तो दोनों पूरी तरह से मेल खाते पाए गए।

कोडरमा में 350 रुपये में बेचा गया लीक पेपर- कोडरमा स्थित परियोजना बालिका उच्च विद्यालय और राजकीय प्लस 2 स्कूल, सर्वोदय जमजा उच्च विद्यालय मरकच्चू के छात्रों ने लीक प्रश्नपत्र और वास्तविक प्रश्नपत्र के पूरी तरह मेल खाने की पुष्टि की। कोडरमा के जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) अविनाश राम ने बताया कि पेपर लीक की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी गई। बताया जा रहा है कि लीक प्रश्नपत्र को एक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए मात्र 350 रुपये में बेचा गया था।

व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए लीक हुआ पेपर- पेपर लीक करने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया था, जिसमें शामिल होने के लिए छात्रों को एक लिंक भेजा जा रहा था। इस ग्रुप में जुड़ने के बाद छात्र प्रश्नपत्र खरीद सकते थे। पैसे की उगाही क्यूआर कोड के माध्यम से की जा रही थी।

जैक अध्यक्ष का बयान- जैक बोर्ड के अध्यक्ष ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कोडरमा और गिरिडीह जिलों के प्रशासन से रिपोर्ट तलब करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और परीक्षा को फिर से कराने की तिथि जल्द घोषित की जाएगी।

छात्रों में नाराजगी, प्रशासन पर उठे सवाल- परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों में भारी नाराजगी देखी गई है। अभिभावकों और छात्रों ने परीक्षा संचालन में लापरवाही के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जांच जारी, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई- राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और इस गड़बड़ी में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। शिक्षा विभाग ने छात्रों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और बोर्ड की अगली सूचना का इंतजार करें।

इस घटना से राज्यभर में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने की मांग तेज हो गई है।

'संवाद-2' कार्यक्रम का आयोजन, जेएमएम के केंद्रीय महासचिव होंगे शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांचीः फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा प्रायोजित 'संवाद-2' कार्यक्रम का आयोजन शनिवार, 22 फरवरी को चैंबर भवन में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय विशेष रूप से शामिल होंगे।

कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में नई सरकार के गठन के बाद, सरकार की भावी योजनाओं और विकासात्मक मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। सरकार और स्टेकहोल्डर्स के संयुक्त प्रयासों से राज्य के समग्र विकास को गति देने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि 'संवाद-2' के माध्यम से व्यापार और उद्योग जगत की प्रमुख समस्याओं पर ठोस पहल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार का सकारात्मक सहयोग व्यापारियों और उद्यमियों को प्राप्त होगा।

इस संबंध में अधिक जानकारी चैंबर प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

भाजपा विधायक को मिली जान से मारने की धमकी, नगर थाना में दिया आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व भाजपा विधायक अनंत ओझा को बांग्लादेशी घुसपैठ उठाने के मामले में एक अज्ञात शख्स ने उनके मोबाइल फोन पर कॉल करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। जहां इस मामले को लेकर राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा ने नगर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए अपने जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को लेकर बच्चियों को किया जागरूक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजमहलः जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती चित्रा यादव के निर्देशानुसार मंथन संस्था एवं चाइल्डलाइन के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय राजमहल में बच्चों के बीच जागरूकता कार्यक्रम किया गया । कार्यक्रम को नेतृत्व करते हुए जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बताया कि 2015 में, भारत सरकार ने देश में शिक्षा,लैंगिक भेदभाव और महिला सशक्तिकरण के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना की शुरुआत की गई थी।बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत प्रधान मंत्री ने 22 जनवरी 2015 को पानीपत, हरियाणा में की थी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से पूरे जीवन-काल में शिशु लिंग अनुपात में कमी को रोकने में मदद मिलती है,महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े मुद्दों का समाधान होता है, आर्थिक विकास में सुधार स्वास्थ्य एवं पोषण सुधार अगली पीढ़ी की शिक्षा सामाजिक सुधार एवं देश की प्रगति होती। वहीं उन्होंने बच्चों के बीच जानकारी साझा कर बताया कि अगर रास्ते ट्रेन या किसी अन्य जगहों पर वह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं तो वह चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098,बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति या नजदीकी पुलिस को सूचना दे सकते हैं जीसके बाद उन्हें हर संभव मदद की जाएगी।वही मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मुख्य उद्देश्य है कि बालिकाओं के बीच सशक्तिकरण लाना उन्हें मजबूत बनाना जिससे वह आगे चलकर किसी भी समस्याओं से लड़ सके और खुद को एक अच्छे मुकाम हासिल कर सके। वही कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए स्कूल में मौजूद प्रोजेक्टर से बच्चों के बीच बाल विवाह, बाल शोषण,बाल तस्करी,एवं पोक्सो एक्ट से संबंधित वीडियो भी दिखाए गए और एक्ट से संबंधित जानकारियां दी गई, कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच शपथ ग्रहण करवाया गया एवं 5 फलदाई वृक्ष रोपण भी किया गया। मौके पर इक़बाल अंसारी,संजीव कुमार,नाहिद परवीन,रूबी कुमारी,अंशु मालाकार, सबनम परवीन आदि मौजूद रहे।

डीवीसी के स्क्रैप कटिंग पावर प्लांट में कार्य के दौरान दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत, एक की हालत गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 630 मेगावाट वाले स्क्रैप पावर प्लांट में स्क्रैप कटिंग का कार्य करते समय दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना गुरुवार अपराह्न लगभग सवा तीन बजे की है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि स्क्रैप पावर प्लांट का कार्य करने वाली हैदराबाद की कंपनी राघा स्मेल्टर्स के कामगारों द्वारा गुरुवार की दोपहर सवा तीन बजे स्विच यार्ड के बगल की दीवार के ऊपर का स्ट्रक्चर काटकर गिराने का कार्य किया जा रहा था। कटिंग के बाद दीवार एवं लोहे के एंगल का स्ट्रक्चर विपरीत दिशा में गिरने की बजाय जिधर मजदूर स्ट्रक्चर के नीचे वाले छज्जे पर कार्य कर रहे थे, वहां ही आ गिरा। अचानक स्ट्रक्चर गिरने से गोविंदपुर बी पंचायत जरवा बस्ती के कामगार दिलीप सिंह एवं उनका पुत्र करण कुमार, गोविंदपुर ई पंचायत अंतर्गत गोविंदपुर बस्ती निवासी डीवीसी कर्मी अर्जुन सिंह का 35 वर्षीय पुत्र भोला सिंह सहित कंपनी के अन्य कामगार मलबे की चपेट में आकर गिर पड़े और मलबे में ही दब गए। दिलीप सिंह को गिरने के बाद भी चोट नहीं आई, जबकि उनका पुत्र करण कुमार को कमर, पैर, हाथ सहित शरीर के बाएं भाग में गंभीर रूप से चोटें आई हैं। करण को तत्काल अन्य कामगारों एवं दूसरे संवेदक विभूति प्रसाद सिंह ने डीवीसी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर बी सुदर्शन ने घायल का इलाज किया। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया। दूसरी ओर, घटना के बाद मजदूर भोला सिंह का पता नहीं चल पा रहा था। काफी खोजबीन के बाद भोला का क्षत-विक्षत शव मलबे में दबा हुआ पाया गया। प्रत्यक्षदर्शी कामगारों का कहना था कि दो मजदूर स्थानीय थे, इसलिए घटना की जानकारी मिल गई है। जबकि उक्त स्थान पर बाहर के भी मजदूर कार्य कर रहे थे और वे भी मलबे में दब गए हैं। कहा कि मलबा हटाने के बाद बाकी के बाहर के मजदूरों का भी शव बरामद किया जा सकेगा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि मृतक मजदूर भोला सिंह का आधा शव ऊपर ही टंगा था और शरीर नीचे मलबे में दबा था। पावर प्लांट में घटनास्थल एवं उसके आसपास के एरिया को सीआईएसएफ ने घेराबंदी कर किसी के भी प्रवेश पर रोक लगा दी है।

डीवीसी के स्विच यार्ड एवं इंस्ट्रूमेंट का कंट्रोल रूम क्षतिग्रस्त प्लांट का मलबा गिरने से डीवीसी के ए पावर प्लांट के स्विच यार्ड एवं इंस्ट्रूमेंट के कंट्रोल रूम की छत टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई है। पैनल रूम भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

घटना के बाद एचओपी ने लिया जायजा- घटना के बाद डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, जीएम ओएंडएम एम प्रसाद सहित सभी अभियंता घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना के इंस्पेक्टर शैलेन्द्र कुमार सिंह के निर्देश पर अनी अजीत कुमार, धनंजय सिंह भी पावर प्लांट पहुंचे। बेरमो एसडीएम मुकेश कुमार मछुआ ने भी डीवीसी के एचओपी से घटना की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने पावर प्लांट का गेट जाम किया - घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, जिप सदस्य शहजादी बानो, मुखिया विश्वनाथ महतो, चंद्र देव घांसी, मंजूर आलम, नीलकंठ महतो, कर्मचारी संघ के सचिव सदन सिंह, जानकी महतो सहित काफी संख्या में गोविंदपुर एवं जरवा बस्ती के ग्रामीण पावर प्लांट मेन गेट पहुंचकर पावर प्लांट के मेन गेट को जाम कर दिया है। ग्रामीण एवं प्रतिनिधि पावर प्लांट से किसी भी कामगार को बाहर निकलने भी नहीं दे रहे हैं। सुरक्षा को लेकर मेन गेट पर काफी संख्या में सीआईएसएफ जवानों को अधिकारियों के साथ तैनात कर दिया गया है।

प्रयागराज से लौटे थे मृतक के पिता- मृतक भोला सिंह के डीवीसी कर्मी पिता अर्जुन सिंह गुरुवार को ही प्रयागराज से संगम स्नान कर दोपहर तीन बजे बोकारो थर्मल पहुंचे थे। बोकारो थर्मल झारखंड चौक पहुंचने पर उन्होंने बेटे भोला को फोन कर उन्हें घर ले जाने को कहा। भोला ने पिता से कहा कि वह पावर प्लांट ड्यूटी आ गया है। बाद में साढ़े तीन बजे उन्हें अपने बेटे की मौत की सूचना मिली। पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक की मां का पूर्व में ही निधन हो चुका था। मृतक का छोटा भाई मनोज सिंह का भी हाल बेहाल था। मृतक भोला को एक 12 वर्ष की पुत्री पीहू एवं 7 वर्ष का पुत्र प्रियांशु है। पत्नी लक्ष्मी देवी का भी रो-रोकर हाल बेहाल था।

ग्रामीणों ने किया मुख्य सड़क को जाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजमहल। थाना क्षेत्र के कसवा गांव में बुधवार को एक ट्रैक्टर बिजली के खंभे से जा टकराया जिससे खंभा टूटकर जमीन पर गिर गया और विकास मंडल के घर का बरामदा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे ट्रैक्टर के रफ्तार का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इस घटना में समीप खड़ी एक बच्ची बाल-बाल बच गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को छोड़कर भाग गया। ट्रैक्टर चालक की इस लापरवाही से आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों ने तत्काल मंगलहाट-राजमहल मुख्य सड़क को जाम कर दिया और घर की क्षतिपूर्ति की मांग करने लगे। फिलहाल उक्त गांव का बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गया है। करीब एक घंटे तक रोड जाम रहा। क्षतिपूर्ति के आश्वासन पर जाम हटा दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मंगलहाट से राजमहल की सड़क दो दशक के बाद बनी है। इससे सड़क पर दिनभर तीव्र गति से सैकड़ों वाहन चलते हैं। वाहनों की तेज रफ्तार से सड़क किनारे के लोगों को काफी परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि वाहन चालकों को कई बार धीमी गति से वाहन चलाने को कहा गया था लेकिन वे सब नहीं माने जिसके बाद यह घटना हो गई।

प्रसिद्ध चित्रकार व डीवीसी के रिटायर अभियंता के आवास से 6 लाख रुपये के जेवरात सहित 85 हजार नकद की चोरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल जीएम कॉलोनी स्थित आवास संख्या जीएम 19 में रहने वाले प्रसिद्ध चित्रकार सह डीवीसी के रिटायर कार्यपालक अभियंता आनंद प्रकाश मेहता गुरुवार की दोपहर को गोवा से अपने आवास पहुंचे। आवास पहुंचने पर पाया कि चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के पूर्व घर में लगाये गए तीन तालों को तोड़कर घर में प्रवेश किया तथा दो कमरे में रखे आलमारी के लॉकरों को तोड़कर उसमें रखे लगभग 6 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात सहित 85 हजार रुपये नकदी की चोरी कर ली। चोरों ने घर में रखे गुल्लक को भी तोड़कर उसमें भी बच्चों द्वारा जमा किये गए रुपयों की चोरी कर ली। चोरों ने घर के अंदर के तीन कमरों में बड़े ही आराम से चोरी की घटना को अंजाम देते हुए दीवान, पलंग एवं आलमारी में रखे सभी सामानों को निकालकर पूरे कमरों में बिखेर दिया और सिर्फ जेवरात एवं नकदी की चोरी की। चोरों ने घर के आलमारी में रखे महंगे कपड़े, साड़ी एवं घड़ी को छोड़ दिया। बाद में अभियंता ने स्थानीय थाना में जाकर चोरी की सूचना दी।

सूचना के बाद इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, सअनि अरविंद मेहता, मनोज मंडल ने पहुंचकर मामले की जानकारी ली और सभी कमरों का निरीक्षण किया। इंस्पेक्टर ने कहा कि बाहर जाने के क्रम में यदि थाना को सूचना दी गई होती या फिर किसी को आवास में रहने के लिए दिया गया होता तो घटना नहीं घटती। कहा कि मामले में संलिप्त चोरों का पता लगाकर घटना के उद्घाटन का प्रयास किया जाएगा। विदित हो कि उक्त अभियंता परिवार के साथ गोवा गए थे कि इसी बीच मंगलवार की रात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया।

सेल में आधुनिकीकरण के निष्पादन में बेहतर प्रणाली सीखने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में परियोजना निष्पादन में सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और उसे साझा करने के लिए दो दिवसीय एलईओ कार्यशाला का शुभारम्भ गुरुवार को हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता के साथ वरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में दुर्गापुर स्टील प्लांट, इस्को स्टील प्लांट, भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, सेल निगमित कार्यालय तथा बोकारो स्टील प्लांट सहित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की विभिन्न इकाइयों के प्रतिभागी शामिल हैं। कार्यशाला में संकाय के रूप में आईएसपी के पूर्व अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) ए के दासगुप्ता ने अपने परियोजना निष्पादन के अनुभवों को सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) मनीष जलोटा ने मुख्य अतिथि तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता ने कहा कि पूरे सेल में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण का काम प्रस्तावित है और ऐसे में इस कार्यशाला के आयोजन से पूरे संगठन को लाभ होगा। अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा ने इस कार्यशाला को उपयोगी बताया।

अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने ऐसे समसामयिक विषय पर एलईओ कार्यशाला आयोजित करने के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग को बधाई दी और सभी को इसका पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया। अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों से कराधान मामलों, डीपीएमएस एवं अन्य विषयों पर विचार-मंथन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वयन राजेश कुमार, उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया।

गोविंदपुर ए पंचायत एवं गोविंदपुर सी पंचायत का पुनर्गठन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया : बेरमो प्रखंड संयोजक मंडली की बैठक गोविंदपुर ए पंचायत सचिवालय में संयोजक प्रमुख इकबाल अहमद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विशिष्ट अतिथि पर्यवेक्षक पान बाबू केवट, संयोजक उपप्रमुख रंजीत महतो मौजूद थे। सर्वसम्मति से गोविंदपुर ए पंचायत अध्यक्ष कमाल हुसैन, उपाध्यक्ष हेमलाल तुरी, सचिव मोहम्मद अनवर, संयुक्त सचिव सुजीत राम, कोषाध्यक्ष मोहम्मद मुबारक तथा गोविंदपुर सी पंचायत में अध्यक्ष राजा कुमार, सचिव अभय सिंह व कोषाध्यक्ष नकुल कुमार राम निर्वाचित किए गए। मौके पर संयोजक मंडली के सदस्य अख्तर अंसारी, मुन्ना शाह, जफर अली, डागला रजक, संतोष महतो सहित दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

बैंक ऑफ इंडिया में 24 व 25 फरवरी को हड़ताल, सफलता को लेकर कर्मियों का प्रदर्शन

संवाददाता

बोकारो : ऑल इंडिया बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन से संबद्ध फेडरेशन ऑफ़ बैंक ऑफ़ इंडिया स्टाफ यूनियंस के आह्वान पर आगामी 24 एवं 25 फरवरी को प्रस्तावित हड़ताल की सफलता को लेकर गुरुवार को बैंक ऑफ इंडिया के बोकारो आंचलिक कार्यालय के समक्ष कर्मियों ने विशाल प्रदर्शन किया। कर्मियों का यह प्रदर्शन मुख्यतः ग्राहक सेवा में सुधार हेतु सभी संवर्गों में समुचित बहाली, बैंक प्रबंधन द्वारा लगातार द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन आदि के विरोध में किया गया। इसी कड़ी में आज पूरे भारतवर्ष के बैंक ऑफ़ इंडिया के आंचलिक कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन एवं बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के नाम सभी आंचलिक प्रबंधक के माध्यम से सामूहिक ज्ञापन दिया गया। बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लाइज यूनियन, झारखंड प्रदेश के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में चास- बोकारो में अवस्थित शाखाओं के कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

मांगों के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए बैंक आफ इंडिया एंप्लाइज यूनियन झारखंड प्रदेश के सहायक सचिव राकेश मिश्रा ने कहा कि बैंकों में कर्मचारियों की संख्या दिन प्रतिदिन घट रही है, जिससे जहां ग्राहक सेवा बाधित हो रही है, वहीं कार्यरत कर्मचारियों पर काम का अनावश्यक अत्यधिक बोझ बढ़ता जा रहा है और वे तनाव में जीने को अभिशप्त हो गए हैं। साथ ही स्थाई बहाली नहीं होने से पढ़े लिखे लोगों को रोजगार से भी वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मांगों में 27.12.2021 को केंद्रीय श्रमायुक्त के समक्ष प्रबंधन द्वारा किए गए समझौता को अविलंब कार्यान्वित करने की बात शामिल है। उन्होंने प्रबंधन पर समझौते के विपरीत सभी कार्य करने तथा कर्मचारियों के प्रति आए दिन भेदभाव किये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन बैंक हित, ग्राहक हित एवं कर्मचारी हितों के रक्षार्थ किया जा रहा है। अगर प्रबंधन इसके बावजूद हमारी वाजिब मांगों पर समुचित ध्यान नहीं देता है तो घोषित आंदोलनात्मक कार्यक्रम के अनुसार आगामी 24 एवं 25 फरवरी 2025 को दो दिवसीय पूर्ण हड़ताल किया जाएगा। फिर आंदोलन को और भी तीव्रतर किया जाएगा।

बोकारो आंचलिक कार्यालय के समक्ष हुए प्रदर्शन में राकेश मिश्रा, प्रियंका कुमारी, इंद्रजीत चौधरी, अजय कुमार, प्रेम कुमार, विनय कुमार, मनोज सिंह, राजेश प्रसाद, शशि भूषण मिश्रा, पूनम देवी, ममता राउत, शोभा सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, हसन रजा कलीम, परमहंस, मनोज कुमार, संतोष दांडी, विनोद कुमार, संजीव कुमार, विद्यासागर, ठाकुरदास बेदिया, राजेश दास, जितेंद्र प्रमाणिक के अलावा अन्य सैकड़ों बैंककर्मी उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

देवघर एयरपोर्ट पर होंगे दो टर्मिनल, 450 करोड़ की डीपीआर तैयार, रात्रि विमान सेवा कब होगी शुरू

देवघर, एजेंसी। देवघर एयरपोर्ट पर इस वर्ष दूसरे टर्मिनल का काम चालू हो जाएगा. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने देवघर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए 450 करोड़ की डीपीआर तैयार कर ली है. इसमें नया टर्मिनल के साथ-साथ चार एरोब्रिज की डिजाइन भी फाइनल की गयी है. दूसरा टर्मिनल पुराने टर्मिनल के ठीक किनारे पूर्वी क्षेत्र में बनेगा. दोनों टर्मिनल बन जाने से हवाई यात्रियों के प्रस्थान व आगमन की अलग सुविधा होगी. देवघर एयरपोर्ट पर दो टर्मिनल हो जाने से प्रति वर्ष एक लाख यात्रियों के आने-जाने की क्षमता को बढ़ाकर पांच लाख कर दी जायेगी. देवघर एयरपोर्ट से लगातार उड़ानों की संख्या बढ़ रही है. जल्द ही रात्रि विमान सेवा भी शुरू हो जायेगी. बड़े शहरों की तर्ज पर बुजुर्ग यात्री सहित अन्य यात्री एरोब्रिज से सीधे फ्लाइट में बैठेंगे. अप्रैल में इस विस्तारीकरण का टेंडर करने की तैयारी है, जिसके बाद टर्मिनल बिल्डिंग व एरोब्रिज का काम चालू होगा. जुलाई महीने में देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली की यात्रा करने वाले दिल्ली निवासी ओपी गोड़ियाल नामक एक बुजुर्ग पैसेंजर ने टर्मिनल का वीडियो बनाया था. वीडियो में देखा जा रहा था कि एयरपोर्ट पर बैठने की जगह कम होने की वजह से कई बुजुर्ग यात्री खड़े होकर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे. इस वीडियो को गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे को टैग किया गया था. जैसे ही सांसद की नजर इस पोस्ट पर पड़ी, उन्होंने सबसे पहले नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू व एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन से फोन पर बात देवघर एयरपोर्ट में दूसरा टर्मिनल व चार एरोब्रिज बनाने का प्रस्ताव दिया था.

क्या एचईसी में पसर जाएगा अंधेरा जेबीवीएनएल ने मांगे 240 करोड़, 15 दिनों की दी मोहलत

रांची, एजेंसी। एचईसी पर जेबीवीएनएल का बिजली मद में 240 करोड़ रुपये बकाया हो गया है. फरवरी में रांची के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने एचईसी को नोटिस भेजकर बिजली काटने की चेतावनी दी है. उन्होंने नोटिस में लिखा है कि एचईसी पर लगातार बकाया बढ़ता जा रहा है. फरवरी माह में बकाया बढ़कर 240 करोड़ रुपये हो गया है.एचईसी प्रतिदिन जेबीवीएनएल से लगभग 10 मेगावाट बिजली लेती है. इस कारण तीन वर्षों में एचईसी का बिजली बिल का बकाया बढ़ कर 240 करोड़ रुपये हो गया है. इस संबंध में जेबीवीएनएल की ओर से बताया गया कि सभी बकायेदारों को नोटिस भेजा जा रहा है. ऐसे लोगों की सूची तैयार की जा रही है, जिनके यहां लंबे समय से बिजली बिल बकाया है. बकाया का भुगतान नहीं करने पर उनकी बिजली काटी जायेगी. तीन साल पहले भी 111 करोड़ रुपये बकाया होने के कारण एचईसी की बिजली काट दी गयी थी. हालांकि, उस वक्त एचइसी के सख्त रुख और जवाबी कार्रवाई की धमकी पर 24 घंटे में ही बिजली बहाल कर दी गयी थी. तब जेबीवीएनएल की ओर से एचईसी को पांच जनवरी 2021 को आखिरी नोटिस जारी किया गया था. इसके बाद बिजली काटी गयी थी. तब कंपनी की ओर से कहा गया था कि इतनी बड़ी कंपनी का उत्पादन ऐसे ठप नहीं किया जा सकता है.

रत्नगर्भा झारखंड में है सोने का भंडार, हेमंत सोरेन सरकार कहां-कहां करा रही है खदान की खोज

रांची, एजेंसी। झारखंड में सोने की खदान खोजी जा रही है. झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड(जेइएमसीएल) खूंटी जिले के उलीहुरांग में सोने की खदान खोज रही है. यहां सोने की खदान की संभावना है. दो-तीन महीने में खोज कार्य पूरा हो जाएगा. इसके बाद सोने की खदान का ब्लॉक तैयार किया जाएगा और सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी. फिर इस खदान से सोना निकालने के लिए नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेइएमसीएल) फिलहाल 15 परियोजनाओं पर काम कर रही है. इनमें लोहरदगा जिले के हरहरा, कालहारी, खमार, पुलुंग और रुदनी में बॉक्साइट ब्लॉक की खोज की जा रही है. कोडरमा जिले के दुधाकोला में लिथियम और रेयर मेटल की खोज की जा रही है. गढ़वा जिले के धुरकी में लाइमस्टोन ब्लॉक, पूर्वी सिंहभूम जिले में बेनगरिया काइनाइट ब्लॉक, साहिबगंज और लोहरदगा में चाईना क्ले और सरायकेला और गुमला में स्टोन ब्लॉक का खोज कार्य चल रहा है.

पारसनाथ पर्वत विवाद को लेकर हुई सुनवाई हाई कोर्ट ने 17 मार्च तक मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। पारसनाथ पर्वत को लेकर जारी विवाद पर बुधवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस संबंध में जैन समुदाय, गुजरात की ज्योत संस्था के द्वारा जनहित याचिका दायर की गई है। बुधवार को हाईकोर्ट ने मरांग बुरू संस्थान के द्वारा दायर हस्तक्षेप याचिका पर आदिवासियों के पक्ष को सुना। हाईकोर्ट ने इसपर जैन समुदाय और सरकार से 17 मार्च के पहले जवाब देने को कहा है।

आदिवासी समाज ने आरोप लगाया है कि जैन समुदाय ने आदिवासियों के धार्मिक स्थल मरांग बुरू युग जाहेर थान में अतिक्रमण किया है। मधुबन में जंगलों को साफ कर कंक्रीट का भवन, मठ, मंदिर और धर्मशाला बनाया गया है। पारसनाथ पर्वत में वृक्षों और पत्थरों को काटकर 50 से भी अधिक मंदिर वन भूमि पर बना दिया गया है।

मरांग बुरू बचाओ और अतिक्रमण हटाओ को लेकर आदिवासी समाज आंदोलित है। 12 मार्च को मधुवन, गिरिडीह में रैली-प्रदर्शन आहूत किया गया है।

लातेहार में गारू प्रखंड के हेनार गांव में मंगलवार को हाईकोर्ट के आदेश के तहत आंगनबाड़ी सेविका चयन के लिए ग्रामसभा आयोजित की जानी थी। लेकिन पूर्व में चयनित सेविका सुनीता नागेसिया और उनके समर्थकों के विरोध के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

गौरतलब है कि सात माह पूर्व कम योग्यता वाली सुनीता नागेसिया का सेविका पद के लिए चयन किया गया था, जिसे गांव के अधिक योग्यता धारी किरण तेलरा ने चुनौती देते हुए लातेहार उपायुक्त को आवेदन दिया था।

मामले को संज्ञान में लेते हुए उप विकास आयुक्त ने सुनीता नागेसिया का चयन रद्द कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ सुनीता नागेसिया ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने किरण तेलरा के पक्ष में फैसला सुनते हुए एक माह के भीतर ग्रामसभा कर नए सिरे से हेनार गांव ने आंगनवाड़ी सेविका का चयन करने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में अंचलाधिकारी सह सीडीपीओ दिनेश कुमार मिश्रा और चयन समिति की टीम मंगलवार को हेनार गांव पहुंची।

गांव में पूर्व चयन सेविका सुनीता नागेसिया और उनके समर्थकों ने ग्रामसभा होने से रोक दिया। और नहीं ही हेनार गांव के किसी भी आदिम जनजाती महिला को सेविका पद के लिए आवेदन करने दी।

उनका कहना था कि सेविका के रूप में सिर्फ सुनीता नागेसिया को ही चुना जाए, अन्यथा वे प्रक्रिया नहीं होने देंगे। स्थिति बिगड़ते देख प्रशासनिक टीम बिना चयन प्रक्रिया पूरी किए वापस लौट गई।

अब प्रशासन के लिए यह मामला चुनौती बन गया है। सवाल यह है कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद निष्पक्ष चयन कैसे होगा।इस संबंध में अंचलाधिकारी सह सीडीपीओ दिनेश कुमार मिश्रा ने कहा की अदालत के फैसले पर पुनः ग्रामसभा का समय निकली जाएगी सेविका का चयन किया जाएगा।उधर, एक अन्य मामले की बात करें तो झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने पलामू के उंटारीरोड प्रखंड क्षेत्र के पांडेयपुरा में आम रास्ता पर बने मकान को हटा दिया।

इस अभियान में सीओ बासुदेव राय, सीआई खीरोधर कुमार, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दुबे समेत पुलिस के जवान शामिल रहें।आवेदनकर्ता रामनाथ माली ने बताया कि पांडेपुरा गांव के प्रेमचंद गुप्ता, प्रभु गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, अरुण, अनिल, सत्यनारायण, संजय गुप्ता ने आम रास्ता पर मकान बना कर सरकारी रास्ता को बंद कर दिया था।

इस कारण ग्रामीण काफी परेशान थे। उसके गाद ग्रामीणों ने रास्ता निकालने को लेकर उनकी अगुवाई मे वर्ष 1979 में कोर्ट का शरण लिया।

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कार्यकर्ताओं संग नगर निगम कार्यालय के समीप दिया धरना

धनबाद, एजेंसी। विधायक राज सिन्हा की अगुआई में भाजपा बरटांड़ मंडल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को धनबाद नगर निगम कार्यालय के सामने धरना दिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर निगम की कार्यशैली के विरोध में नारेबाजी की। भाजपाइयों ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी विकास कार्यों के प्रति गंभीर नहीं हैं। साथ ही नगर निगम और अन्य सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया।

इस मौके पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि जिले में विकास कार्य पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। कहीं नाली नहीं है तो कहीं सड़कों का बुरा हाल है। कहीं स्ट्रीट लाईट की समस्या है तो कई जगह हाईमास्ट लाईट की। उन्होंने कहा कि शहर की नालियों की सफाई नहीं हो रही है। गर्मी आने में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं, लेकिन नगर निगम की ओर से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को सुचारु करने को लेकर कोई तैयारी नहीं की गई है। ऊंचे स्थानों पर सप्लाई पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

उन्होंने कहा कि कई सड़कें काफी जर्जर हो गई हैं। हालात यह है कि लोगों का सड़क पर पैदल भी चलना मुश्किल हो गया है, लेकिन नगर निगम को इस बात की तनिक भी चिंता नहीं है। खासकर पांडरपाला, दास बस्ती, पंडित क्लिनिक, मनईटांड़ और गांधी नगर सब्जी बगान जैसे इलाकों की सड़कें चलने लायक नहीं हैं। इन इलाकों की सड़कों का हाल बुरा हो चुका है।

भाजपा विधायक राज सिन्हा ने कहा कि कई बार इसकी लिखित रूप से शिकायत की गई। लेकिन समस्याओं के समाधान के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। यहां केवल ठेकेदारी मैनेज किया जा रहा है। निगम की कुव्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित कराने के लिए आंदोलन शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में धरना दिया जा रहा है। सुनवाई नहीं होने पर आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सीओ कार्यालय में भी भ्रष्टाचार चरम पर है। बगैर रिश्वत दिए म्यूटेशन नहीं किया जाता है। हालत है कि लोगों को महीनों तक दौड़ाया जाता है।

महाकुंभ जाने में अब नहीं होगी परेशानी, भीड़ को कंट्रोल करने के लिए रेलवे विभाग ने लिया अहम फैसला

चक्रधरपुर, एजेंसी। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ से निपटने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल के गुजरने वाली 8 ट्रेनों में, रांची रेल मंडल से चलने वाली 2 और हावड़ा से खुलने वाली दो ट्रेनों में 20 से 23 फरवरी तक एक अतिरिक्त कोच लगा कर चलाने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रियों को कंफर्म बर्थ मिल सके।

उधर, 44 साल के बाद इस साल प्रायगराज में महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए देश भर के साथ-साथ राउरकेला स्मार्ट सिटी से भी रोजाना सैकड़ों लोग विभिन्न ट्रेनों से प्रयागराज जा रहे हैं।

इन लोगों को काफी मुश्किल से प्रयागराज जाने के लिए कंफर्म टिकट मिल पा रहा है। जिसके कारण उक्त रिजर्वेशन काउंटर में भीड़ देखी जा रही है।

रोजाना रिजर्वेशन काउंटर में 20 से 23 फरवरी तक का टिकट बनाने के लिए लोग आ रहे हैं। लेकिन रिजर्वेशन काउंटर में टिकट बनाने के लिए आने वाले लोगों को काउंटर के क्लर्क द्वारा केवल वेटींग टिकट होने की बात कही जा रही है।

दूसरी ओर दलाल 20 से 23 फरवरी तक प्रयागराज जाने के लिए कंफर्म टिकट दिलवा रहे हैं। लेकिन इसके लिए लोगों से स्लीपर हो या सेकेंड एसी या थर्ड एसी।

टिकट की किमत से दो से तीन गुणा किमत ले रहे हैं। इस दिशा में रेलवे के विजीलेंस विभाग, आरपीएफ, जीआरपी के अधिकारियों को इस तरह के हथकंडे के बारे में पता होने के बाद चुप्पी साध बैठे हैं।

झारखंड के कॉलेजों में रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए मिलेगी 10 लाख रुपये तक की राशि, ऐसे होगा चयन

रांची, एजेंसी। झारखंड के विश्व विद्यालयों व कॉलेजों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग ने रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत राशि देने का निर्णय लिया है. विभाग ने दो लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक का रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार किया है, ताकि शिक्षक/शोधार्थी/वैज्ञानिक इस पर कार्य कर सकते हैं. इसमें माइनर प्रोजेक्ट के तहत 12 माह के लिए दो लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है.

इसी प्रकार मेजर प्रोजेक्ट के तहत 24 माह के लिए पांच लाख रुपये का बजट निर्धारित किया है. जबकि लांग टर्म प्रोजेक्ट के तहत 36 माह के लिए 10 लाख रुपये बजट का प्रावधान रखा गया है. उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग ने इसके लिए गाइडलाइन जारी कर दी है. विभाग ने इसकी मॉनिटरिंग का जिम्मा जेसीएसटीआइ को दिया है.

नयी गाइडलाइन के तहत झारखंड में रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए जेसीएसटीआइ द्वारा साल में दो बार आवेदन मांगेगा. यह माह प्रति वर्ष जुलाई व दिसंबर का होगा. प्रोजेक्ट लेनेवाले शिक्षक/वैज्ञानिक/शोधार्थी ऑनलाइन आवेदन व शोध प्रस्ताव जमा करेंगे. इसके लिए निर्धारित फॉर्मेट रहेगा. ऑनलाइन आवेदन जमा करने के बाद इसकी हार्ड कॉपी ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि से 15 दिन के अंदर संबंधित संस्थान में जमा करना होगा. अगर हार्ड कॉपी 15 दिन के अंदर जमा नहीं होती है, तो संबंधित शोध प्रस्ताव व आवेदन को रद्द कर दिया जायेगा. शोध प्रस्ताव व फाइनल रिपोर्ट अंग्रेजी में ही जमा करने होंगे. एक बार में एक ही प्रोजेक्ट के लिए आवेदन करना होगा.

जमा हुए आवेदन और शोध प्रस्ताव की स्क्रूटनी की जायेगी. इसके लिए जेसीएसटीआइ द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी बनायी जायेगी. शार्टलिस्ट उम्मीदवार को प्रजेंटेशन और इंटरैक्शन के लिए बुलाया जायेगा. प्रोजेक्ट का चयन होने पर उम्मीदवार को राशि का भुगतान दो बार समान किस्त में होगा. जेसीएसटीआइ के पास अधिकार होगा कि वह शोध प्रस्ताव को लांग टर्म/मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट/माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट में स्थानांतरित कर सकता है. राशि का खर्च फील्ड वर्क/उपकरण/स्टटी मेटेरियल/कंटीजेंसी आदि में किया जायेगा.

शिक्षा विभाग में फेरबदल, 14 अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने राज्य शिक्षा सेवा के 14 पदाधिकारियों का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है। इनमें से कुछ को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इसके तहत साहिबगंज के जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा को संताल प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक (आरजेडीई) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

वे वर्तमान आरजेडीई गोपाल कृष्ण झा के 28 फरवरी को सेवानिवृत्त होने के बाद इस पद का प्रभार लेंगे। वहीं, दक्षिणी छोटानागपुर के आरजेडीई अलका जायसवाल को प्राथमिक शिक्षा का उपनिदेशक बनाया गया है।

नीलम आईलीन टोप्पो को प्राथमिक शिक्षा उपनिदेशक के साथ दक्षिणी छोटानागपुर के आरजेडीई का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हजारीबाग के जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन को उत्तरी छोटानागपुर के आरजेडीई के साथ इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय के प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

इनके अलावा, पूर्वी सिंहभूम के डीईओ मनोज कुमार को कोल्हान प्रमंडल का आरजेडीई का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह, निशु कुमारी को जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रातू में प्राचार्य, संतोष गुप्ता को पाकुड़ डायट का प्राचार्य, सरायकेला के डीएसई कैलाश मिश्र को वहां के डीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

अभिषेक बड़ाइक को चतरा डीएसई के प्रभार से मुक्त किया गया। दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर को लोहरदगा का डीईओ, अभिजीत कुमार को लोहरदगा का डीएसई, रामजी कुमार को चतरा का डीएसई, दीप्ति कुमारी को जैक का संयुक्त सचिव और अभिषेक झा को धनबाद का डीईओ बनाया गया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की।

दूसरी ओर, गृह रक्षा वाहिनी में इंस्पेक्टर, कंपनी कमांडर व अन्य कर्मियों सहित 38 का तबादला हो गया है। बुधवार को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार कुल 16 इंस्पेक्टर, 17 कंपनी कमांडर व पांच चतुर्थवर्गीय कर्मचारी शामिल हैं।

मृत्युंजय कुमार मिश्र (दुमका से चाईबासा), अनुज कुमार (पलामू से रांची मुख्यालय), राजीव कुमार गौरव (गढ़वा से जमशेदपुर), धीरज कुमार (जमशेदपुर से गढ़वा), ध्रुव कुमार तिवारी (गुमला से गोड्डा), दिनेश उरांव (दुमका से केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, धुर्वा), धनुषधारी सिंह (चाईबासा से दुमका), रंजीत कुमार सिंह (जमशेदपुर से दुमका)। महेंद्र हरिजन (देवघर से चाईबासा), अलेकसियुस तिर्की (गोड्डा से गुमला), अरविंद कुमार बैद्यका (मुख्यालय रांची से हजारीबाग), गौतम सागर ऋषि (हजारीबाग से पलामू), विनित बेक (पाकुड़ से लोहरदगा), ओम सती (कोडरमा से गुमला), विनय कुमार (चाईबासा से देवघर) व कैलाश सिंह (हजारीबाग से कोडरमा)।

ऋषिकेश (मुख्यालय रांची से चतरा), सुमन कुमार (मुख्यालय रांची से धनबाद), नीलकंठ महतो (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान से हजारीबाग), रमजान अंसारी (रांची से लोहरदगा), सज्जन कुमार यादव (गुमला से साहिबगंज), धीरज कुमार झा (लोहरदगा से देवघर), अजय कुमार पांडेय (गोड्डा से पाकुड़), निरल केरकेट्टा (पाकुड़ से गोड्डा), प्रभाष कुमार (हजारीबाग से केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा)।

अमित कुमार साव (देवघर से रांची), रोहित कुमार (धनबाद से मुख्यालय रांची), आदिब कामिल (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा से दुमका), सुशील मुर्मू (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा से जमशेदपुर), कामता प्रसाद सिंह (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा से हजारीबाग), रंजीत कुमार (साहिबगंज से केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा), रोशन उरांव (चाईबासा से गुमला), संजीव कुमार शर्मा (चतरा से मुख्यालय रांची)।

झारखंड कांग्रेस कमेटी में अब नहीं चलेगा ये वाला फॉर्मूला, पार्टी प्रभारी के. राजू का दो टूक

रांची, एजेंसी। कांग्रेस संगठन अब नये फॉर्मूले से तैयार होगा. पार्टी की प्रदेश कमेटी से लेकर दूसरी कमेटियों के गठन को लेकर पार्टी नयी नीति अपनायेगी. इससे कांग्रेस प्रदेश कमेटी में हर बार जगह पाने वाले नेताओं की छुट्टी हो सकती है. इसके साथ ही प्रदेश की जंबो जेट कमेटी नहीं चलेगी. ये बातें पार्टी के नये प्रभारी के राजू ने अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ हुई मीटिंग में कही. बताते दें कि कांग्रेस में आमंत्रित और विशेष आमंत्रित सदस्य बनाकर दर्जनों लोगों को शामिल किया जाता है. प्रदेश कांग्रेस के नये प्रभारी के राजू जल्द ही झारखंड दौरे आने वाले हैं. इस दौरान वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात करेंगे. बोर्ड-निगम के बंटवारे को लेकर भी चर्चा होगी.

कांग्रेस के नव-नियुक्त प्रभारी के राजू से प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने दिल्ली में मुलाकात की. इस मौके पर प्रभारी के राजू ने संगठन का पूरा खाका जाना. फिलहाल कांग्रेस की प्रदेश कमेटी का गठन नहीं हुआ है. लेकिन उन्होंने पिछली कई कमेटियों की जानकारी ली. जातीय और नेताओं की उम्र को लेकर अलग-अलग बात की. प्रभारी के राजू का निर्देश था कि कमेटी छोटी बनायें. नये और युवा चेहरे को आगे लायें. इसके

साथ ही प्रदेश की अन्य कमेटियों में जो नेता शामिल हैं, उन्हें दूसरी कमेटी में जगह नहीं मिले.

नये प्रभारी की ओर से कहा गया है कि पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी या अन्य कमेटी में शामिल नेताओं को प्रदेश की टीम में शामिल करने की जरूरत नहीं है. हर कमेटी अलग-अलग काम करें और सब अपना टारगेट पूरा करें. संगठन में भी जिसकी जितनी हिस्सेदारी है, उसकी उतनी भागीदारी का फॉर्मूला तय हो. ग्रास रूट के नेताओं को आगे बढ़ाया जाये, जिससे कमेटी में जातीय, वर्ग और उम्र का पूरा संतुलन हो जाये. इसके साथ ही जिलाध्यक्षों को लेकर भी जानकारी हासिल की. जिले में भी नये लोगों को आगे लाने की बात कही गयी है.

झारखंड के बीआईटी सिंदरी और जेयूटी में बनेगा टेक्नोलॉजी पार्क, तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बनेगी पॉलिसी

रांची, एजेंसी। उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा है कि राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना की जायेगी. प्रथम चरण में यह पार्क बीआईटी सिंदरी, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी), पलामू इंजीनियरिंग कॉलेज तथा नामकुम स्थित सॉफ्टवेयर पार्क में स्थापित किया जायेगा. वे बुधवार को रेडिशन ब्लू होटल में आयोजित इंडस्ट्री कॉन्क्लेव ऑन स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे.

उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार को भी इस कार्यशाला में आना था, लेकिन इटखोरी में कार्यक्रम के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके. प्रधान सचिव ने कहा कि इस पार्क में उपलब्ध संसाधन के माध्यम से विद्यार्थी स्टार्टअप को भी बढ़ावा दे सकेंगे. पार्क में उद्योग विभाग व इससे जुड़े

संस्थान के विशेषज्ञों की मदद विद्यार्थियों को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सेक्टर में प्रशिक्षण दिलाया जायेगा. पार्क में विद्यार्थियों को इवी ट्रेनिंग, डेटा साइंस, फिनटैक सेंटर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोट, मेकाट्रोनिक्स इनर्जी सेक्टर, 5 जी, आइटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, साइबर सिक्यूरिटी एंड एलाइड सेक्टर, जीआइएस, टोमेशन, गेमिंग टेक्नोलॉजी जैसे लेटेस्ट तकनीक क्षेत्र में विद्यार्थियों को दक्ष किया जायेगा. इस अवसर पर एएसडीसी के सीइओ अरिंदम लाहिरी सहित सोमनाथ रॉय, रिलायंस जिओ के उपाध्यक्ष बाला अय्यर व एबिकॉर इंडिया के सीइओ मुर्गेश सुतारिया ने भी संबोधित किया. रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस तरह के पार्क की स्थापना के लिए रांची विवि का भी चयन किया जाये. ताकि, नन टेक्निकल विद्यार्थी भी इसका लाभ उठा सकें. जेयूटी के कुलपति प्रो डीके सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना से राज्य के तकनीकी सहित गैर तकनीकी विद्यार्थी भी अपने रोजगार के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे. जिस क्षेत्र में विद्यार्थी प्रशिक्षण लेना चाहेंगे, सरकार इस पार्क में उन्हें सुविधा उपलब्ध करायेगी. प्रो सिंह ने कहा कि भुवनेश्वर स्थित स्किल डेवलपमेंट सेंटर की तर्ज पर इस पार्क की स्थापना करने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने कहा कि अगर हम अपने राज्य के बच्चों को संसाधन उपलब्ध कराते हैं, तो विद्यार्थी अपनी बौद्धिक क्षमता व विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में बहुत आगे तक जा सकेंगे.

उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के अवर सचिव सैयद रियाज अहमद ने पार्क के संबंध में प्रजेंटेशन दिया. उन्होंने इस पार्क की स्थापना में सरकार की तरफ से दी जानेवाली रियायत की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस पार्क में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सेक्टर के अलावा सर्विस सेक्टर को शामिल किया जायेगा. इसके तहत ग्लोबल बैंकिंग एंड फाइनांसियल सर्विस, डिजाइन एंड फैशन टेक्नोलॉजी, आइटीइएस, हॉस्पिटेलिटी, लॉजिस्टिक, रेटेल आदि सेक्टर शामिल होंगे.इस अवसर पर एक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया.

इसमें नितिन झुनझुनवाला, सुमिता गुप्ता, डॉ शुभजीत जगदेव, शिवनंदन एनआर, संजीव कुबाकड्डी, रमेश बैंकट, कानन सहित एनआइटी जमशेदपुर के डॉ खुशलेंद्र कुमार सिंह, वी वासु, ओम प्रकाश, सरोज, पंकज जाधव, विवेक प्रकाश, टाटा मोटर्स के अनिल जोसेफ, प्रशांत मेहता आदि शामिल थे.

अगले साल से दो बार होंगी 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं, सीबीएसई ने किया बड़ा एलान

रांची, एजेंसी। सीबीएसई ने अपनी परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की घोषणा की है। इसके तहत वर्ष 2026 से 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड की परीक्षाएं होंगी।

सीबीएसई 2026-27 के सत्र से संबद्ध 260 विदेशी स्कूलों के लिए एक वैश्विक पाठ्यक्रम भी तैयार करेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में इस निर्णय पर चर्चा की गई है।

बैठक में सीबीएसई, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नई प्रणाली के तहत छात्रों के पास वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने और अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर को बनाए रखने का विकल्प होगा। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये योजना विद्यार्थियों में परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर देगी।

इसका उद्देश्य परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करना है, साथ ही अधिक समग्र मूल्यांकन प्रणाली सुनिश्चित करना है। इसमें रटने की बजाय अवधारणात्मक समझ और कौशल आधारित मूल्यांकन पर जोर देना है।नया मूल्यांकन पैटर्न रचनात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में एसएटी जैसे वैश्विक माडल की तरह है, जो छात्रों को अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर लाने के लिए कई प्रयास देता है। सीबीएसई इस बदलाव को सुचारू रूप से चलाने के लिए शिक्षकों को बेहतर कौशल देने पर भी काम कर रहा है।

बहुत जरूरी है झारखंड की मातृभाषाओं का संरक्षण

डॉ. दिनेश कुमार 'दिनमणि',

बाराडीह, जैनामोड़, बोकारो। अनूठे भौगोलिक स्वरूप और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ अकूत खनिज-बनज संपदा से संपन्न अतीत प्राचीन भूखंड का विशिष्ट प्रदेश है झारखंड, जो भाषायी विविधता से सुसज्जित एक सुंदर फुलवारी भी है। यहाँ तीन भाषाई परिवार की एक दर्जन से अधिक भाषाएँ प्राचीन काल से यहाँ के मूल निवासियों के विचार-विनिमय का साधन बनी हुई हैं। ऑस्ट्रिक परिवार की संथाली मुडारी, हो, खड़िया, असुरी, भूमिज, बिरजिया, बिरहोरी आदि। द्रविड़ परिवार की कुड़ुख और माल्तो और आर्य परिवार की खोरठा, कुरमाली, नागपुरी और पँचपरगनिया यहाँ के पारंपरिक निवासियों की मातृभाषाएँ हैं। इनमें से नौ भाषाओं- संथाली मुडारी, हो खड़िया, कुड़ुख, खोरठा, कुरमाली, नागपुरी और पँचपरगनिया को अकादमिक स्तर पर पठन-पाठन हेतु मान्यता के साथ ही झारखंड की द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्राप्त है।

झारखंड में बोली जानेवाली इन मातृभाषाओं को स्थिति के आधार पर दो कोटियों में बाँटकर देख सकते हैं;

पहली – ऐसी भाषाएँ जो आज स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर एक भाषा विषय के रूप में पढ़ाई जाती हैं। इसके अंतर्गत संथाली मुडारी, हो खड़िया, कुड़ुख, खोरठा, कुरमाली, नागपुरी और पँचपरगनिया आती हैं। दूसरी, वे भाषाएँ जो अभी तक केवल बोल-चाल और लोक साहित्य-रूपों की मौखिक प्रस्तुति के लिए व्यवहार की जाती हैं। इस कोटि के अंदर असुरी, भूमिज, बिरजिया, बिरहोरी आदि आती हैं। पहले प्रकार की मातृभाषाएँ आज अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। विगत चार दशक पहले इन भाषाओं की पढ़ाई एम.ए. स्तर पर शुरू कराई गयी थी जो अब तक जारी है। धीरे-धीरे इनको निचली कक्षाओं के पठन-पाठन में शामिल किया गया है। अब इनकी पढ़ाई आठवीं कक्षा से और संताली, मुंडारी और कुड़ुख को पाँचवी कक्षा तक के पाठ्यचर्या में जोड़ा गया है। शेष जनजातीय भाषाओं को अकादमिक स्तर पर मान्यता नहीं मिल पायी है। ऐसी भाषाओं का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। युनेस्को के अनुसार झारखंड की कई भाषाएँ अगले पचास वर्षों में विलुप्त हो जाएंगी। जिनमें असुर, बिरहोरी, बिरजिया, भूमिज और माल्तो को सबसे ज्यादा खतरे में माना गया है। वास्तव में ये भाषाएँ अपने अस्तित्व के संकट से गुजर रही हैं। इन भाषाओं को बचाने के लिए संबंधित भाषा-भाषी समुदाय के कुछ लोग वर्षों से प्रयास कर रहे हैं।

सदानी परिवार की चार भाषाएँ – खोरठा, कुरमाली, नागपुरी और पँचपरगनिया मुख्यतः झारखंड के पारंपरिक गैर जनजाति के साथ ही कई जनजाति समुदायों की मातृभाषाएँ हैं। मालूम हो कि झारखंड में संप्रति 32 जनजातियाँ सूचीबद्ध हैं, पर राज्य में प्रचलित जनजातीय भाषाएँ दस से कम हैं। जाहिर है, बाईस जनजातियों के अपनी जातिगत मातृभाषा नहीं है। वे संबंधित क्षेत्र की सदानी भाषा यानी खोरठा, कुरमाली, नागपुरी या पँचपरगनिया को ही मातृभाषा के रूप में व्यवहार करते आ रहे हैं। साथ ही अपनी जातिगत मातृभाषा वाले कई ऐसे जनजाति समुदाय के लोग विरल निवास क्षेत्रों में अपनी जातिगत मातृभाषा को विस्मृत कर सदियों से संबंधित क्षेत्र की सदानी भाषा को ही आपनी मातृभाषा बनाए हुए हैं। यानी आर्य भाषा कुल की उक्त चार भाषाएँ गैर जनजाति और जनजाति दोनों समुदाय की मातृभाषाएँ हैं। इसके अतिरिक्त ये अपने-अपने भाषिक क्षेत्र में दो भिन्न जनजाति भाषी और गैर जनजाति व जनजाति समुदायों के बीच की पारंपरिक संपर्क भाषा की भूमिका निभाती आ रही हैं। यद्यपि अकादमिक स्तर पर मिली मान्यता झारखंड की उक्त नौ मातृभाषाओं के अस्तित्व की रक्षा और संरक्षण-संवर्द्धन के लिए बड़ा संबल बनी है। लेकिन इन्हें बोली से परिनिष्ठित भाषा के मानक रूप में परिणत करने के प्रयास को व्यवस्थित ढंग से सही दिशा देने की आवश्यकता आज भी अपेक्षित है। इसके लिए सरकारी स्तर पर पहल और सहायता प्रतीक्षित है। मालूम हो कि झारखंडकी नौ मान्यता प्राप्त मातृभाषाओं को राज्य की विभिन्न स्तर की सेवाओं के लिए नियुक्ति परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में भाषा पत्र के रूप में शामिल किया गया है। इससे इन भाषाओं के प्रति विद्यार्थियों-परीक्षार्थियों का रुझान तो जरूर बढ़ा है लेकिन इनके मानक रूप के निर्धारण के अभाव में संबंधित प्रश्नपत्रों में व्याकारणिक अवधारणा को लेकर अक्सर विवाद खड़े होते हैं। इससे संबंधित आयोग को परेशानी के साथ अनेक परीक्षार्थियों को नुकसान भी होता है। झारखंड की इन भाषाओं में स्वाभाविक क्षेत्रगत भिन्नता है। व्याकरणिक तत्त्वों के संबंध में लेखकगत अवधारणा भेद से विद्यार्थी भ्रमित होते हैं। इस समस्या का समाधान अधिकृत संस्था से भाषाओं को मानकीकृत कराकर ही किया जा सकता है।

मातृभाषा किसी मनुष्य की प्राथमिक परिवेश की वह भाषा होती है, जिसे वह सामान्यतः अपनी माँ की गोद में और अपने सबसे निकटस्थ परिजनों से सीखता है। जो अपनी भावना और विचारों को अभिव्यक्त करने की उसकी पहली भाषा होती है। मातृभाषा को सीखने की क्रिया स्वाभाविक और अनौपचारिक होती है। पाँच वर्ष की उम्र तक बच्चा अपनी मातृभाषा में प्रवाह के साथ बोलना सीख जाता है। वही भाषा उसके लिए आगे दूसरी भाषा सीखने जानने के लिए पुल का काम करती है। अपनी मातृभाषा के साथ मनुष्य का जन्मजात और गहरा भावनात्मक जुड़ाव होता है। जो किसी जाति-धर्म से अधिक मजबूत होता है। बांगला देश का भाषा आंदोलन और मातृभाषा के लिए दी गई शहादत इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है। किसी जाति-समुदाय की मातृभाषा मात्र एक भाषा नहीं होती। बल्कि किसी मातृभाषा का वाचिक साहित्य संबंधित जाति-समुदाय की चित्तवृतियाँ, प्रकृति, प्रवृत्ति, जीवन के संघर्षों जानने का एक महत्वपूर्ण स्रोत होता है। जिसमें उसकी सभ्यता-संस्कृति का इतिहास और ज्ञान-परंपरा का बहुमूल्य कोष निहित होता है। समग्र मातृभाषा ही नहीं बल्कि उसका एक शब्द भी उसके भाषिक समुदाय के स्वभाव उसकी प्रवृत्ति, उसके जीवन-दर्शन को इंगित कर सकता है। उदाहरण के तौर पर झारखंड की सदानी भाषाओं में थकना शब्द का प्रयोग जिस अर्थ में होता है वह हिंदी से बिल्कुल भिन्न है। हिंदी में जहाँ थकना का मतलब श्रम जनित शिथिलता है वहीं सदानी भाषाओं में इसका अर्थ किसी का मरणासन्न होना है। इससे यह सिद्ध होता है कि झारखंड के पुरखे काम से थकना नहीं जानते थे, यानी काफी कर्मठ हुआ करते थे। इसी तरह इन भाषाओं में प्रचलित लोकोक्ति-मुहावरों से हम जान पाते हैं कि झारखंड का समाज कैसे मूल्यों पर आधारित है, यहाँ के मानवीय मूल्य किस प्रकार के हैं। वहीं इसके लोकगीतों और लोक कथाओं में पुरखों के जीवन-संघर्ष, जीवनोपयोगी ज्ञान, जीवन-दर्शन, कलात्मक अभिरुचि, निरीक्षण-क्षमता, सृजनशीलता, सौंदर्य-चेतना, संवेदनाएँ, मूल्यबोध आदि की अभिव्यंजना के विविध रूपों, भंगिमाओं और वैशिष्ट्य को समझा जा सकता है। वस्तुतः झारखंडी अस्मिता का आधार केवल यहाँ की अनूठी लोक संस्कृति नहीं, बल्कि झारखंड की मातृभाषाएँ भी हैं। लोक संस्कृति और लोकभाषा यानी, मातृभाषा का अटूट संबंध होता है। लोकभाषा में ही लोक संस्कृति मुखरित होती है। लोकभाषा के बिना लोक संस्कृति गूंगी है। कसी मातृभाषा का मरना उस समुदाय की सभ्यता संस्कृति के अलिखित इतिहास और पुरखों की जीवनोपयोगी बहुआयामी ज्ञान-परंपरा का मर जाना है। झारखंडी भाषाओं के संदर्भ में भी यही बात लागू होती है। इस प्रदेश में आधुनिक औपचारिक शिक्षा के प्रसार से पहले लोकशिक्षा की सुदीर्घ परंपरा रही है, जो लोक जीवन से जुड़ी हुई थी। गितिओड़ा, धुमकुरिया या अखरा जैसी पारंपरिक संस्थाएँ नई पीढ़ी को आचार-संस्कार, नीति-आदर्श, गीत-संगीत, कृषि, प्राकृतिक चिकित्सा, प्रकृति, मौसम विषयक ज्ञान देने का काम करती थीं। अब ये संस्थाएँ मरणासन्न हैं। मालूम हो कि झारखंड की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति, जिसे आज होड़ोपैथी का नाम दिया गया है, कई मामलों में काफी कारगर साबित हो रही है। कई ऐसे उदाहरण बताए जाते हैं, जिन असाध्य रोगों में आधुनिक मेडिकल साइंस नाकाम हुआ है वहाँ झारखंड के पारंपरिक चिकित्सक अपनी पारंपरिक होड़ोपैथी के जरिए सफल साबित हुए हैं। वैसे ही, मौसम संबंधी पूर्वानुमान का ज्ञान, जिस प्रकार घाघ-भड्डरी-खोना की कहावतों भनिताओं में मिलता है वैसा ही झारखंड की मातृभाषाओं में भी इस प्रकार की अनेक लोकानुभूत उक्तियाँ पायी जाती हैं, जिनके निहितार्थ आज भी सही ठहरते हैं। जाहिर है, झारखंड के लोकज्ञान की यह समृद्ध परंपरा लोकभाषा, यानी मातृभाषाओं में ही संचारित होती रही हैं। अगर हम झारखंड के लोक ज्ञान की परंपरा को महत्वपूर्ण मानते हैं, इसके संरक्षण को जरूरी समझते हैं तो झारखंड की मातृभाषाओं को बचाना निहायत जरूरी है। पहले ही बताया गया है कि झारखंड की मूल मातृभाषाएँ एक दर्जन से अधिक हैं, जिनमें से नौ को अकादमिक स्तर पर मान्यता प्रदान कर पठन-पाठन की व्यवस्था से जोड़ा गया है। जिससे इनके विकास के लिए तो एक रास्ता जरूर खुला है। साथ ही प्रतियोगिता परीक्षाओं में शामिल किये जाने से इनके लिए एक सकारात्मक और स्वीकारात्मक वातावरण बना है। अपनी मातृभाषाओं के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। लोग अब इन भाषाओं में शिक्षा लेने के लिए अधिक रुचि लेने लगे हैं। यह तो सुखद बात है। पर, शिक्षण संस्थानों और सरकार के संबंधित विभागों का रवैया अपेक्षानुरूप नहीं है। इन भाषाओं के लिए वही व्यवस्था दी जा रही है, जो हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, उर्दू आदि स्थापित और विकसित भाषाओं के लिए बनाई गई है। जबकि झारखंड की ये मातृभाषाएँ सदियों से अलिखित अवस्था में लोक व्यवहार में रही हैं। लिखित रूप से ये अभी शैशव और कुपोषित अवस्था में हैं, इनके विशेष पोषण-उपचार के उपायों के साथ संरक्षण की व्यवस्था की आवश्यकता है। यह व्यवस्था बहुआयामी और समावेशी नीति के साथ होनी चाहिए। इसके लिए सरकार को विशेष संवेदनशील और प्रतिबद्ध होने की जरूरत है। विदित है कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण के आधारों में यहाँ की पृथक और विशिष्ट भाषा-संस्कृति भी प्रमुख थीं। झारखंड राज्य के एजेंडे में राज्य की मातृभाषाओं का विकास को प्राथमिकता दी गई थी। लेकिन दुखद है कि राज्य निर्माण के चैबीस वर्षों के उपरांत अपनी भाषाओं के संरक्षण और विकास की ठोस व्यवस्था नहीं हो पायी है। बड़े हिल-हुज्जत के बाद 2011 में अन्य कई अन्य प्रदेश की भाषाओं के साथ नौ झारखंडी मातृभाषाओं को झारखंड की द्वितीय राज-भाषा का दर्जा तो दिया गया, पर यह सिर्फ सरकार के अभिलेख में सिमट कर रह गया है। इन्हें व्यावहारिक धरातल पर उतारा नहीं जा सका है। जरूरत थी एक भाषा अकादमी के गठन की और तत्संबंधी अपेक्षित व्यवस्था कर झारखंड मूल की की द्वितीय राज-भाषाओं के मानक और व्याकरणिक स्वरूप के निर्धारण, स्थिरीकरण के लिए ठोस कार्य कराने की। किसी लोक भाषा को सामान्य वाचिक और उसके लोक साहित्य व्यवहार से निकालकर जब शिक्षा और कार्यालयी व्यवहार में लाया जाता है तो उसके प्रयोजनमूलक रूप के विकास की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए पारंपरिक शब्दावली को मानकीकृत करने के साथ ही पर संबंधित भाषा की प्रकृति के अनुरूप नई शब्दावली बनाने की जरूरत है। जिसके व्यवस्थित शब्दकोश बनाकर प्रकाशित किया जाना जरूरी है। शब्दकोश बनवाने का काम कुछ जनजाति भाषाओं के लिए सरकारी स्तर या सहयोग से जरूर हुआ है, लेकिन राज्य की सदानी भाषाओं पर राज्य सरकार के स्तर से इस दिशा में कोई पहल नहीं हो पायी है। जिसकी अपेक्षा बनी हुई है। मालूम हो सरकार की संस्था जनजातीय कल्याण और शोध संस्थान द्वारा मान्यता प्राप्त सभी झारखंडी भाषाओं के लोक साहित्य को सहेजने के प्रयास के तौर पर एक महत्वपूर्ण 2010-11 में करवाया गया था। जिसके तहत इन झारखंडी भाषाओं के लोक साहित्य के विविध रूपों को संबंधित भाषा के ही भाषा कर्मियों से संकलित कराकार किताब रूप में प्रकाशित किया गया है। इससे पहले अविभाजित बिहार में 1990 में इन भाषाओं के शिष्ट साहित्य की कुछ किताबें भी छापी गई थीं, जिनका 2017-18 में पुनर्मुद्रण किया गया है। लेकिन इस बीच में झारखंडी भाषाओं में हुई नई उत्कृष्ट साहित्य-कृतियों को प्रकाशित करने की परंपरा को आगे जारी नहीं रखी गई। लोकभाषाओं की मूल ताकत लोक साहित्य होता है। जिसमें लोकभाषाओं का मूल स्वरूप संचित रहता है। खासकर लोकगीतों में। कालांतर में लोकभाषाएँ सत्ता, शिक्षा के माध्यम और बाजार द्वारा अपनाई स्थापित भाषाओं के प्रभाव में आकर अपने मूल स्वरूप को खोने लगती हैं। सामान्य बोल-चाल में लोकभाषा की शब्दावली के स्थान पर बाद में अधिस्थापित भाषाओं की शब्दावली हावी होने लगती है। यदि

सूडोकु नवताल- 7348

सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7347 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

विश्व मातृभाषा दिवसः भोजपुरी के संग संस्कृति के जीवंत रखे के संकल्प

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

हरेक साल 21 फरवरी के दिन विश्व मातृभाषा दिवस मनावल जाला, जेकर मकसद भाषा के विविधता के सम्मान कइल आ सभे के आपन मातृभाषा के संरक्षण आ संवर्धन के प्रति जागरूक बनावल ह। मातृभाषा खाली बोली ना ह, ई एक संस्कृति, एक पहचान, आ एक ऐतिहासिक धरोहर ह। अगर हमनी के अपनी मातृभाषा से दूर हो जाईं, त हमनी के अपना संस्कृति से भी कट जाईं। एह से जरूरी बा कि हमनी के भोजपुरी, बांग्ला, मैथिली, अवधी, मराठी, पंजाबी जइसन आपन-आपन भाषा के सम्मान दीं आ अगली पीढ़ी के भी एकरा से जोड़ल सिखाईं।

भोजपुरीः एगो समृद्ध भाषा, जेकर सम्मान जरूरी बा भोजपुरी भाषा खाली एगो बोली ना ह, बलुक ई हजारों हज़ार साल पुरान सभ्यता, संस्कृति, आ विरासत के प्रतिनिधित्व करेले। भारत ही ना, बलुक नेपाल, फिजी, मारीशस, सुरिनाम, त्रिनिदाद आ टूबैगो, गयाना, आ कई गो देशन में भोजपुरी बोलल जाला। लेकिन धीरे-धीरे हमनी के अंग्रेजी आ अन्य भाषा के प्रभाव में आ के भोजपुरी बोलल कम कर देनी जा, जेकर असर अब हमरा अगली पीढ़ी पर देखे के मिल रहल बा। अगर हमनी के भोजपुरी छोड़ देब, त हमनी के जड़ कमजोर हो जाई। भाषा ना बची, त संस्कृति भी धुंधला जाई। एह से ज़रूरी बा कि हमनी के आपन माई-बाबूजी, दादा-दादी, आ बच्चा लोग से भोजपुरी में बतियाईं।

अगर आज हमनी के अपना घरे-परिवार में, स्कूल-कॉलेज में, दोस्त-यारन से भोजपुरी में बात करब छोड़ देब, त धीरे-धीरे ई भाषा कमजोर हो जाई आ एक दिन लुप्त हो सकेला। कई गो भाषाएं अइसन रहली सँ जेकरा के लोगन भूल गइले आ ऊ भाषा इतिहास के पन्ना में गुम हो गइली। एह से जरूरी बा कि हमनी के भोजपुरी के रोजमर्रा के जीवन में बरते के आदत डालीं।

मातृभाषा के जिंदा रखे के मतलब संस्कृति के जिंदा राखल मातृभाषा खाली संवाद के माध्यम ना ह, बलुक ई हमनी के सोच, परंपरा, आ जीवनशैली के भी प्रतिबिंबित करेले। अगर हमनी के आपन भाषा के छोड़ देब, त धीरे-धीरे हमनी के आपन संस्कृति से भी कट जाईं। भोजपुरी में ना जाने कतना लोकगीत, कहावत, पारंपरिक गाथा, आ साहित्य बा, जेकरा से हमनी के अपना अतीत के समझ सकीले।

आजकल के डिजिटल ज़माना में हमनी के अंग्रेजी, हिंदी, भा आउर भाषन के महत्व जरूर बा, बाकि अगर हमनी के अपना घरे-परिवार में भोजपुरी बोलल शुरू कर दीं, त आपन संस्कृति के संरक्षित कर सकेनी। जब बच्चा लोग अपन मातृभाषा में सुने आ बोले, त ऊ ओही भाषा से जुड़ जाले, ओही संस्कृति से अपन अपनापन महसूस करे लागेले।

नयका पीढ़ी के मातृभाषा से जोड़े के जरूरत बा आज के दिन हमनी के प्रण लेवे के चाहीं कि अपना घर के बच्चा लोगन से भोजपुरी में बात करब, ताकि ऊ भी ई भाषा सिख सके। अगर हमनी के स्कूल-कॉलेज में, पारिवारिक माहौल में, आ दोस्तन के बीच भोजपुरी के महत्व ना बताइब, त धीरे-धीरे नयका पीढ़ी ई भाषा से दूर हो जाई। बच्चन से भोजपुरी में बात करीं, लोकगीत, कहानी, आ कविता भोजपुरी में सुनाईं आ सोशल मीडिया पर भोजपुरी में पोस्ट करीं। इतने ना , भोजपुरी भाषा आ साहित्य से नयका पीढ़ी के जोड़ल जाव।

भोजपुरी भाषा के जिंदा रखल हमनी सभे के जिम्मेदारी बा। अगर हमनी चाही कि आपन अगली पीढ़ी भोजपुरी में गर्व महसूस करे, त हमनी के भी भोजपुरी में गर्व से बात करे के पड़ी। मातृभाषा के सम्मान देब, त ओकरे साथे आपन संस्कृति भी सुरक्षित रही। एह विश्व मातृभाषा दिवस पर हमनी के प्रण ले कि भोजपुरी में बात करब, भोजपुरी के बढ़ावा देब, आ नई पीढ़ी के एह भाषा से जोड़ब, ताकि हमनी के संस्कृति के दीप हमेशा जरल रही।

"बोली-बानी से ना हटाई, भोजपुरी के सम्मान बढ़ाई!"

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे अपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगें और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें कि दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बातें शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगें।

मिथुन राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आज का आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। शाम का समय भाई बहनों के साथ हँसी-मज़ाक में बीतेगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगें। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें।

सिंह राशि : आज का दिन आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिये फायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की सम्भावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या राशिः आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यो को करते समय फोकस बनायें रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखुबी निभायेंगें।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता निकाल लेंगे। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी। पैसों से संबंधित चिंता दूर होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आपकी इच्छा शक्ति मजबूत बनी रहेगी। आज आपको अपने अन्दर इगो लेन से बचना होगा। जो बातें आपको बेहतर बनाती हैं, केवल उन पर ध्यान दें और सकारात्मक सोच रखें।

धनु राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करियर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको ख़ुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी, आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है, मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे। आज शाम को किसी मित्र की बर्थडे पार्टी में जायेंगे जहाँ आपके अन्य दोस्त भी होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रूका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुये धन लाभ से आज अपनी जरुरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज नकारात्मक विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज गुस्से को नियंत्रित करने की कोशिश करें। आज आपको काम की जगह नए अवसर मिलेंगे।

मेला महाकुंभ का

डॉ. प्रशांत करण

मेला अपने आप में एक जटिल विषय है। जटिल इसलिए कि समाज के कई प्रकार के लोगों का इससे जुड़ाव होता है, और साथ ही उनकी अपनी-अपनी अपेक्षाएँ। यही स्थिति सरकार के नाना प्रकार के विभागों की भी होती है—एक से बढ़कर एक अपेक्षाएँ और उनके कारण लगाव-जुड़ाव।

मेला धार्मिक हो तो धर्म और अधर्म दोनों से जुड़े लोग, उनकी संस्थाएँ भी अपना आयाम खोजने लगते हैं। सबकी चल निकलती है। चलते-चलते इतनी दूर पहुँच जाती है कि आम आदमी को दिखते नहीं, पास रहकर भी अपनी-अपनी समझ से परे। मेले में ठेला न हो, रेला न हो, झमेला न हो, तो मेले का मजा ही क्या? मेला तो शिव की साक्षात बारात बन जाती है। नाना प्रकार के व्यवसाय, व्यवसायी भी बरसात के कुकुरमुत्ते बन जाते हैं। अन्यान्य प्रकार के धंधों का समावेश, अनेक प्रजातियों के मानवों का समागम! सब के सब फलते-फूलते और फैलते हैं।

मेले की एक अपनी मनोवृत्ति, एक अपना संसार, साथ ही अलग-अलग उद्देश्य हुआ करते हैं। उस पर जब मेला कुंभ का हो, तो कहना ही क्या—सोने पर सुहागा! और फिर बात महाकुंभ मेले की हो, तो मेले के सभी अवयव, दर्शन, सुदर्शन, अर्थ, अनर्थ अपने चरमोत्कर्ष पर! क्या नहीं दिखता, क्या नहीं मिलता? जिसकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी! लुटने वाले भी प्रसन्न और लूटने वाले भी!

कुंभ भाव से चलता है। प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक—सभी के कुंभ, महाकुंभ के कालखंड की गणना अलग-अलग। अर्धकुंभ षटवर्षीय और पूर्णकुंभ द्वादश भाव रखते हैं। द्वादश-द्वादश भाव में महाकुंभ। हमारी सनातन ज्योतिषीय और खगोलीय ज्ञान का गुण-दर्शन एक धर्म विशेष और उनके संपोषक वामपंथियों को छोड़ पूरा विश्व मानता है, और अब यह स्पष्ट भाव से दिखता भी है। सनातन संस्कृति, उपासना के भिन्न-भिन्न मार्ग, योग-हठयोग के नाना प्रकार के पंथ, मठ, साधु-संन्यासी, नाना प्रकार की सिद्धियाँ—एक साथ एकत्रित! अद्भुत समागम का अनुपम दृश्य! आम तौर पर न दिखने वाले, संधारण शब्दों में समाज से अदृश्य हो साधनारत, एक से बड़े एक साधु-संत, सब कुंभ के कालखंड में एक साथ कल्पवास करते मिलते हैं। धार्मिक, आध्यात्मिक, योग, हठयोग के ज्ञान का असीमित आगर—कुंभ!

हमारी पीढ़ी ने कुंभ मेले में बिछड़ने की कई कथाएँ बचपन से पढ़ी। सबके मन में वह अंकित हो गईं। इसी परिप्रेक्ष्य और पृष्ठभूमि में रामलाल इस वर्ष तीर्थराज प्रयाग में चल रहे महाकुंभ मेले की प्रशंसनीय व्यवस्था से इतने दुखी निकले कि सीधे बुराई करते दिखे। कहने लगे—"कुंभ में बिछड़े बिरले ही मिलते हैं, लेकिन मेरी सगी और एकलौती पत्नी कुल बारह बार बिछड़ी और हर बार पुलिस ने उसे खोजकर मुझे ही सौंप दिया। हमारी वर्षों की सोच को गहरा धक्का लगा है। कम से कम बारहवीं बार तो खोजकर न सौंपते! सारे अरमान धरे के धरे रह गए। अब लौटकर रामकली को क्या कहूँगा, क्या मुँह दिखाऊँगा? अब तो सात जन्मों तक वह मेरी छाती पर मूँग दलेगी—साथ सात बार संगम तट पर डुबकी जो लगाई और मुझे भी लगवा दी है!"

मेरा भी सौभाग्य रहा कि अपनी सगी और एकलौती धर्मपत्नी के साथ तीर्थराज प्रयाग के ठीक संगम में कुल चौदह डुबकियाँ लगाईं। अपना तो सात क्या, चौदह जन्म का मामला बन गया! रामलाल तो बन नहीं सकता कि कोई रामकली का मामला हो! मेले में ऐसे कई व्यवसाय, धंधे देखे, जिनकी कल्पना कोई विलक्षण शक्तियों वाला मनुष्य भी जीते-जी सोच नहीं सकता। टीका लगाने से लेकर

स्वचलित द्विचक्र, चतुष्चक्र वाहनों के चालकों का अद्भुत मोल-भाव आकर्षित करता है।

जब से सुना कि सोशल मीडिया में स्वयं को टिंबर मर्चेंट कहने वाले असल में संगम में दातून बेचकर चालीस-पचास हजार रुपए इस महाकुंभ में कमा लिए, तब मन होता है कि एक अदद प्लास्टिक की कुर्सी पर ही अथवा कंधों पर बिठाकर किसी धनाढ्य श्रद्धालु को द्वार से घाट ले जाकर कुछ धन भी अर्जित कर लूँ—अथवा घाट-घाट का पानी ही पी लूँ! पर मेरे कुसंस्कारों ने ऐसा भी नहीं करने दिया। धर्मपत्नी भी नहीं बिछड़ीं!

वस्तुतः हम दोनों ने अपने आप को प्रवेश द्वार पर ही भीड़ को सौंप दिया। श्रद्धालुओं की भीड़ हमें अपने साथ बहाते हुए सीधे संगम घाट ले गई और स्नान उपरांत पुनः प्रवेश द्वार पर छोड़ गई। हम दोनों भीड़ की गोद में बैठकर सकुशल गए और लौटे। मानो गंगा-यमुना-सरस्वती माताओं ने भाँप लिया था कि यह कुकर्मी आ गया है, सो उठवाकर सीधे अपने गोद में ले लिया!

मेरे विगत एक सौ चौवालिस वर्षों के पाप एक झटके में धुल गए। अब नवल-धवल इस अधम शरीर के साथ अगले एक सौ चौवालिस वर्षों तक कलियुग के इस कालखंड में छूटकर, खुलकर पाप करने को स्वतंत्र हो गया हूँ! कलियुग में सतयुग की सोच, धर्म और आचरण का अनुगमन करना—सदाचार, सत्यनिष्ठा आदि—पाप ही तो है!

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❋; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❋समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ° यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

जब-जब बीपीएससी डरता है, नोटिस जारी करता है ; खान सर बोले- रीएग्जाम कराकर रहेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द कर दोबारा आयोजित करने की मांग पर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। इस बीच बीपीएससी ने 70वीं मुख्य परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर ने कहा कि जब-जब बीपीएससी डरता है, नोटिस जारी कर देता है। बीते तीन दिन में 3 नोटिस जारी कर दिए गए। परीक्षा का मुद्दा हाई कोर्ट में लंबित है, ऐसे में आयोग को हड़बड़ी क्यों है। उन्होंने दावा किया कि अदालत आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों के हक में फैसला सुनाएगी और बीपीएससी को रीएग्जाम करवाना ही पड़ेगा। खान सर ने बुधवार को एक चैनल से बातचीत में कहा कि जब हाई कोर्ट में मामला विचाराधीन है तो बीपीएससी को नोटिफिकेशन ही नहीं जारी करना चाहिए था। उन्होंने दावा किया कि आयोग का घमंड हाई कोर्ट जरूर तोड़ेगा। हमारी मांग जारी रहेगी। दूसरी ओर, बीपीएससी ने मंगलवार को नोटिस जारी कर आयोग की छवि धूमिल करने के आरोप में 13 अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें से एक पर आजीवन और 12 अभ्यर्थियों पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। बता दें कि 13 दिसंबर को हुई बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी बीते तीन महीने से आंदोलन कर रहे हैं। छात्रों को कोचिंग शिक्षकों का भी समर्थन मिला है। इनकी मांग है कि प्रारंभिक परीक्षा को पूरी तरह से रद्द कर इसे दोबारा नए सिरे से आयोजित किया जाए। हालांकि, बीपीएससी की ओर से इस परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया गया। साथ ही मंगलवार को नोटिफिकेशन जारी कर मेन्स परीक्षा की तारीख भी घोषित कर दी है। मुख्य परीक्षा 25 अप्रैल से होगी।

छड़ भेजने का झांसा देकर कारोबारी से साइबर फ्रॉड ने 16.53 रुपए लाख ठगे

पटना, एजेंसी। लोहे का छड़ भेजने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने कारोबारी नरेंद्र कुमार विद्यार्थी से 16 लाख 53 हजार 749 रुपए की ठगी कर ली। नरेंद्र रामकृष्णानगर में रहते हैं। उन्होंने साइबर थाने में केस दर्ज करा दिया। कारोबारी ने छड़ के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। इसके बाद कोटेशन भेजा। फिर कारोबारी ने ऑनलाइन रकम भी दे दी। शातिर ने कहा कि रकम मिल गई है। छड़ भेज दिया गया है। दो दिन में मिल जाएगा। तीन दिन बाद भी जब छड़ नहीं आया तो शक हुआ। इसके बाद उन्हें कहीं से बोकारो स्थित प्लांट के एक अधिकारी का नंबर मिला। नरेंद्र ने उन्हें कॉल करने के बाद उन्हें कागजात भेजा तो अधिकारी ने कहा कि ऐसा कोई कोटेशन मिला ही नहीं है। आपके साथ धोखा हुआ है। तब उन्हें पता चला और फिर केस दर्ज करा दिया। केस दर्ज होने के बाद साइबर थाने की पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है। इंद्रपुरी रोड नंबर जीरो के रहने वाली गायत्री कुमारी ने साइबर थाने में 75 हजार की ठगी का केस दर्ज करवाया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पिताजी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने कहा कि आपकी बेटी का ननदोई बोल रहा हूं। अस्पताल में एक करीबी का इलाज चल रहा है। इमरजेंसी आ गई है। मेरे मोबाइल से अस्पताल प्रबंधन को एक लाख रुपए ऑनलाइन नहीं जा रहा है। मैं आपके खाते में एक लाख भेज रहा हूं। साथ ही उन्हें अस्पताल का खाता नंबर भी दिया। आप अस्पताल के खाते में भेज दीजिए। इसके बाद पिताजी ने मुझसे कहकर खाता में कई बार में 75 हजार रुपए ट्रांसफर करवा दिया। जब पिताजी ने खाता की जांच की तो पता चला कि एक लाख आया ही नहीं था। फर्नीचर बेचने के नाम पर 1.33 लाख की चपत लगाई : सगुना मोड़ की रहने वाली सिंपल कुमारी सिन्हा से साइबर अपराधियों ने 1 लाख 33 हजार की ठगी कर ली। उनके एक परिचित के पास सीआरपीएफ जवान का कॉल आया। उसने कहा कि पटना से ट्रांसफर हो गया है। मेरे पास फर्नीचर है। उसे बेचना है। परिचित ने उस जवान से मेरी बात करवाई। सारी जानकारी लेने के बाद उनके दिए गए खाते में फर्नीचर और परिवहन के लिए 1 लाख 33 हजार रुपए भेज दिए।

बेतिया में दिखा वेब सीरीज 'पंचायत' जैसा नजारा

नाराज होकर चले गए संजय जायसवाल और सौरभ कुमार

बेतिया, एजेंसी। बुधवार को बेतिया नगर निगम की बैठक चर्चा का विषय बनी रही. इस बैठक ने वेब सीरीज %पंचायत% की याद दिला दी. जिस तरह से वेब सीरीज में मुखिया पति और वार्ड पार्षदों के पति काम करते थे, कुछ वैसा ही नजारा यहां देखने को मिला. इससे सांसद डॉ. संजय जायसवाल खासे नाराज हुए.

बेतिया नगर निगम बोर्ड की बैठक में हंगामा

नगर निगम बोर्ड की बैठक हंगामे के साथ शुरू हुई और हंगामे के साथ ही समाप्त हुई. नगर निगम की बोर्ड की बैठक में बेतिया सांसद डॉक्टर संजय जायसवाल और आरजेडी एमएलसी सौरभ कुमार, नगर निगम की मेयर गरिमा देवी शिकारिया समेत सभी पार्षद मौजूद रहे.

नाराज होकर बाहर निकले सांसद और एमएलसी

जैसे ही बैठक शुरू हुई हंगामा शुरू हो गया. नगर निगम की बोर्ड की बैठक में से नाराज होकर सांसद डॉ संजय जायसवाल और एमएलसी सौरभ कुमार बाहर निकल गए. सांसद और एमएलसी ने नगर निगम के आयुक्त और मेयर पर गंभीर आरोप लगाए हैं. बेतिया सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि यह बिहार का अद्भुत नगर निगम है. सांसद डॉ संजय जायसवाल का कहना है कि मैं इसके बारे में माननीय मंत्री को

मैं लिखूंगा. बेतिया नगर निगम देश का एकमात्र नगर निगम है, जहां सामान्य बोर्ड की बैठक में महिला वार्ड पार्षदों के बेटे और पति बैठते हैं. सीएम नीतीश कुमार का महिला सशक्तिकरण पूरी तरह से फेल हो गया है. नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है. महिला वार्ड पार्षद के बेटे पतियों को दर्शक दीर्घा में बैठाया जाता है. गुंडों को बैठाया जाता है.

आयुक्त पर संजय जायसवाल का आरोप

संजय जायसवाल ने कहा कि यह किस नियम से किया गया है, आयुक्त जवाब भी नहीं दे रहे हैं. आयुक्त प्रोसेडिंग भी नहीं दिखा रहे हैं. यहां महिला सशक्तिकरण फेल है. महिला आरक्षण नीति बेतिया नगर निगम में पूरी तरह से फेल है. मैंने 16 साल के संसदीय जीवन में ऐसा कभी नही देखा है.

'उड़ायी जा रही नियमों की धज्जियां'

वहीं बोर्ड की बैठक से गुस्से में निकले आरजेडी एमएलसी सौरभ कुमार ने बताया कि यह बिहार का पहला नगर निगम है, जहां मेयर को कार्यालय आने के लिए एसपी से सुरक्षा की मांग की जाती है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है. नगर निगम के आयुक्त और मेयर द्वारा नियमों का धज्जियां उड़ायी गयी है. एमएलसी सौरभ कुमार का कहना है कि आयुक्त भ्रष्टाचार में लिप्त है. जो महिला वार्ड पार्षद जीती हैं, उनके ही परिजनों को पास दिया गया है. यह बिहार का अजूबा नगर निगम है. मैं इसे विधानपरिषद में उठाऊंगा.

मेयर ने एसपी से की थी सुरक्षा की मांग

बता दें कि नगर निगम के बोर्ड की बैठक के लिए मेयर गरिमा देवी सिकारिया ने एसपी से सुरक्षा की मांग की थी. नगर निगम पुलिस छावनी में तब्दील रहा. बोर्ड की बैठक में काफ़ी हंगामा हुआ है. सांसद और एमएलसी नाराज होकर बाहर निकल गए.

जमीन माफिया धर्मेंद्र का घर खंगाला, एसआईटी गठित

पटना, एजेंसी। कंकड़बाग के रामलखन पथ में जमीन माफिया धर्मेंद्र कुमार उर्फ धर्मेंद्र यादव के घर पर बुधवार को कंकड़बाग, रामकृष्णानगर, पत्रकारनगर समेत कई थानों की पुलिस ने छापेमारी की। करीब दो घंटे तक पुलिस ने ऊपर से नीचे तक चप्पे-चप्पे को खंगाल डाला। पुलिस जब सबसे ऊपर निर्माणाधीन कमरे में पहुंची तो वहां से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया गया। पुलिस के पहुंचने के बाद दूसरे दिन भी स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

इधर, सिटी एसपी पूर्वी डॉ. के. रामदास ने इस मामले में फरार चले रहे धर्मेंद्र, रिशु कुमार, दयानंद कुमार के साथ करीब एक दर्जन बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए एसआईटी गठित कर दी है। यह एसआईटी सदर एएसपी वन के नेतृत्व में बनाई गई है, जिसमें कंकड़बाग, पत्रकारनगर, चित्रगुप्तनगर, रामकृष्णनगर और जक्कनपुर थानेदार के अलावा टेक्निकल सेल की टीम को रखा गया है। एसआईटी ने न्यू बाइपास इलाके के एक दर्जन मोहल्लों में छापेमारी की, पर किसी का सुराग नहीं मिला। पुलिस ने इनके परिजनों से भी पूछताछ की, पर कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

धर्मेंद्र, सूरज, टिंकू और दयानंद पर दर्ज हैं 15 केस

धर्मेंद्र कुमार जमीन माफिया है। उसने एक गिरोह खड़ा कर लिया है, जो रामकृष्णानगर, जक्कनपुर, कंकड़बाग समेत आसपास के इलाकों में जमीन पर कब्जा करता है। इसपर जक्कनपुर थाने में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत 10, जबकि एक केस रामकृष्णनगर थाने में दर्ज है। चार साल पहले जक्कनपुर थाने से वह जेल गया था। जक्कनपुर थाने के सभी केस में वह जमानत पर है। टिंकू पर रामकृष्णनगर थाने में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत दो केस, दयानंद पर इसी थाने में एक केस और सूरज पर जक्कनपुर थाने में दो केस दर्ज हैं।

सरेंडर करने वालों को भेजा गया जेल, अन्य के लिए छापेमारी जारी

इधर, कंकड़बाग पुलिस ने मंगलवार को धर्मेंद्र कुमार के घर पर सरेंडर करने वाले टिंकू उर्फ आशीष और सूरज उर्फ गुड्डू को जेल भेज दिया। ये दोनों रामकृष्णनगर के रहने वाले हैं। इन दोनों के अलावा अन्य के खिलाफ कंकड़बाग थाने में हत्या का प्रयास, सरकारी काम करने के दौरान पुलिस पर हमला करने, साधारण दंगा, घातक हथियार चलाने, आपराधिक धमकी देने, गैर कानूनी मजमा लगाने, जानबूझकर कर अपमान कर उकसाने और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि पुलिस फरार चल रहे हमलावारों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी में जुटी है।

विधानसभा और लोकसभा में प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर

पटना, एजेंसी। कुर्मी समाज क्रांतिकारी रहा है। जब भी देश के लिए जरूरत पड़ी, इस समाज के वीर बांकुरों ने अपनी कुर्बानी दी है। ये बातें बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर मिलर स्कूल मैदान में पटेल छात्रावास निर्माण ट्रस्ट द्वारा आयोजित कुर्मी एकता रैली को संबोधित करते हुए अमनौर के विधायक कृष्ण कुमार मंटू ने कहीं। उन्होंने कहा कि रैली का उद्देश्य कुर्मी उपजातियों में बढ़ रही दूरी को पाट कर समाज का प्रतिनिधित्व विधानसभा और लोकसभा में बढ़ाना है। कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले में पटेल छात्रावास बनाने का काम हो रहा है। कुर्मी समाज को अपने बच्चों को पढ़ाने पर जोर देना होगा। साथ ही समाज में शिक्षा की भूख जगानी होगी। शिक्षा के माध्यम से ही आपका ताज और राज दोनों बचे रहेंगे। साथ ही मजबूत समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। कुर्मी समाज के 30 संगठनों ने मिलकर कुर्मी एकता रैली का आयोजन किया था। उद्घाटन डॉ. एसएन आर्या ने किया। अध्यक्षता बसंत बाबू ने की। डॉ. राजीव रंजन, डॉ. अमरेश, प्रो जितेंद्र, सुनील, छोटे मुखिया, रजनीश कुमार, वरुण कुमार, प्रिंस पटेल, गोलू पटेल, विकास कुमार, प्रेम कुमार विद्यार्थी ने भी विचार रखे।

सदन में हमारा प्रतिनिधित्व कम हो रहा है, यह चिंता का विषय

मंटू पटेल ने कहा कि कुर्मी का मतलब एकता है। आज सदन में हमारा प्रतिनिधित्व कम हो रहा है, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे नेता हैं। वह एक व्यक्ति नहीं, विचारधारा हैं। उन्होंने अमर शहीद रामफल मंडल को शहीद का दर्जा देने, पटना के गंगा पथ स्थित दीघा गोलंबर पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना करने, पटना-गया-डोभी पथ का नामकरण छत्रपति शिवाजी महाराज पथ करने, प्रत्येक जिला मुख्यालय में पटेल छात्रावास के निर्माण, वीरचंद पटेल पथ में वीरचंद पटेल की मूर्ति की स्थापना, फणीश्वर नाथ रेणु को भारतर7 देने, निर्माणाधीन सीतामढ़ी मेडिकल कॉलेज का नाम अमर शहीद रामफल मंडल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल करने की मांग की। कहा-इसके लिए हम सब लड़ाई लड़ेंगे।

सुधाकर ने कहा-डबल इंजन सरकार बिहारियों को ठग रही

पटना, एजेंसी। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि केंद्र और बिहार की डबल इंजन सरकार बिहारियों को ठग रही है। केंद्रीय बजट इसका गवाह है। बजट में ऐसा इंतजाम नहीं हुआ, जिससे बिहार की बुनियादी जरूरतें पूरी हों। इसके बावजूद एनडीए के नेता बजट की खासी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा-विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज, बिहार की सबसे बड़ी दरकार है, लेकिन नहीं मिला। बाढ़ से बचाव का उपाय कोसी हाईडैम फिर हवा में रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम है। रोजगार की बड़ी समस्या है। बजट में नौकरी के लिए कोई घोषणा नहीं हुई।

खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री से पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा देने का आग्रह किया था। इसे नहीं माना गया। बड़ी संख्या में यहां के लोग बाहर जाते हैं, लेकिन एक भी नई ट्रेन नहीं मिली। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार का प्रति व्यक्ति खर्च सबसे कम है। पीएमसीएच और आईजीआईएमएस के अलावा कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। पटना एम्स में डॉक्टर की कमी है। बजट में इसमें सुधार के अलावा दरभंगा एम्स के बारे में कोई चर्चा नहीं है। किसान तबाह हैं। एमएसपी का लाभ 97प्रतिशत किसानों को नहीं मिल रहा। मखाना की खेती में 1प्रतिशत से भी कम किसान शामिल हैं। मखाना रिसर्च सेंटर, जो मखाना बोर्ड से भी बड़ा संगठन था, उसे केंद्र ने बंदी के कगार पर पहुंचा दिया। छोटे और मंझले उद्यमियों को 20 लाख से ज्यादा का लोन देने का प्रावधान नहीं है। बड़े उद्योग की घोषणा नहीं हुई। सस्ती बिजली का उपाय नहीं हुआ। गंगा सफाई, नदियों से गाद हटाने आदि की भी व्यवस्था नहीं हुई।

आईजीआईएमएस के अलावा कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। पटना एम्स में डॉक्टर की कमी है। बजट में इसमें सुधार के अलावा दरभंगा एम्स के बारे में कोई चर्चा नहीं है। किसान तबाह हैं। एमएसपी का लाभ 97प्रतिशत किसानों को नहीं मिल रहा।

मखाना की खेती में 1प्रतिशत से भी कम किसान शामिल हैं। मखाना रिसर्च सेंटर, जो मखाना बोर्ड से भी बड़ा संगठन था, उसे केंद्र ने बंदी के कगार पर पहुंचा दिया। छोटे और मंझले उद्यमियों को 20 लाख से ज्यादा का लोन देने का प्रावधान नहीं है। बड़े उद्योग की घोषणा नहीं हुई। सस्ती बिजली का उपाय नहीं हुआ। गंगा सफाई, नदियों से गाद हटाने आदि की भी व्यवस्था नहीं हुई।

नीतीश के एमएलसी के बेटे ने किया पीएमएलए कोर्ट में सरेंडर

अवैध बालू उत्खनन मामले में हैं आरोपी

पटना, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद जेडीयू के विधान पार्षद राधाचरण साह के बेटे कन्हैया कुमार ने पीएमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है. सरेंडर करने के बाद उन्हें बेऊर जेल भेज दिया गया है. वह अवैध बालू उत्खनन मामले में आरोपी हैं और उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई चल रही है.

बेल खारिज होने के बाद करना पड़ा सरेंडर: कन्हैया कुमार को पटना उच्च न्यायालय से जमानत मिली थी लेकिन जमानत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. सर्वोच्च अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले को पलटते हुए कन्हैया कुमार की जमानत को रद्द कर दिया. उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद कन्हैया ने सरेंडर कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए की धारा 45 का हवाला देते हुए कन्हैया को 7 दिनों के अंदर सरेंडर करने को कहा था.

पहले भी हुई थी गिरफ्तारी

प्रवर्तन निदेशालय ने 18 सितंबर 2024 को अवैध बालू उत्खनन और मनी लांड्रिंग के मामले में कन्हैया कुमार को गिरफ्तार किया था. कन्हैया कुमार ने मनाली में स्कूल और रिसॉर्ट में पैसे इन्वेस्ट किए थे. आरोप है कि हवाला के जरिए 17 करोड़ 26 लाख से अधिक कार्यक्रम भेजा गया था. छापेमारी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय को कई तरह के कागजात मिले थे.

जमानत पर हैं राधाचरण साह

मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने जनता दल यूनाइटेड के विधान पार्षद राधाचरण साह उर्फ राधाचरण सेठ को भी सितंबर 2023 में गिरफ्तार किया था लेकिन जुलाई 2024 में उनको पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी. फिलहाल वह जेल से बाहर हैं.

भागलपुर में रास्ता भटक गए विदेशी पर्यटक, जाना था खगड़िया लेकिन पहुंच गए नारायणपुर

ग्रामीणों ने ली सेल्फी

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिला के भवानीपुर थाना क्षेत्र के बलहा गांव में ग्रामीणों के बीच एक वाहन का नंबर प्लेट चर्चा का विषय बन गया. 14 नंबर सड़क पर बुधवार को एक विदेशी गाड़ी नजर आई जिसमें बैठे लोग भी विदेशी थे. कुछ लोगों ने देखा गाड़ी का नंबर ना तो भारत के किसी राज्य का है और ना ही नेपाल का है. पूछताछ करने पर पता चला कि गूगल मैप के कारण विदेशी पर्यटक रास्ता भटक गए हैं.

कहां जा रहे थे विदेशी पर्यटक

बताया जा रहा है कि पर्यटक गूगल मैप की मदद से एनएच-31 होते हुए खगड़िया की ओर जा रहे थे. वहीं रास्ता भटकने के कारण वो भवानीपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर

पहुंच गए. वहीं जब लोगों ने उन्हें रोका तो उनकी भाषा उन्हें समझ नहीं आ रही थी. हालांकि विदेशी पर्यटक ने ग्रामीणों से इशारों में बात की, जिसके बाद उन्हें सही रास्ता बताया गया.

विदेशी पर्यटकों के साथ ग्रामीणों ने ली सेल्फी

बता दें कि दोनों विदेशी पर्यटकों के पास कोई भारतीय गाइड भी नहीं था, जिसकी वजह से उनको काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. वहीं बलहा के ग्रामीण रंजीत कुमार ने बताया कि दो विदेशी पर्यटक अपनी विदेशी गाड़ी को ड्राइव करके भटकते हुए उनके गांव पहुंच गए थे.

दोनों पर्यटक लोगों से मिलकर काफी खुश थे. ग्रामीणों ने भी उनके साथ कई सेल्फी क्लिक की और फिर उन्हें सही मार्ग बताते हुए रवाना कर दिया. ग्रामीण रंजीत कुमार ने कहा कि दो पर्यटक रास्ता भटक कर यहां आ गए थे. बातचीत करने पर कोई किसी की भाषा नहीं समझ पा रहे थे लेकिन इतना जरूर पता चला कि वे लोग जर्मनी से सड़क मार्ग के रास्ते भारत भ्रमण पर निकले हैं. इशारों में उनको सही मार्ग दिखाया और वह दोनों पर्यटक काफी खुश नजर आए. हम ग्रामीणों से हाथ मिलाकर उन्होंने अभिवादन भी किया.

गूगल मैप्स ने दिया धोखा

कपल पर्यटक अबतक 25 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर चुके थे. स्थानीय लोगों ने विदेशी पर्यटकों से इशारों में बात की, जिसके बाद पता चला कि दोनों विदेशी पर्यटक गूगल मैप्स की मदद से सफर कर रहे थे. उन्हें एनएच 31 होते हुए खगड़िया के रास्ते पटना जाना था लेकिन वह रास्ता भटक गए और वो नारायणपुर प्रखंड के अंतर्गत बलहा गांव पहुंच गए.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

ज्वेलरी शॉप पर चोरी का प्रयास, जंगला काटकर घुसे चोर, पड़ोसी के शोर मचाने पर भागे

कानपुर एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर के रूमा स्थित मां गौरी ज्वेलर्स पर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी का प्रयास किया गया है। वारदात को अंजाम देने के लिए चोर पड़ोसी की सीढ़ियों से चढ़े थे। इसके बाद जंगला काटकर छत से अंदर घुसे थे। इस दौरान तोड़फोड़ की आवाज सुनकर पड़ोसी धर्मवीर कुशवाहा जाग गए।

उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे अन्य पड़ोसी भी जाग गए। इससे चोर घबराकर भाग निकले। इसके बाद लोगों ने ज्वेलर्स शॉप के मालिक को सूचना दी। वहीं, चोरों के भागने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने एक संदिग्ध कार पकड़ी है। साथ ही,कुछ लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं, सीसीटीवी फुटेज भी देखे जा रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने भी घटना की जानकारी ली है। साथ ही, पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई के लिए कहा है।

हाईवे पर दो गुटों में मारपीट, जमकर चले लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर

कानपुर एजेंसी। कानपुर में बीच रोड पर दर्जनों लोगो के बीच जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलें। यही नहीं, एक-दूसरे पर कुर्सियां भी फेंकी। घटना सचेंडी थाना क्षेत्र में चकरपुर मंडी के सामने नेशनल हाईवे पर हुई है। यहां बुधवार देर रात शिवा होटल के सामने दो गुटों में जमकर मारपीट हुई।

इसमें दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर भी चले और कुर्सियां भी फेंकी गईं। मारपीट में कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस के आते ही सभी अपनी-अपनी कारों से भाग निकले। मौके से पुलिस ने एक स्कूटी बरामद की है और जांच में जुट गई है।

दिनदहाड़े दो पक्षों में खूनी संघर्ष, जमकर चले लाठी-डंडे, महिला का सिर फटा

कानपुर एजेंसी। कानपुर के चौबेपुर क्षेत्र के घिन्नीपुरवा गांव में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इसमें दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। घटना में एक महिला का सिर फट गया, जबकि कई लोग घायल हो गए। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, बवाल की वजह से बेला रोड जाम हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारी लोगों से बातचीत कर समझा रहे हैं। फिलहाल, घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। जांच-पड़ताल की जा रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय में यूपी बोर्ड का कंट्रोल रूम शुरू, नौ स्क्रीनों से 868 केंद्रों की निगरानी

बरेली यूपी बोर्ड की परीक्षा 24 फरवरी से शुरू हो जाएगी। इसके लिए परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्र भेजने का क्रम बुधवार से शुरू हो गया है। इसी के साथ ही बरेली में यूपी बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में बनाया गया कंट्रोल रूम सक्रिय हो गया है। निगरानी के लिए कंट्रोल में नौ कंप्यूटर लगाए गए हैं। इन कंप्यूटरों से 24 घंटे बरेली और मुरादाबाद के 868 केंद्रों की निगरानी शुरू हो गई है। इस दौरान खासकर केंद्र के स्ट्रांग रूम पर विशेष निगरानी रहेगी। 24 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक हाईस्कूल हिंदी और दूसरी पाली में दो से 5:15 बजे हेल्थ केयर की परीक्षा होगी। इंटरमीडिएट सैन्य विज्ञान की पहली और सामान्य हिंदी की परीक्षा दूसरी पाली में होगी। परीक्षा से आधा घंटे पहले बच्चों को केंद्रों पर पहुंचना होगा, जबकि कक्ष निरीक्षकों को एक घंटे पहले पहुंचना होगा। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए बोर्ड के अधिकारी डटे हैं। सभी केंद्रों पर कापियां पहले से पहुंचाई जा चुकी है। कड़ी सुरक्षा के बीच प्रश्न पहुंचाने का क्रम बुधवार से शुरू हो गया है। केंद्रों के स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी की निगरानी में इसे रखा जाएगा। पेपर लीक न हो, इसके लिए कई स्तर पर सुरक्षा चक्र बनाया गया है।

आगरा के 49 ब्लैक स्पॉट...13 महीने में 139 ने गंवाई जान

कागजों में सिमट कर रह गए सड़क सुरक्षा के इंतजाम

आगरा एजेंसी। नेशनल हाईवे से एक्सप्रेस-वे पर हादसों में लोगों की जान जा रही है। इसके बावजूद सुरक्षा के इंतजाम कागजों पर ही नजर आ रहे हैं। हर माह अधिकारियों की बैठकें भी खानापूर्ति ही साबित हो रही हैं। न रोड इंजीनियरिंग में बदलाव हो रहा है न ही वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग पा रहा है। यही वजह है कि हादसों का ग्राफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे सिकंदरा, हरीपर्वत, न्यू आगरा, एत्माद्दौला, ट्रांस यमुना और एत्मादपुर थाना क्षेत्र की सीमा में आता है। वहीं यमुना एक्सप्रेस-वे खंदौली, एत्मादपुर और लखनऊ एक्सप्रेस-वे एत्मादपुर, डौकी और फतेहाबाद थाना क्षेत्र में आता है। इनमें पिछले 13 महीने के इन थानों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 300 से अधिक हादसे हुए। इनमें 139 लोगों की मौत हो गई, जबकि 177 लोग घायल हो गए। हादसे में बड़े वाहनों से टक्कर से जान अधिक लोगों की गई। हाल ही में ट्रांस यमुना क्षेत्र में हाईवे पर हादसा हुआ था। परीक्षा देने जा रहे बेटे और पिता की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई थी। दो दिन पहले कालिंदी विहार में पिता-पुत्र को ट्रक ने कुचल दिया था। दोनों की जान चली गई थी। इससे पहले भी हादसों में जान जा चुकी हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, कमिश्नरेट में 49 ब्लैक स्पॉट चिह्नित हैं, जिन पर अक्सर हादसे होते रहते हैं। इनमें 29 अकेले नेशनल हाईवे पर ही हैं। इसके अलावा 10 राज्य हाईवे, 2 एक्सप्रेस वे और जिले के 9 अलग-अलग मार्ग हैं। इन ब्लैक स्पॉट पर हर बार सुरक्षा से लेकर रोड इंजीनियरिंग की खामियों को दूर करने को लेकर बैठकों में निर्देश दिए जाते हैं। वाहनों की रफ्तार से लेकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के लिए कहा जाता है। मगर, इन निर्देशों को पालन नहीं होता है, जिससे हादसों का सिलसिला जारी है।

भारी वाहनों की आवाजाही से बढ़ी दुर्घटनाएं

अधिवक्ता केसी जैन ने बताया कि एनएच-19 पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण जाम, प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है। इस समस्या का समाधान करने और गैर-आगरा गंतव्य वाले वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश से रोकने के लिए कई उपायों की योजना बनाई गई थी। 12.67 किलोमीटर उत्तरी बाईपास, रिंग रोड को शीघ्र पूरा कर यातायात को शहर से बाहर भेजा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली को लेकर दिए आदेश की तर्ज पर गैर आगरा गंतव्य वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। प्रशासन सख्त प्रवर्तन और निगरानी सुनिश्चित करे, जिससे शहर सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त हो सके।

यूपी का ऐसा शहर...जहां अनुसूचित जातियों पर हुआ सबसे अधिक अत्याचार, सामने आई रिपोर्ट

आगरा , एजेंसी। अनुसूचित जाति व जनजातियों के प्रति होने वाली छूआछूत और अस्पृश्यता की भावना को खत्म करने के लिए सख्त कानून है। फिर भी अपराध कम नहीं हो रहे। मंडल में सुहाग नगरी में वर्ष 2024-25 में अनुसूचित जाति पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए। ये हम नहीं, आर्थिक सहायता देने वाली समाज कल्याण विभाग के आंकड़े कह रहे हैं।

अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को अत्याचार से पीड़ित होने पर एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। नोडल विभाग समाज कल्याण की ओर से मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह को भेजी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 में आगरा मंडल में 589 मामलों में 711 व्यक्तियों पर अलग-अलग तरह से अत्याचार हुए। घटनाओं की प्रकृति के आधार पर 7.44 करोड़ रुपये की सहायता राशि आवंटित की गई। 31 जनवरी 2025 में 711 पीड़ितों में 606 पीड़ितों को आर्थिक मदद मिली। सबसे ज्यादा 221 मामले फिरोजाबाद में सामने आए। जिनमें 259 एससी, एसटी जाति व्यक्ति पीड़ित थे। इनके लिए 2.35 करोड़ रुपये आवंटित हुए। 259 में 154 पीड़ितों को 2.07 करोड़ रुपये मिले। जबकि 85 मामलों में 106 पीड़ित ऐसे हैं जिन्हें 1.12 करोड़ रुपये मिलना शेष है। फिरोजाबाद को छोड़कर मंडल में बाकी जिले आगरा, मथुरा और मैनपुरी में कोई प्रकरण शेष नहीं। आगरा में 99 मामलों में 168 व्यक्ति, मथुरा में 115 मामलों में 164 पीड़ित और मैनपुरी में 85 मामलों में 120 एससी,एसटी व्यक्ति पीड़ित हुए थे।

85 हजार से 8.25 लाख तक मदद का प्रावधान

अनुसूचित जाति व जनजाति के अत्याचार पीड़ित व्यक्तियों को 85 हजार रुपये से लेकर 8.25 लाख रुपये तक आर्थिक सहायता का प्रावधान है। यह सहायता राशि अलग-अलग तरह की घटनाओं व प्रकृति के आधार पर दी जाती है। जिसका मकसद एससी एसटी वर्ग के प्रति हीन भावना को खत्म करना है। आर्थिक सहायता के लिए एफआईआर, मेडिकल, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता आदि विवरण की जरूरत पड़ती है।

5 गुना बढ़ा गठिया रोग, 01 और 15 मार्च को कानपुर के सत्या में कैंप लगाएंगे लखनऊ के डॉ.ए जी पटेल

सुनील बाजपेई

कानपुर। अपंग होने की हद तक घुटनों और जोड़ों में दर्द यानी गठिया आदि की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। यह बीते 10 सालों में पांच गुना बड़ी है ,जिसको लेकर चिकित्सक समुदाय भी बहुत चिंतित है। लगातार बढ़ती जा रही गठिया की समस्या से निजात दिलाने के इरादे से ही आगामी 01और 15 मार्च 2025 यानी ओपीडी महीने के पहले एवं तीसरे शनिवार को जाने माने अस्थि रोग विशेषज्ञ सुविख्यात डॉक्टर ए के अग्रवाल की अगुवाई में यहां के बर्रा 6 स्थित सत्या हॉस्पिटल में शाम 04 से 06 बजे तक लखनऊ के गठिया रोग विशेषज्ञ टीम डॉक्टर डॉ ए जी पटेल द्वारा लगाए जाने वाले कैंप में आने वाले मरीजों को जोड़ों, मांसपेशियों में दर्द, सूजन एवं जकड़न से भी निजात दिलाई जाएगी। इसके लिए आयुष्मान भारत समेत सभी कैशलेस कार्ड भी मान्य होंगे।

लगभग 5000 से ज्यादा घुटना, गठिया के मरीजों को ऑपरेशन के बगैर दवाओं, इंजेक्शन के बल पर अपने सत्या हॉस्पिटल बर्रा में ठीक कर चुके देश के जाने-माने अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ए के अग्रवाल ने दावा किया कि चिकित्सा जगत ने जिस तरह की प्रगति की है उसके तहत बगैर ऑपरेशन के भी घुटनों और गठिया आदि की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

अपनी सफल चिकित्सा पद्धति से लोगों को रिकॉर्ड तोड़ संख्या में घुटनों की समस्या से निजात दिला चुके इस विधा के सर्वाधिक सफल चिकित्सकों में से एक ख्याति प्राप्त डॉक्टर ए के अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सा अबतक विकसित पद्धतियों और दवाएं के प्रयोग से भी बगैर ऑपरेशन के ही घुटनों की समस्या से निजात दिलाई जा सकती है।

घुटना प्रत्यारोपण में सफलता की अनेक नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले सुप्रसिद्ध डॉक्टर ए के अग्रवाल ने यह भी बताया कि बहुत सारे गठिया के रोगी ऐसे भी होते हैं ,जिनको कि घुटना प्रत्यारोपण की आवश्यकता नहीं होती है। उनको दवाओं से ठीक किया जा सकता है। साथ ही एक विशेष प्रकार के इंजेक्शन और कुछ अन्य विधियों से भी घुटनों की गठिया से काफी लंबे समय तक निजात पाया जा सकता है।

आधुनिक सफल चिकित्सा पद्धतियों की विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए और अब तक हजारों लोगों को अपंग होने से बचाते हुए उन्हें सामान्य दिनचर्या का हिस्सा बनाने में सफल हो चुके प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एके अग्रवाल ने यह भी दावा किया कि प्रत्यारोपण के पहले अन्य छोटे ऑपरेशन से भी घुटने की गठिया को परमानेंटली ठीक किया जा सकता है।

अब तक सैंकड़ों लोगों को अपंगता का शिकार होने से बचाते हुए उन्हें नया जीवन देने का भी रिकॉर्ड तोड़ने चुके प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ए के अग्रवाल इसके पहले नामी चिकित्सकों की टीम में शामिल होकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, मोरार जी देसाई और जेके घराने के उद्योगपति विजय पत सिंघानिया समेत अनेक महत्वपूर्ण लोगों को भी सफल जोड़ प्रत्यारोपण का लाभ पहुंचा चुके हैं।

जौनपुर में बड़ा हादसा... हाईवे पर आपस में भिड़े कई वाहन, नौ श्रद्धालुओं की मौत; 32 घायल

जौनपुर एजेंसी। वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग 731 के सरोखनपुर अंडर पास पर भीषण हादसा हुआ। दो वाहनों की भिड़ंत में टाटा सूमो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी घटना के समय एक बस ट्रेलर से भिड़ गई। इस हादसे में बस में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए है। सभी घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद एक और श्रद्धालु की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। ऐसे में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है। बस में सवार सभी लोग दिल्ली के बताए जा रहे हैं, जो चित्रकूट से प्रयागराज होकर वाराणसी दर्शन के बाद अयोध्या जा रहे थे। वहीं सूमो सवार सभी झारखंड के हैं, जो वाराणसी से अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे।

हादसे के बाद मची चीख-पुकार

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना उस वक्त हुई जब बस में सवार दर्शनार्थी सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ बस ट्रेलर से भिड़ी तो दर्शनार्थी हैरान रह गए। सोने के कारण कई लोग अचानक झटके से चोटिल हुए। वहीं आगे बैठे दर्शनार्थी बुरी तरह घायल हो गए। वहीं सूमो में सवार दर्शनार्थी भी आधी नींद में ही थे। घटना के बाद आनन- फानन सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा है।

घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे मय फोर्स व तहसीलदार राकेश कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने सभी घायलों को उपचार हेतु सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सभी आठ शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पहली घटना में झारखंड से 11 दर्शनार्थियों को लेकर निकली सूमो जे एच 02 ए एक्स 1652 काशी विश्वनाथ दर्शन के बाद राम लला का दर्शन करने अयोध्या जा रही थी। रात लगभग डेढ़ बजे के करीब सरोखनपुर गांव स्थित अंडर पास पुल से 200 मीटर आगे बढ़ी थी, कि किसी अज्ञात बड़े वाहन ने बगल से टक्कर मार दी।

हादसे में सूमो में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन महिला, एक पुरुष व एक लगभग 5 वर्षीय बच्चा था। 60 वर्षीया कांति देवी, 20 वर्षीय नितेश निवासी कटसारा शूल झारखंड व चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस राहत कार्य में जुटकर घायलों को अस्पताल भिजवाया।

मौलाना शहाबुद्दीन बोले- कश्मीर भारत का अभिन्न अंग, अपनी हरकतों से बाज आए पाकिस्तान

बरेली एजेंसी। पाकिस्तान की संसद में कश्मीर मुद्दे पर पास किए गए प्रस्ताव पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। मौलाना ने कहा कि कश्मीर भारत का अंग है। जो कश्मीर पाकिस्तान के कब्जे में है, वो भी भारत का हिस्सा है। कश्मीर कल भी भारत का था और आज भी भारत का है, और भविष्य में भी भारत का हिस्सा रहेगा। पाकिस्तान की हसरत कभी भी पूरी नहीं हो सकती है। मौलाना ने कहा कि पाकिस्तान की संसद में कश्मीर मुद्दे पर जो प्रस्ताव पास किया गया है उसकी भारत का मुसलमान घोर निंदा करता है। पाकिस्तान अपने देश में ही बहुत सारे गंभीर मुद्दों से जूझ रहा है। पाकिस्तान में अराजकता फैली हुई है। वहां महंगाई चर्म सीमा पर है। बलूचिस्तान में फौज निहत्थे लोगों पर गोलियां चला रहीं हैं। इन तमाम हालात के बावजूद पाकिस्तान भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है। उसको इन हरकतों से बाज आना होगा।

भुजिया नमकीन समझकर मासूम ने निगल लिया कीटनाशक, कड़वा लगने पर घरवालों को बताया

सोनभद्र एजेंसी। सोनभद्र जिले के पन्नूगंज थाना क्षेत्र में पांच वर्षीय मासूम ने भुजिया नमकीन समझकर कीटनाशक निगल लिया। उसकी हालत खराब होने पर परिजन उसे लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पन्नूगंज थाना क्षेत्र के बेलगाई निवासी अंश (05) पुत्र संतोष सुबह घर में ही खेल रहा था। खेलते-खेलते उसके हाथ में कीटनाशक लग गया। इसे चने की फसल में छिड़काव के लिए घर में रखा गया था। कीटनाशक को भुजिया नमकीन समझकर अंश ने तुरंत उठाकर मुंह में डाल लिया। कड़वा लगने पर परिजनों को बताया। कुछ देर बाद मासूम की हालत खराब हो गई। उसे अचेत होते देख परिजन आनन-फानन भागकर पीएचसी चतरा पहुंचे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के चलते उसे चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

युवक की गला काट कर हत्या, सिंदूर-फूल और...लाश के पास बिखरा मिला सामान

मैनपुरी, एजेंसी। मैनपुरी के बेवर थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव में नहर पटरी के पास बुधवार दोपहर को एक युवक का शव मिला। युवक के गले पर कटे का निशान था। मृतक के परिजन ने इलाके के ही जुड़ैला गांव के एक तांत्रिक और उसके साथियों पर नरबलि के लिए हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस को घटनास्थल पर शराब व पानी की बोतल के साथ पूजा का सामान मिला है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तांत्रिक की तलाश शुरू कर दी है।

परम गांव के किसान भारत सिंह के परिवार में पांच बेटों में सबसे छोटा 32 वर्षीय अमित कुमार उर्फ हीरालाल मंगलवार को अपने गांव के मनोज यादव और उनकी बेटी के साथ उनकी भैंस को बिकवाने के लिए भोगांव के रुई पशु मेले में गया था। मनोज की भैंस 70 हजार रुपये में बिकी। अमित कुमार के भाई ध्रुव ने बताया कि मनोज रुपये मिलने के बाद अपनी बेटी के साथ गांव वापस आ गया। भाई अमित देर रात तक नहीं लौटा।

परिजनों को किसी ने पास के ही गांव जुड़ैला में उसके होने की खबर दी। रात 8.30 बजे जुड़ैला के मुन्नालाल, जो कि तांत्रिक है, उसके पास फोन किया तो उसने बताया कि अमित उसके पास है। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। बुधवार दोपहर कमालपुर गांव में नहर की पटरी पर भाई अमित का शव मिला। गले पर कट का निशान था। पास ही उसका मोबाइल फोन मिला। इसके अलावा शराब की बोतल, पूजा की सामग्री आदि भी मिली। आरोप है कि मुन्नालाल और उसके साथियों ने तांत्रिक विद्या के लिए भाई की नरबलि के लिए हत्या की है।

पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर शराब की बोतल, पानी की बोतल, कई गिलास मिले हैं। मुन्नालाल की तलाश की जा रही है। वह अभी अपने घर से फरार है। उसके पकड़े जाने के बाद ही यह पता लगेगा कि क्या अमित को शराब पिलाने के बाद उसकी हत्या की गई या फिर हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव के पास ही शराब पी। हालांकि इसमें आशंका यह भी है कि हो सकता है कि अमित सहित सभी मौजूद लोगों ने पार्टी की और इस दौरान किसी बात पर कहासुनी होने पर हत्या की गई।

तांत्रिक के पकड़े जाने पर ही खुलेगा हत्या का राज: अमित कुमार की हत्या के मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपी तांत्रिक मुन्नालाल की तलाश की जा रही है। वह फरार है। उसके पकड़े जाने पर ही पता लगेगा कि क्या अमित को शराब पिलाने के बाद उसकी हत्या की गई या फिर हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव के पास ही शराब पी। हालांकि आशंका यह भी है कि अमित सहित सभी मौजूद लोगों ने पार्टी की और किसी बात पर कहासुनी होने पर हत्या की गई। पुलिस ने अमित का मोबाइल जब्त कर लिया है। सीडीआर निकलवाई जा रही है ताकि पता किया जा सके कि उसकी किस-किससे बात हुई थी। साथ ही पुलिस टॉवर लोकेशन भी ले रही है, जिससे की यह पता किया जा सके कि अमित के साथ और किस-किसके मोबाइल नंबर उक्त घटनास्थल पर थे।

पांच भाईयों में दो जुड़वा: मृतक अमित कुमार सहित परिवार में चार अन्य भाई भी हैं। सबसे बड़ा कौशल किशोर, उसके बाद विपिन मुरारी, तीसरे नंबर का ध्रुव और चौथे नंबर का सुमित व पांचवें नंबर का अमित जुड़वा थे। यह सभी भाई पिता के साथ खेती करते हैं।

मोबाइल कब्जे में लिया, सीडीआर निकलवाई जाएगी: अमित का मोबाइल पुलिस ने सीज कर दिया है। उसके नंबर की सीडीआर निकलवाई जा रही है, ताकि पता किया जा सके कि उसकी किस-किससे बात हुई थी। साथ ही पुलिस टॉवर लोकेशन भी ले रही है, जिससे की यह पता किया जा सके कि अमित के साथ और किस-किसके मोबाइल नंबर उक्त घटनास्थल पर थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

फेफड़ों के इंफेक्शन से जूझ रहे पोप बोले- मेरे बचने की उम्मीद नहीं

रोम। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार की रिहर्सल शुरू हो गई है। रोमन कैथोलिक चर्च के हेडक्वार्टर वेटिकन के मुताबिक पोप ने खुद कहा है कि निमोनिया से उनके बचने की उम्मीद नहीं है। यह दावा स्विस न्यूज पेपर ब्लिक ने किया है। इस खबर के सामने आने के बाद स्विस गार्ड के प्रवक्ता ने इसे अफवाह बताया और कहा कि गार्ड्स अपने सामान्य रूटीन के मुताबिक काम कर रहे हैं। दरअसल 88 साल के पोप फ्रांसिस पिछले हफ्ते से निमोनिया और फेफड़ों के संक्रमण की वजह से रोम के जेमेली अस्पताल में एडमिट हैं। वेटिकन में मौजूदा हालात को गंभीरता से लिया जा रहा है।

वेटिकन बोला- पोप की हालत स्थिर वेटिकन ने गुरुवार को बताया कि पोप की हालात स्थिर है। उनके ब्लड टेस्ट में थोड़ा सुधार दिखाई दे रहा है। CNN ने वेटिकन के एक सोर्स के हवाले से बताया कि पोप अपने बेड से उठकर अस्पताल के कमरे में कुर्सी पर बैठने की हालात में हैं। इससे पहले सोमवार को वेटिकन ने कहा था कि पोप फ्रांसिस को सांस नली में पॉलीमाइक्रोबियल इन्फेक्शन है, जिसकी वजह से उनके मेडिकल ट्रीटमेंट में बदलाव करना पड़ा है। इसके बाद मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि दोनों फेफड़ों में निमोनिया होने के बावजूद पोप फ्रांसिस अच्छे मूड में हैं। जबकि बुधवार को बताया गया था कि पोप की हालत गंभीर बनी हुई है।

चीन-रूस पर ट्रम्प का दोहरा रवैया, इनके अवैध अप्रवासियों को पैसेंजर प्लेन से भेज रहे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथग्रहण के 30 दिन पूरे हो गए हैं। इस दौरान ट्रम्प ने हजारों अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सैन्य विमान से डिपोर्ट किया है। हालांकि इस मामले में ट्रम्प का दोहरा रवैया नजर आया है। चुनाव से पहले चीन को धमकाने वाले ट्रम्प अब चीन-रूस के 3 लाख अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करने के लिए सैन्य विमान नहीं भेज रहे हैं। अमेरिकी गृह मंत्रालय के मुताबिक चीन के 2 लाख 60 हजार और रूस के 30 हजार से ज्यादा अवैध अप्रवासी हैं। इन्हें पैसेंजर फ्लाइट्स से डिपोर्ट किया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प चीन और रूस पर मेहरबान नजर आ रहे हैं। वे अमेरिकी रूसी अरबपतियों को संपत्ति को जब्त करने वाले आयोग को भंग कर चुके हैं। ट्रम्प ने पहले चीन पर 25% टैरिफ की धमकी दी, लेकिन 10% ही लगाया। टिकटॉक बैन पर नरमी बरत रहे। बीते दिनों अमेरिका ने तीन मिलिट्री फ्लाइट से 332 भारतीयों को वापस भेजा। पहली फ्लाइट 5 फरवरी को लैंड हुई थी। इसमें सभी लोगों को हथकड़ियां-बेड़ियां और जंजीर पहनाकर लाया गया था। इसे लेकर देश में हंगामा हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि वे सुनिश्चित करेंगे कि लोगों के साथ ऐसा व्यवहार न किया जाए।

प्रयागराज में 26 फरवरी तक स्कूल ऑनलाइन, भीड़ की वजह से फैसला, आज 86 लाख लोगों ने डुबकी लगाई

प्रयागराज। महाकुंभ का आज 39वां दिन है। मेला खत्म होने में 6 दिन और बचे हैं। दोपहर 2 बजे तक 85 लाख 73 हजार श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। 13 जनवरी से अब तक 56.75 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। गुरुवार को भी महाकुंभ में भीड़ है। संगम तट पर भीड़ न हो, इसलिए पुलिस श्रद्धालुओं से स्नान करके वहां से हटने की अपील कर रही है। आज भारत सहित अन्य देशों के 40 से ज्यादा VVIP संगम स्नान करेंगे। पूरे स्नान पर्व के दौरान यह पहली बार है कि इतने ज्यादा VVIP मेले में आ रहे हैं। गुरुवार सुबह से भी संगम आने वाले सभी रास्तों पर 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ है। शहर के बाहर की पार्किंग में ही वाहनों को रोका जा रहा है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा से श्रद्धालु महाकुंभ पहुंच रहे हैं। भीड़ के चलते प्रयागराज आने-जाने वाली 8 ट्रेनें 28 फरवरी तक रद्द कर दी गई हैं। 4 ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। प्रशासन का अनुमान है कि कल यानी शुक्रवार से महाकुंभ में भीड़ बढ़ेगी। क्योंकि, यह महाकुंभ का आखिरी वीकेंड है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान के साथ मेला खत्म हो जाएगा। मेले की तारीख बढ़ाने की अफवाहों को डीएम प्रयागराज रविंद्र मंदार ने खारिज कर दिया है। सीएम योगी ने भी गुरुवार को विधानसभा में कहा- महाकुंभ की अवधि धार्मिक दृष्टिकोण से निर्धारित होती है। इस बार 45 दिन का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में तारीख बढ़ने की संभावना नही है। गुरुवार को महाराष्ट्र की कैबिनेट प्रयागराज पहुंच रही है। वह संगम में डुबकी लगाएगी। प्रयागराज में आज मौसम साफ रहेगा। बारिश का कोई अनुमान नहीं है। इधर, महाकुंभ से जुड़ी अफवाहों और फर्जी पोस्ट को लेकर प्रयागराज पुलिस ने अब तक 101 सोशल मीडिया अकाउंट पर FIR दर्ज की है।

हिमाचल में बर्फबारी, शिमला में तापमान 3° दिल्ली में बारिश, 23 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है। शिमला के नारकंडा और कुफरी में भी गुरुवार सुबह से ही बर्फबारी हो रही है। शिमला में न्यूनतम तापमान 3° और अधिकतम 11° दर्ज किया गया है। देश के 23 राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। इसमें दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ में बारिश हो रही है। वहीं जम्मू- कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, श्रीनगर में भी शीतलहर जारी है और हल्की बारिश हुई है, आज यहां का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। कल यानी 21 फरवरी को जम्मू संभाग के अलग-अलग ऊंचे इलाकों में बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान है। दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार सुबह बारिश हुई और तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग (IMD) अनुसार, दिन में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं, जबकि अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मध्य प्रदेश में भोपाल समेत कई शहरों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे यानी, कल से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होने का अनुमान जताया है। वहीं दूसरी ओर, इंदौर-उज्जैन में दिन में गर्मी का असर देखा गया। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय होने से बुधवार को बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और भरतपुर संभाग के जिलों में मौसम बदल गया। इन जगहों पर बादल छाने के बाद तेज हवा चली और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोत्तर भारत में अगले तीन दिनों तक बारिश, आंधी तूफान और बिजली कड़कने की चेतावनी है।

हाईकोर्ट जजों के खिलाफ लोकपाल जांच के आदेश पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह बहुत परेशान करने वाला

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अभय एस ओका की बेंच ने गुरुवार को मामले पर खुद सुनवाई की और कहा कि यह बहुत परेशान करने वाली बात है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, लोकपाल रजिस्ट्रार, शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। तब तक जजों के नाम और शिकायत का खुलासा नहीं करना है। आरोप- कंपनी के पक्ष में फैसले के लिए जजों से सिफारिश की दरअसल, लोकपाल ने 27 फरवरी को एक आदेश जारी कर हाईकोर्ट के एक मौजूदा एडिशनल जज के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की बात कही थी। लोकपाल ने कहा कि हाई कोर्ट का जज लोकपाल अधिनियम की धारा 14 (1) (f) के दायरे में एक व्यक्ति के रूप में योग्य होगा। इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसला लेने के लिए हाईकोर्ट के एक अन्य जज और एक एडिशनल जिला जज को सिफारिश की। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस जज के खिलाफ फैसले को प्रभावित करने का आरोप है, वह किसी समय में इसी कंपनी के लिए वकालत कर चुके हैं। सिब्बल बोले- इस पर एक कानून बनाना चाहिए इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत की सहायता करने की पेशकश की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दे दी। सिब्बल का मानना है कि यह मामला न्यायपालिका की स्वतंत्रता से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण है। सुनवाई के दौरान सिब्बल ने कहा- मुझे लगता है इस पर एक कानून बनाया जाना चाहिए।

हमास ने 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाए

एजेंसी, गाजा

इसमें 9 महीने की उम्र में किडनैप बच्चे की भी बॉडी, हमास शनिवार को 6 बंधक रिहा करेगा

फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने गुरुवार को 4 इजराइली बंधकों के शव रेड क्रॉस एजेंसी को सौंप दिए हैं। इनमें शिरी बिबास और उनके 2 बच्चे एरियल बिबास और केफिर बिबास शामिल हैं। 7 अक्टूबर 2023 को जब हमास ने इन्हें बंधक बनाया था, तब एरियल की उम्र 4 साल और केफिर की उम्र 9 महीने थे। इन बच्चों के पिता यार्डेन बिबास को इस महीने की शुरुआत में रिहा किया गया था। चौथा शव 83 साल के ओडेड लिफिशट्ज का है। उन्हें उनकी पत्नी योचेवेड के साथ किबुत्ज नीर ओज से अगवा कर लिया गया था। योचेवेड को हमान ने 24 अक्टूबर 2023 को रिहा कर दिया था।

हमास शनिवार को 6 बंधकों को रिहा करेगा। यह पहले से तय संख्या से दोगुनी है। इन बंधकों के बदले इजराइल अक्टूबर 2023 से गिरफ्तार सभी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के फिलिस्तीनी लोगों को रिहा कर देगा। इसके साथ ही इजराइल मिस्र बॉर्डर के जरिए गाजा में मलबा हटाने वाली मशीनें ले जाने की परमिशन देगा। केफिर हमास की कैद में सबसे कम उम्र का बंधक था केफिर को जब बंधक बनाया गया उस वक्त उसकी उम्र सिर्फ 9 महीने थी। तब वह हमास के कब्जे में सबसे कम उम्र का बंधक था। हमास ने नवंबर 2023 में दावा किया था कि शिरी और उनके दोनों बच्चों की इजराइली बमबारी में मौत हो चुकी है। हमास ने तब एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें यार्डेन बिबास अपने परिजनों की मौत का जिम्मेदार इजराइली पीएम नेतन्याहू को बता रहे थे। हालांकि, इजराइल ने कभी भी हमास के इस दावे को नहीं माना।

राहुल गांधी की नागरिकता मामले की सुनवाई 26 मार्च को

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा, सुब्रमण्यम स्वामी ने लगाई है याचिका

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 26 मार्च को तय की है। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय में एक शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि राहुल गांधी द्वारा ब्रिटिश अधिकारियों को सौंपे गए डॉक्यूमेंट में खुद को ब्रिटिश नागरिक घोषित किया है। स्वामी ने तर्क दिया कि यह भारतीय संविधान और नागरिकता अधिनियम का उल्लंघन है और यह ब्रिटिश पासपोर्ट रखने के बराबर है। कोर्ट ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) चेतन शर्मा से कहा कि याचिकाकर्ता (स्वामी) मूल मुद्दे पर कोई फैसला नहीं चाहते, बल्कि केवल यह जानना चाहते हैं कि उनके द्वारा भेजी गई एप्लीकेशन पर कोई कार्रवाई होगी या नहीं। स्वामी बोले- एप्लीकेशन को PIL माना जाए या नहीं स्वामी ने अपनी याचिका में गृह मंत्रालय से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि उनकी एप्लीकेशन को जनहित याचिका (PIL) माना जाए या नहीं। दरअसल, अप्रैल 2019 में गृह मंत्रालय ने राहुल गांधी को एक पत्र भेजकर उनकी नागरिकता को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था।

यूपी बजट- 9 लाख आउटसोर्स कर्मियों की सैलरी बढ़ाई

एजेंसी, लखनऊ

छात्राओं को फ्री स्कूटी मिलेगी, 92 हजार नई नौकरी, छुट्टा पशुओं की समस्या खत्म करने का ऐलान

यूपी की योगी सरकार ने गुरुवार को 2025-26 का बजट पेश किया। इसमें 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां दिखीं। योगी ने बजट 'सनातन को समर्पित' बताया। विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, सरकार ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों लिए सेवा निगम बनेगा। न्यूनतम मानदेय 20 हजार रुपए दिया जाएगा। अभी तक उन्हें 16 हजार रुपए मिल रहे थे। प्रदेश में इस समय करीब 9 लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारी हैं। बजट में मध्यप्रदेश-राजस्थान की तर्ज पर पहली बार 12वीं के रिजल्ट में अच्छे नंबर लाने वाली प्रतिभाशाली छात्राओं को फ्री में स्कूटी देने का ऐलान किया गया है। इसमें यूपी बोर्ड के अलावा सीबीएसई को भी शामिल किया जाएगा। युवाओं को रोजगार के लिए ब्याजमुक्त लोन दिया जाएगा। युवाओं को स्मार्ट फोन और टैबलेट पहले की ही तरह दिए जाएंगे। प्रतियोगी छात्रों को घर के पास ही कोचिंग सुविधा मिले, इसके लिए सभी जिलों में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत कोचिंग खोली जाएंगी। हर साल 1 लाख नए छोटे उद्यमों की स्थापना की जाएगी। लखनऊ में AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी बनाने का ऐलान भी किया गया है। मथुरा-वृंदावन कॉरिडोर के लिए 150 करोड़ का बजट दिया गया है।

यूपी में 4 नए एक्सप्रेस-वे को मंजूरी: आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे से गंगा एक्सप्रेस-वे को कनेक्ट करने के लिए एक्सप्रेस-वे बनेगा। इसके लिए 900 करोड़ रुपए दिए। गंगा एक्सप्रेस-वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, सोनभद्र से जोड़ने के लिए विंध्य एक्सप्रेस-वे बनेगा। 50 करोड़ रुपए का बजट तय किया। मेरठ को हरिद्वार से जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेस-वे का विस्तारीकरण एक्सप्रेस-वे बनेगा। इसके लिए भी 50 करोड़ रुपए दिए गए हैं। बुंदेलखंड-रीवा एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए दिए गए हैं।वित्तमंत्री ने विधानसभा में सपा सदस्यों की तरफ इशारा करते हुए कहा- आपकी समस्या सॉल्व होगी। छुट्टा पशुओं के लिए 2 हजार करोड़ दिए गए हैं। 58 नगर पालिकाओं को स्मार्ट सिटी बनाया जाएगा। अयोध्या में सोलर सिटी बनेगी। 8 डेटा सेंटर पार्क तैयार होगा। वित्त मंत्री ने 1 घंटे 41 मिनट का बजट भाषण दिया। योगी 2.0 सरकार यह चौथा और यूपी का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। बजट से पहले वित्तमंत्री ने शेर पढ़ा, फिर रामचरितमानस की चौपाई। कहा, इस धरा से हर अंधेरे को मिटाकर सूर्य का पर्याय बनना चाहता हूं, आदमी के शौर्य के इतिहास का श्रेष्ठतम अध्याय बनना चाहता हूं। वित्त मंत्री ने गुरुवार सुबह घर में पूजा की। इसके बाद वह सीएम आवास पहुंचे। यहां बजट को कैबिनेट की मंजूरी दी गई। फिर बजट लेकर वित्तमंत्री विधानसभा पहुंचे। सुरेश खन्ना ने आज लगातार छठवीं बार बजट पेश किया। वह 2020 से लगातार बजट पेश कर रहे हैं। यूपी के लिहाज से यह एक रिकॉर्ड है।

असम खदान रेस्क्यू- 44 दिन बाद बाकी 5 शव बरामद, पहचान के लिए DNA टेस्ट होगा

एजेंसी, दीमा हसाओ

6 जनवरी को खदान में फंसे सभी 9 मजदूरों की मौत

असम अवैध खदान हादसे में मारे गए 5 और मजदूरों के शव बरामद कर लिए गए हैं। रेस्क्यू टीम को सर्च ऑपरेशन में 44 दिन लग गए। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह सड़-गल चुके हैं। मजदूरों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। इससे पहले 8 जनवरी को एक शव और 11 जनवरी को तीन शव बरामद हुए थे। दरअसल, दीमा हसाओ जिले की उमरंगसो कोयला खदान में पानी भरने से 9 मजदूर फंस गए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन इंडियन आर्मी और NDRF की टीम मिलकर चला रही थी। सरकार सभी पीड़ितों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए के मुआवजा देगी। साथ ही अवैध रूप से चल रही 220 ऐसी ही खदानों को बंद किया जाएगा।

पहले दिन मजदूरी पर गया था लिजान मगर: कोयला खदान हादसे में मारे गए लिजान मगर की पत्नी जुनू प्रधान कहती हैं कि 6 जनवरी को उनके काम का पहला दिन था। लिजान मगर हमारे परिवार का इकलौता कमाने वाला था। पत्नी जुनू ने कहा- मेरा 2 महीने का बच्चा है और मुझे नहीं पता कि हमारा भविष्य क्या होगा। शनिवार सुबह 27 साल के लिजान मगर का शव पानी पर तैरता मिला था। वह दीमा हसाओ के कलामती गांव नंबर 1 का निवासी था।

2 गिरफ्तारियां, 2 पर FIR; कांग्रेस की PM से मांग- SIT बनाएं: असम पुलिस ने खदान हादसे के सिलसिले में हनान लस्कर और पुनुश नुनिसा को गिरफ्तार किया था। वहीं, कांग्रेस की दिमा हसाओ यूनिट के कोम केम्पराई और पितुश लंगथासा ने उत्तरी कछार हिल्स स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) देबोलाल गोरलोसा और उनकी पत्नी कनिका होजाई के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। इसमें गोरलोसा और होजाई की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है। दावा है कि ये दोनों खदान में अवैध खनन करवा रहे थे। वहीं लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने खदान हादसे को लेकर PM मोदी के नाम चिट्ठी लिखी और मामले की जांच के लिए SIT बनाने की मांग की है। गौरव ने लिखा- पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए और यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

ट्रम्प ने जेलेंस्की को मामूली कॉमेडियन और तानाशाह कहा

एजेंसी, वॉशिंगटन/कीव

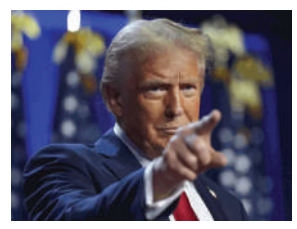

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ट्रम्प ने बुधवार को अपने मार-ए-लागो रिसोर्ट में दिए एक बयान में जेलेंस्की को तानाशाह कहा है। इससे दोनों नेताओं के बीच विवाद गहरा गया है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा कि ट्रम्प गलत जानकारी के साथ, गलतफहमी में जी रहे हैं। जेलेंस्की का ये बयान ट्रम्प के एक आरोप के जवाब में आया था। दरअसल ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि यूक्रेन में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग गिरकर सिर्फ 4% रह गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी की। इस पोस्ट में उन्होंने जेलेंस्की को एक मामूली कॉमेडियन और बिना चुनाव वाला एक तानाशाह बताया। जेलेंस्की को तानाशाह कहने के खिलाफ यूरोपीय नेता उनके समर्थन में उतर आए हैं। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की की लोकतांत्रिक वैधता को नकारना पूरी तरह से गलत और खतरनाक है। जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बैरबॉक ने भी ट्रम्प के बयान को बेतुका बताया है। ब्रिटिश PM कीर स्टार्मर ने भी जेलेंस्की को फोन कर उनके प्रति समर्थन दिखाया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक स्टार्मर ने कहा कि जंग के दौरान चुनावों को टालना पूरी तरह से सही था। स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने भी ट्रम्प की आलोचना की है।

कर्नाटक में कश्मीरी MBBS छात्र से रैगिंग और मारपीट

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक के बीजापुर में अल-अमीन मेडिकल कॉलेज में कश्मीर के रहने वाले MBBS सेकेंड ईयर के स्टूडेंट के साथ रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। मामले में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कर्नाटक के CM सिद्धरमैया को चिट्ठी लिखकर कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी देते हुए जम्मू-कश्मीर छात्र संघ (JKSA) ने बताया कि पीड़ित स्टूडेंट हामिम कश्मीर के अनंतनाग का रहने वाला है। JKSA के मुताबिक 18 फरवरी शाम 4 बजे कॉलेज के 2019 और 2022 बैच के स्टूडेंट्स के बीच क्रिकेट मैच हो रहा था। हामिम मैच देखने गया था, उसी दौरान उससे बदसलूकी और मारपीट की गई। पिछले साल भी एक सीनियर स्टूडेंट ने हामिम के साथ बदसलूकी की थी। तब हामिम डिनर करने गया था और उसने सीनियर का अभिवादन नहीं किया था। हालांकि कॉलेज प्रशासन ने रैगिंग और मारपीट की घटना से इनकार किया है। कॉलेज प्रशासन ने कहा कि मामले को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बताया जा रहा है। जबरन गाड़ी में बैठाकर मारपीट की गई जम्मू-कश्मीर छात्र संघ (JKSA) के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुहामी ने बताया कि हामिद के साथ सीनियर्स ने क्रिकेट मैच के दौरान रैगिंग की। सीनियर्स ने पहले धमकी दी, फिर सामूहिक रूप से अपमानित किया। जबरन गाड़ी में बैठाकर उसके साथ मारपीट भी की गई।

अश्लीलता रोकने के लिए सरकार लाएगी डिजिटल इंडिया बिल, सोशल मीडिया कंटेट पर नजर रखी जाएगी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र करीब 15 महीने से काम कर रहा

सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने के लिए केंद्र सरकार मौजूदा आईटी एक्ट की जगह डिजिटल इंडिया बिल लाने पर काम कर रही है। नए कानून में यू ट्यूबर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया यूजर्स को रेगुलेट करने के प्रावधान रहेंगे। डिजिटल इंडिया बिल पर केंद्र करीब 15 महीने से काम कर रहा है। अलग-अलग क्षेत्र के लिए विशिष्ट प्रावधान वाले कानून बनाए जाएंगे। जैसे दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण संबंधी विषयों के लिए अलग-अलग प्रावधान रखे जाएंगे। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गवर्नेंस की भी व्यवस्था हो। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहबादिया के विवाद के चलते सरकार डिजिटल इंडिया बिल की ओर वापसी कर रही है। हालांकि, एआई गवर्नेंस इससे अलग रखने का फैसला किया है। इसके लिए पूरी तरह अलग नियमन की जरूरत है। सरकार के सामने तुरंत की बाध्यता सुप्रीम कोर्ट को संतोषजनक जवाब देने की है कि आईटी एक्ट की खामियां दूर करने के लिए क्या किया जा रहा है। आईटी मामलों पर संसदीय समिति ने भी अश्लील कंटेंट पर अंकुश के लिए सरकार से जवाब मांग रखा है।

आईटी एक्ट साल 2000 में बना था, तब 60 लाख नेट यूजर थे, अब 90 करोड़ आईटी एक्ट, 2000 पुराना हो चुका है। यह बना तब देश में इंटरनेट यूजर 60 लाख तक थे। अब 90 करोड़ से ज्यादा हैं। संसदीय समिति ने हाल में अश्लील व फूहड कंटेंट पर सरकार से पूछा था कि आईटी एक्ट में ऐसे कंटेंट को लेकर क्या प्रावधान हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी मुद्दे पर अटॉर्नी जनरल और सॉलीसिटर जनरल को अगली सुनवाई पर बुलाया है। कंटेंट को लेकर सरकार की गाइडलाइन भारत सरकार ने 2021 में The Information Technology (Intermediary Guidelines and Digital Media Ethics Code) Rules बनाया था। इसे 6 अप्रैल, 2023 को अपडेट किया गया। 30 पेज की गाइडलाइंस में सोशल मीडिया, फिल्म और वेब सीरीज के लिए नियम बताए गए हैं। पेज नंबर-28 पर फिल्म, वेब सीरीज और एंटरटेनमेंट प्रोग्राम के लिए जनरल गाइडलाइंस है। इसमें टारगेट ऑडियंस के आधार पर कैटेगरी तय करना जरूरी है। ये चेतावनी देना भी जरूरी है कि आप क्या कंटेंट दिखा रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की दमदार शुरुआत, पाकिस्तान को 60 रन से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के उद्घाटन मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 60 रन से पराजित कर विजयी आगाज किया। टॉम लैथम और विल यंग के बेहतरीन शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने 320 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 260 रन पर सिमट गई।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत संघर्षपूर्ण रही। शुरुआती झटकों के बाद विल यंग और टॉम लैथम ने पारी को संभाला। यंग ने 107 रनों की बेहतरीन पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक जड़ा। वहीं, लैथम ने 95 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया और 118 रन बनाकर नाबाद लौटे। ग्लेन फिलिप्स ने भी 39 गेंदों में तेजतर्रार 61 रन बनाकर टीम को 320 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

पाकिस्तान के लिए नसीम शाह और हारिस रऊफ ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अबरार अहमद को एक सफलता मिली।

321 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद बाबर आजम (64) और खुशदिल शाह (69) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। सलामी बल्लेबाज शाद शकील (6) और मोहम्मद रिजवान (3) जल्दी आउट हो गए, जबकि फखर जमान भी 24 रन बनाकर चलते बने। पाकिस्तान की टीम 16 गेंद पहले ही ऑलआउट हो गई।

न्यूजीलैंड की ओर से विल रूकी और मिचेल सेंटनर ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि मैट हेनरी ने दो विकेट लिए। माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ ने भी एक-एक सफलता हासिल की।

हमें उम्मीद नहीं थी कि न्यूज़ीलैंड बोर्ड पर 320 रन बनाएगा : मोहम्मद रिजवान

एजेंसी, कराची

सात साल के लंबे इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी हुई, और टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रनों से हराकर शानदार आगाज किया। बुधवार देर रात खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की शुरुआत संघर्षपूर्ण रही। पाकिस्तानी गेंदबाजों नसीम शाह, हारिस रऊफ और अबरार अहमद ने कड़ा मुकाबला पेश किया और शुरुआती 73 रन के भीतर डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन और डेरिल मिशेल के विकेट झटक लिए। लेकिन इसके बाद टॉम लैथम (118) और विल यंग (107) ने 118 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को मुश्किल हालात से बाहर निकाला। अंत में ग्लेन फिलिप्स ने 39 गेंदों में 61 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे न्यूजीलैंड ने आखिरी 10 ओवरों में 113 रन जोड़कर स्कोर को 320/5 तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम इस विशाल लक्ष्य के दबाव में बिखर गई और पूरी टीम 260 रन के भीतर सिमट गई। मैच के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने कहा, "हमें उम्मीद नहीं थी कि वे 320 तक पहुंच जाएंगे। हमने सोचा था कि उन्हें 260 के आसपास रोक लेंगे, लेकिन विल यंग और लैथम ने बहुत समझदारी से खेला। अंतिम ओवरों में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं था, जिससे उन्होंने बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया।" रविवार को पाकिस्तान का मुकाबला अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा। इस मैच में हार पाकिस्तान की खिताबी रक्षा की उम्मीदों को खत्म कर सकती है। हालांकि, बढ़ते दबाव के बीच रिजवान ने कहा, "हम इस मैच को एक सामान्य मुकाबले की तरह लेंगे और खुद पर गत चैंपियन होने का अतिरिक्त दबाव नहीं डालेंगे।" अब सभी की निगाहें भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले पर टिकी हैं, जहां पाकिस्तान को हर हाल में जीत की दरकार होगी।

आईसीसी रैंकिंग : शुभमन गिल बने नंबर एक वनडे बल्लेबाज, बाबर आजम को पछाड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की आज से शुरुआत हो चुकी है। पहला मैच मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड टीम के बीच खेला जा रहा है। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच कल यानी गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इससे भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की है। इसके मुताबिक गिल नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए हैं। गिल के 796 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम को एक स्थान का नुकसान हुआ है। बाबर 773 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर मैजूद हैं। टॉप 10 में गिल के साथ भारत के चार बल्लेबाजशुभमन गिल के साथ वनडे में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में भारतीय टीम के चार खिलाड़ी मौजूद हैं। गिल के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली छठे स्थान पर और मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर नौवें स्थान पर मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन चौथे स्थान पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल पांचवें स्थान पर हैं। यह दूसरी बार है जब गिल ने वनडे क्रिकेट में नंबर एक रैंकिंग हासिल की है। बल्लेबाज ने 2023 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के बीच में बाबर को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया था। गिल पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे मैच के दौरान अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ 112 रन की शतकीय पारी खेली थी। सीरीज के तीनों मैचों में उन्होंने कुल 259 रन बनाए थे। श्रेयस भी शानदार फॉर्म में दिखे थे। उन्होंने तीन मैचों में 181 रन बनाए थे। रोहित ने भी एक शतक लगाया था। भारत ने यह सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी।

रेफरी को अपशब्द कहने पर जूड बेलिंगहैम पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी, मैड्रिड

स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने रियल मैड्रिड के इंग्लिश मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। यह कार्रवाई उन्हें ओसासुना के खिलाफ पिछले शनिवार को खेले गए मैच में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद की गई है। मैच के पहले हाफ में रेफरी जोस लुइस मुनुएरा मोंटेरो ने बेलिंगहैम को अपशब्द कहने के आरोप में बाहर भेज दिया था। हालांकि, रियल मैड्रिड ने रेफरी की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि बेलिंगहैम ने "एफ*** यू" की जगह "एफ*** ऑफ" कहा था। आरएफईएफ ने बेलिंगहैम को "रेफरी के प्रति अनादर" का दोषी पाया है, जिसके चलते उन्हें दो मैचों के लिए निलंबित किया गया। यदि उन्हें रेफरी का अपमान करने का दोषी माना जाता, तो उनका प्रतिबंध 4 से 12 मैचों तक बढ़ सकता था। इस फैसले के बाद रेफरी मुनुएरा को सोशल मीडिया पर धमकियों और अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाते हुए सैकड़ों अपमानजनक संदेश भेजे गए, जिससे मजबूर होकर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल बंद कर दी हैं। रियल मैड्रिड बेलिंगहैम के प्रतिबंध के खिलाफ अपील कर सकता है। अगर प्रतिबंध बरकरार रहता है, तो बेलिंगहैम शनिवार को गिरोना और अगले हफ्ते बेटिस के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया : मांजरेकर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे।

डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरेकर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन बार ट्रॉफी के करीब पहुंची, 2009, 2011 और 2016 में, लेकिन वे फाइनल में हार गए। ट्रॉफी के सूखे के बावजूद,आरसीबी अतीत में कई महान बल्लेबाजों का घर रहा है जो मैच विनर से कम नहीं हैं। चाहे वह केएल राहुल हो, शेन वॉटसन हो, क्रिस गेल हो, ब्रेंडन मैकुलम हो या एबी डिविलियर्स, आरसीबी ने हमेशा अपने रैंकों में आक्रामक बल्लेबाजों की विलासिता का आनंद लिया है जो खेल को विपक्ष से दूर ले जा सकते हैं, लेकिन उनका खिताब का सूखा जारी है।

सीजन के अंत में संन्यास लेंगे एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस

एजेंसी, मैड्रिड

एथलेटिक क्लब बिलबाओ के अनुभवी डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस ने बुधवार को घोषणा की कि वह मौजूदा सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। अप्रैल में 36 साल के होने जा रहे डी मार्कोस इस समय क्लब के साथ अपने 16वें सीजन में खेल रहे हैं। पिछले रविवार को एस्पेनयोल के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 560वीं बार क्लब के लिए मैदान पर उतरकर खुद को एथलेटिक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा मैच खेलने वाला खिलाड़ी बना लिया। इस सूची में वह इकर मुनिएन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जोसे एंजेल इरिबार (614 मैच) इस सूची में शीर्ष पर हैं। जनवरी में कर लिया था फैसला डी मार्कोस ने क्लब के 'लेज़ामा' प्रशिक्षण मैदान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उन्होंने जनवरी की शुरुआत में कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे को अपने संन्यास के फैसले की जानकारी दे दी थी।

उन्होंने कहा, "यह फैसला पहले से ही मेरे मन में था, लेकिन बीच-बीच में मैंने जारी रखने के बारे में भी सोचा। हालांकि, इस बार मुझे पूरा यकीन था कि यही सही समय है।" इस सीजन में डी मार्कोस ने ला लीगा में 19 और यूरोपा लीग में छह मुकाबले खेले हैं। उनकी टीम एथलेटिक बिलबाओ इस समय ला लीगा में चौथे स्थान पर बनी हुई है और यूरोपा लीग के अंतिम-16 में भी जगह बना चुकी है। डी मार्कोस ने कहा, "मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है। मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि मेरा शरीर क्या कहता है, और इसने मुझे संकेत दिया कि अब समय आ गया है। मैं चाहता था कि जब तक खेलूं, तब तक उपयोगी बना रहूं, और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर पाया।" ऑस्कर डी मार्कोस ने अपने करियर की शुरुआत एक फॉरवर्ड के रूप में की थी। अपने 16 साल के करियर में वह विंगर और अटैकिंग मिडफील्डर के रूप में भी खेले, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने राइट बैक की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 39 गोल भी किए। डी मार्कोस न केवल अपने खेल के लिए बल्कि मानवीय कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने स्थानीय अस्पतालों में बच्चों से मुलाकात, और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में चैरिटी यात्राओं जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कतर ओपनः कार्लोस अलकराज क्वार्टर फाइनल में, जिरी लेहेका से होगी भिड़ंत

एजेंसी, दोहा

स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज ने बुधवार को इतालवी क्वालीफायर लुका नारदी को हराकर कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हालांकि, यह जीत उनके लिए आसान नहीं रही। पहला सेट जीतने और दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त लेने के बावजूद, अलकराज को संघर्ष करना पड़ा जब नारदी ने लगातार पांच गेम जीतकर मैच को निर्णायक सेट तक खींच लिया। तीसरे सेट में, अलकराज ने चौथे गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया और 6-1, 4-6, 6-3 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद अलकराज ने कहा, "उन्होंने कुछ शानदार अंक खेले और ऐसा लगने लगा कि वह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी की तरह खेल रहे हैं। मैं बस खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने की कोशिश कर रहा था। तीसरे सेट में वापसी कर जीत हासिल करना मेरे लिए संतोषजनक है।" चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अलकराज, जो दोहा में पहली बार खेल रहे हैं, गुरुवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका का सामना करेंगे। लेहेका ने अपने प्री-क्वार्टर मुकाबले में हंगरी के फैबियन मारोज़सन को महज एक घंटे में 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

महिला फुटबाल लीग की विजेता बनीं मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम

एजेंसी, मुरादाबाद

अस्मिता खेलो इंडिया के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण व उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ के समन्वय से आयोजित महिला फुटबाल लीग की विजेता मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम बनी। अंकों के आधार पर निर्णायकों ने यह फैसला किया। उपविजेता का तमगा जिला फुटबाल एसोसिएशन की टीम को मिला है। गुरुवार को पुरस्कार वितरण दिल्ली पब्लिक ग्लोबल स्कूल के मैदान पर हुआ। अंडर-15 आयु वर्ग में आयोजित इस लीग में सात मुकाबले खेले गए थे। मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम को 17 अंक मिले। जबकि जिला फुटबाल एसोसिएशन की टीम 16 अंक पाकर दूसरे स्थान पर रही। जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मो. नासिर कमाल ने बताया कि विजेता टीम को 50 हजार व उपविजेता टीम को 30 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। बराबर राशि सीधे खिलाड़ियों के खातों में भेज दी जाएगी। आज दोनों टीमों को ट्रॉफियां सौंपी गईं। सभी छह टीमों के एक-एक खिलाड़ी को उत्कृष्ट खिलाड़ी के तौर पर प्रतीक चिह्न दिया गया। सर्वाधिक गोल करने वाली मैथोडिस्ट की ऐश्वर्या को गोल्डन बूट से सम्मानित किया गया। मॉडर्न पब्लिक स्कूल की आलिया सुल्ताना को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। रेफरी माधुरी देवी, निशिता, इरम खान, रेनू काम्बोज, राजकुमारी, विनीता को भी रेफरी किट देकर सम्मानित किया गया। डीपीजीएस की प्रधानाचार्य मुनीरा सिद्दीकी मुख्य अतिथि के तौर पर रहीं।

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर हुईं न्यूज़ीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की गंभीर चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गई हैं। इसका मतलब है कि वह श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। 23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के दौरान बाएं घुटने में मेनिस्कस की चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उनकी रिकवरी में करीब 12 सप्ताह लगने की उम्मीद है।

मुख्य कोच बेन सॉयर ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, "यह मौली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर रोज़ बाउल श्रृंखला में उनके प्रभावी प्रदर्शन के बाद। हालांकि, सकारात्मक बात यह है कि वह शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तक फिट हो सकती हैं।" पेनफोल्ड ने अब तक 14 वनडे में 9 और 10 टी20 मुकाबलों में 7 विकेट लिए हैं। पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेसिन रिज़र्व में उन्होंने 42 रन देकर 4 विकेट झटके थे, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। सोफी डिवाइन भी श्रीलंका के खिलाफ नहीं खेलेंगी। न्यूजीलैंड को श्रीलंका के खिलाफ अपने स्टार खिलाड़ी सोफी डिवाइन के बिना भी उतरना होगा। डिवाइन ने खेल से ब्रेक ले रखा है और उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्धता को लेकर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। न्यूजीलैंड अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा, जिसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेगा। श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु अपनी राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को जल्द छोड़ देंगी। हालांकि, न्यूजीलैंड की स्टार ऑलराउंडर अमेलिया केर भारत में ही बनी रहेंगी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

गठिया का दर्द सोख लेती हैं ये चीजें, जड़ से खत्म होगी दर्दनाक तकलीफ

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

पके कटहल को करें डाईट में शामिल

कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक

तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हार्ट डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

दिल रहेगा एकदम स्वस्थ रुटीन में ये ट्राई करें

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

कैसे करें जंपिंग जैक एक्सरसाइज

.सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
.इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें। .हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें। ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

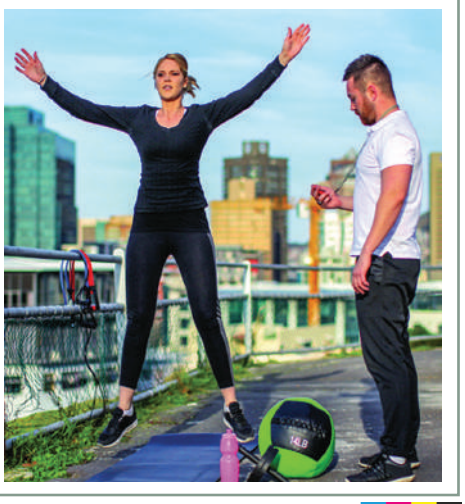

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

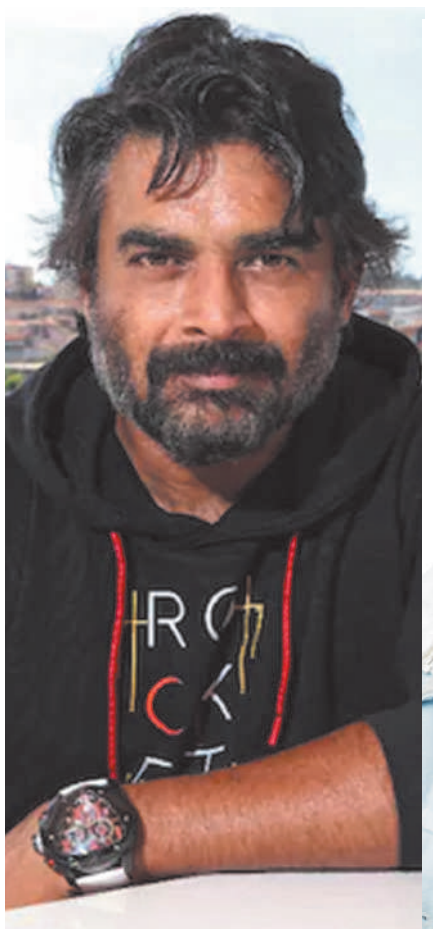

'भारत के एडिसन' जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। 'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फ्रेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फ्रेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ - गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आज़मी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही थी। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, इस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70% महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म 'बमफाड़' से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।